हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार | 01फरवरी 2025 | वर्ष : 03 अंक : 31 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

वैश्विक अस्थिरता के माहौल में भारत विश्व के सामने आदर्श पेश कर रहा: राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी

नई दिल्ली:राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता के माहौल में भारत आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक स्थिरता का स्तम्भ बनकर विश्व के सामने आदर्श प्रस्तुत कर रहा है। मुर्मू बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रही थीं।उन्होंने कहा, वैश्विक अस्थिरता के वातावरण में भारत आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक स्थिरता का स्तम्भ बनकर विश्व के सामने आदर्श प्रस्तुत कर रहा है। चाहे जी7 समिट हो, क्वाड, ब्रिक्स, एससीओ हो या जी20, भारत के सामर्थ्य, नीति और नीयत पर पूरे विश्व ने भरोसा जताया है।राष्ट्रपति ने कहा, आज बड़े से बड़े वैश्विक मंच पर भी भारत अपने हितों को मजबूती के साथ आगे रखता है। जी20 का सफल आयोजन और दिल्ली डिक्लेरेशनइसका उदाहरण है। तीसरी ग्लोबल साउथ समिट, भारत आसियान समिट और भारत कैरीकॉम समिट में हमने ग्लोबल साउथ से जुड़े विषयों को अभिव्यक्ति दी है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने संसद में पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण;

2025 में GDP ग्रोथ 6.3% से 6.8% रहने की संभावना

नदी से दो शवों को भी बाहर निकाला गया और सर्च व रेस्क्यू ऑपरेशन भी जारी है। ये हादसा उस समय पर हुआ जब प्लेन एयरपोर्ट पर लैंड करने के लिए जा रहा था। तभी आसमान से आ रहे अमेरिकी सेना के ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर से टक्कर हो गई। इसके बाद दोनों क्रैश होकर पोटोमैक नदी में जा गिरे।

एजेंसी

नई दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 31 जनवरी को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। इसमें बताया गया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.3% से 6.8% के बीच रह सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 31 जनवरी को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। इसमें बताया गया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.3% से 6.8% के बीच रह सकती है। यह अनुमान 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि के लिए है। सर्वेक्षण के मुताबिक, अर्थव्यवस्था की स्थिति स्थिर बनी हुई है और आगे भी सुधार की संभावना है। इससे देश की वित्तीय नीतियों को दिशा मिलेगी और सरकार को विकास योजनाओं को लागू करने में मदद मिलेगी। महंगाई दर में आई गिरावटरिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में खुदरा महंगाई दर 5.4% रही, जो अप्रैल-दिसंबर 2024 के बीच घटकर 4.9% हो गई। महंगाई में यह गिरावट खाद्य आपूर्ति में सुधार

और सरकारी प्रयासों का नतीजा मानी जा रही है। हालांकि, खराब मौसम और कम उत्पादन के कारण खाद्य महंगाई में कुछ बढ़ोतरी देखी गई थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025-26 की पहली छमाही में रबी फसल के अच्छे उत्पादन से खाद्य वस्तुओं की कीमतें स्थिर रह सकती हैं। आर्थिक सर्वेक्षण को देश की वित्तीय सेहत का आकलन माना जाता है। यह बजट से एक दिन पहले पेश किया जाता है और इसमें बीते वर्ष की आर्थिक गतिविधियों, चुनौतियों और संभावित समाधानों का विस्तृत विश्लेषण होता है। इसे वित्त मंत्रालय के अधीन आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा तैयार किया जाता है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) की देखरेख में यह रिपोर्ट बनाई जाती है। वर्तमान में सीईए डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन इस रिपोर्ट को तैयार करने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। आर्थिक सर्वेक्षण क्यों जरूरी?यह रिपोर्ट सरकार को अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति को समझने में मदद करती है। इससे यह पता चलता है कि देश की अर्थव्यवस्था किस दिशा में आगे बढ़ रही है और किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। हालांकि, सरकार इस रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों को मानने के लिए बाध्य नहीं होती, लेकिन यह बजट बनाने में उपयोगी साबित होती है। भारत में आर्थिक सर्वेक्षण की शुरूआतभारत में पहला आर्थिक सर्वेक्षण 1950-51 में केंद्रीय बजट के साथ पेश किया गया था। 1964 से इसे बजट से अलग कर दिया गया और तब से यह बजट से ठीक एक दिन पहले पेश किया जाता है। यह दस्तावेज न केवल सरकार बल्कि उद्योगों और निवेशकों के लिए भी एक महत्वपूर्ण गाइडलाइन का काम करता है। उन्होंने कहा, "इस सत्र में हमेशा की तरह सदन में कई ऐतिहासिक विधेयकों पर चर्चा होगी और व्यापक मंथन के बाद वे कानून बनेंगे, जो राष्ट्र को मजबूत बनाएंगे। विशेषकर नारी शक्ति के गौरव को पुनः स्थापित करना, हर महिला को बिना किसी जाति-पंथ के भेदभाव के सम्मानजनक जीवन और समान अधिकार दिलाना; इस दिशा में इस सत्र में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

बजट सत्र से पहले बोले पीएम मोदी ने कहा - 10 साल में पहला संसदीय सत्र बिना किसी विदेशी हस्तक्षेप के शुरू हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली:बजट सत्र 2025-26 के शुरू होने से कुछ क्षण पहले, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि यह पहला संसद सत्र है जिसमें उन्होंने 2014 के बाद से "कोई विदेशी हस्तक्षेप नहीं" देखा। संसद की ओर जाने से पहले मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "आपने देखा होगा, 2014 के बाद से यह पहला संसद सत्र है, जिसमें हमारे मामलों में कोई 'विदेशी चिंगारी' (विदेशी हस्तक्षेप) नहीं देखी गई, जिसमें किसी विदेशी ताकत ने आग लगाने की कोशिश नहीं की। मैंने हर बजट सत्र से पहले यह देखा था। और हमारे देश में कई लोग इन चिंगारियों को हवा देने में कोई कसर नहीं छोड़ते। यह बिना किसी विदेशी हस्तक्षेप के पहला सत्र है।इस बात पर जोर देते हुए कि सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में सर्वांगीण विकास" पर ध्यान केंद्रित करेगी, प्रधानमंत्री ने कहा कि 3आई - नवाचार, समावेशन और निवेश ने देश की आर्थिक वृद्धि में प्राथमिक भूमिका निभाई है। पीएम मोदी ने कहा, "तीसरे कार्यकाल में, मिशन मोड में, हम देश को सर्वांगीण विकास की ओर ले जाएंगे, चाहे वह भौगोलिक, सामाजिक या आर्थिक पहलू हो। हम मिशन मोड की ओर बढ़ रहे हैं। नवाचार, समावेशन और निवेश हमारी आर्थिक वृद्धि में प्राथमिक रहे हैं।उन्होंने कहा, "सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन। जब हमें विकास की गति हासिल करनी होती है, तो सबसे अधिक जोर सुधार पर होता है, और केंद्र और राज्य सरकारों को प्रदर्शन करना होता है और परिवर्तन जन भागीदारी के माध्यम से देखा जा सकता है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि इस सत्र में संसद कई ऐतिहासिक विधेयकों पर चर्चा करेगी,

महाकुंभ भगदड़ में बेतिया के रामेश्वर चौबे की मौत, यूपी पुलिस ने शव घर तक पहुंचाया

एजेंसी

पटना:प्रयागराज महाकुंभ के दौरान संगम तट पर बीते 28 जनवरी की देर रात हुए भगदड़ में बिहार के पश्चिम चंपारण के रामनगर थाना अंतर्गत तौलाहा गांव के एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक रामेश्वर चौबे उम्र लगभग 65 वर्ष थी वे तौलाहा गांव के निवासी थे जिनका शव उत्तर प्रदेश प्रशासन ने यूपी पुलिस की देखरेख में गुरुवार को रामनगर पहुंचाया। जहां शव को परिजनों को सौंप दिया गया। शव पहुंचते ही चीख पुकार मच गई।इस संबंध में बताया जाता है कि महाकुंभ में स्नान के लिए वह अपनी पत्नी नीला देवी व अन्य ग्रामीणों के साथ बीते 25 जनवरी को घर से निकले थे। 26 जनवरी को वह वहां पहुंच गए जिसके बाद दो दिनों तक उन लोगों ने कुंभ मेले का भ्रमण किया। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर स्नान के लिए वह अन्य ग्रामीणों को साथ वह अपने पत्नी नीला देवी स्नान के लिए संगम तट पर पहुंचे थे। मौनी अमावशया पर 29 की सुबह लगभग दो बजे स्नान कर यह लोग तट से वापस लौट रहे थे।

दिल्ली में बदलाव के लिए जनता तैयार, सम्राट चौधरी का दावा, बिहार-यूपी के लोग भाजपा के साथ

एजेंसी

नई दिल्ली:बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि इस बार दिल्ली में भाजपा के पक्ष में लहर चल रही है इसलिए निश्चित पराजय की आहट से बौखलाए अरविंद केजरीवाल चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर लगातार अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। भाजपा के स्टार प्रचारक चौधरी ने तीन दिन में दिल्ली विधानसभा के संगम विहार, चांदनी चौक सहित 7 क्षेत्रों में विशाल चुनाव सभाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनता बदलाव के लिए तैयार है। लहर भाजपा के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि आप आदमी पार्टी की सरकार के भ्रष्टाचार और झूठे वादों से परेशान लोग अबकी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा कर रहे हैं इसीलिए इस बार यहां

भी पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। चौधरी ने शुक्रवार को चांदनी चौक में भाजपा प्रत्याशी सतीश जैन, बाडली में दीपक चौधरी और बुरारी में संजय तिवारी के पक्ष में चुनाव सभा को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने संगम विधान सभा सीट से भाजपा प्रत्याशी चंदन कुमार चौधरी, रिठाला सीट से प्रत्याशी कुलवंत राणा, सुल्तानपुर माजरा सीट से प्रत्याशी करमवीर कर्मा तथा किराड़ी के प्रत्याशी बंजरग शुक्ला के पक्ष में प्रचार किया था। चौधरी ने कहा कि कोरोना का कठिन समय हो या उसके बाद की मुश्किलें आम आदमी पार्टीकी सरकार ने दिल्ली में बसे बिहार-यूपी के वाले लाखों लोगों को बुरी तरह निराश और अपमानित किया। लोग इसका बदला वोट से लेंगे। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के एक दर्जन से अधिक विधायक, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल सहित तीन मंत्री भ्रष्टाचार के मामले में जेल जा चुके हैं या जमानत पर हैं।

राहुल गांधी के बाद मैदान में उतरी प्रियंका, नांगलोई जाट में किया रोड शो, दिल्ली में चुनावी प्रचार जोर पकड़ता दिखाई दे रहा है

एजेंसी

नई दिल्ली:दिल्ली में चुनावी प्रचार जोर पकड़ता दिखाई दे रहा है। चुनावी प्रचार अपने आखिरी चरण में है। कांग्रेस भी दिल्ली में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। राहुल गांधी ने पहले ही पार्टी के लिए प्रचार शुरू कर दिया था। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी जनसभा को संबोधित किया था। इंतजार प्रियंका गांधी का था। आज प्रियंका गांधी ने नांगलोई जाट में एक रोड शो किया। इस दौरान नांगलोई जाट में जबरदस्त तरीके से जन सैलाब उमड़ा था। इंडिया गठबंधन में होने के बावजूद भी कांग्रेस और आम आदमी

पार्टी दिल्ली में एक दूसरे के खिलाफ जबरदस्त तरीके से चुनाव लड़ रहे हैं। दोनों दल एक दूसरे परिवार पर वार-पलटवार कर रहे हैं। राहुल गांधी लगातार भ्रष्टाचार को लेकर अरविंद केजरीवाल पर निशाना साथ रहे हैं। राहुल गांधी भी शराब घोटाला और शीश महल का मुद्दा उठा रहे हैं। वही संदीप दीक्षित, अलका लांबा जैसे कांग्रेस उम्मीदवार आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और आतिशी के खिलाफ चुनावी मैदान में हैं। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव के प्रचार के बीच यमुना नदी के किनारे पहुंचकर नदी की स्थिति का जायजा लिया तथा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनका एक पुराना वादा याद दिलाते हुए कहा कि वह डुबकी कब लगाएंगे। राहुल गांधी ने यमुना नदी के किनारे पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने का वीडियो को ह्यएक्सह्ण पर जारी किया। उन्होंने कहा,केजरीवाल जी, अब तो 2025 आ गया। आप यमुना में डुबकी कब लगाएंगे?

बस स्टैंड, कार पार्किंग, डिलक्स वॉशरूम; सीएम नीतीश पटना को देंगे मल्टी मॉडल हब की सौगात, डेट फिक्स

एजेंसी

पटना । बिहार की राजधानी पटना में जीपीओ गोलंबर के पास निमार्णाधीन मल्टी मॉडल हब बनकर तैयार हो गया है। तीन मंजिले भवन का उद्घाटन 22 फरवरी को संभावित है। मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा के तहत पटना स्मार्ट सिटी की तीन योजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा जिसमें मल्टी मॉडल हब, मोयालोक परिसर के पास स्वचालित कार पार्किंग और गांधी मैदान का फुटओवर ब्रिज शामिल है। वहीं नगर निगम की दो डिलक्स शौचालय की सुविधा शुरू की जाएगी। इसके अतिरिक्त नगर निगम भवन का भी शिलान्यास किया

जाएगा।जीपीओ गोलंबर के पास 78 करोड़ की लागत से नवनिर्मित मल्टी मॉडल हब तीन मंजिला बना है। नवनिर्मित भवन का रंग-रोगन कर लिया गया है। बसों के ठहराव के लिए प्लेटफॉर्म भी बना दिए गए हैं। फिनिशिंग का काम भी पूरा हो चुका है। ग्राउंड फ्लोर पर एटीएम और दुकान के लिए जगह का चयन किया जा चुका है। जमीन का समतलीकरण और पेभर ब्लॉक लगाने का काम पूरा हो चुका है। एक साथ 176 वाहनों के ठहरने की क्षमता है। एक साथ 32 बसें खड़ी हो सकेंगी और 144 निजी वाहन पार्क हो सकेंगे। ग्राउंड फ्लोर पर बस स्टैंड होगा। पहले फ्लोर पर 69 निजी वाहन और दूसरे फ्लोर पर 75 निजी वाहन पार्क करने की क्षमता होगा। इस मल्टी मॉडल हब में रेस्टूरेंट और खाने पीने समेत अन्य मूलभूत सुविधाएं दी जाएगी।

सोनिया गांधी के बचाव में उतरीं प्रियंका, कहा- राष्ट्रपति का सम्मान करती हैं मेरी मां, BJP पर लगाया बड़ा आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली:राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर सोनिया गांधी की टिप्पणी को लेकर भाजपा द्वारा माफी मांगे जाने की मांग किये जाने पर प्रियंका गांधी का बयान सामने आया है। प्रियंका गांधी ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें पहले देश को बर्बाद करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। प्रियंका गांधी ने कहा कि मेरी मां 70-80 साल की बुजुर्ग महिला हैं, उन्होंने बस इतना कहा है कि 'राष्ट्रपति ने इतना लंबा भाषण पढ़ा और वह थक गई होंगी, बेचारी'। वह भारत के राष्ट्रपति का पूरा सम्मान करती हैं।कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मीडिया द्वारा इस तरह की बात को तोड़-मरोड़कर पेश किया जाता है। वे दोनों दो सम्मानित लोग हैं और हमसे उम्र में बड़े हैं। उनका अनादर से कोई मतलब नहीं है। भाजपा को पहले खाई में धकेलने के लिए माफी मांगनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोनिया गांधी की टिप्पणी की निंदा की और मांग की कि वह राष्ट्रपति और भारत के आदिवासी समुदायों से बिना शर्त माफी मांगें।लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने ह्यएक्सह्ण पर पोस्ट किया, ह्यह्यमाननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी के स्वास्थ्य के प्रति सोनिया गांधी जी की सहानुभूति भाजपा के लोगों को पच नहीं रही है। भारत के प्रत्येक व्यक्ति के मन में राष्ट्रपति के प्रति सम्मान और सहानुभूति है।उन्होंने कहा, ह्यह्यक्या भाजपा राष्ट्रपति मुर्मू के प्रति उस अनादर का जवाब देगी।

दिल्ली चुनाव से पहले AAP को बड़ा झटका: सात विधायकों ने दिया इस्तीफा, केजरीवाल की पार्टी पर लगाए ये आरोप

एजेंसी

दिल्ली :दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है। महरौली विधानसभा सीट से विधायक नरेश यादव, जनकपुरी से दो बार के विधायक राजेश ऋषि, त्रिलोकपुरी के विधायक रोहित कुमार महरौलिया, पालम से विधायक भावना गौड़, कस्तुरबा नगर से विधायक मदनलाल समेत सात विधायकों ने अअढ को अलविदा कह दिया है। इसकी जानकारी सभी विधायकों ने खुद ट्वीट कर दी है। जिसके बाद आप में हड़कंप मच गया है। दरअसल, महरौली विधानसभा सीट से विधायक नरेश यादव ने अपने इस्तीफे में लिखा कि आम आदमी पार्टी करप्शन के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए सत्ता में आई

थी,लेकिन मैं बहुत दुखी हूं कि आम आदमी पार्टी बिल्कुल भी भ्रष्टाचार कम नहीं कर पाई। बल्कि आम आदमी पार्टी खुद इस भ्रष्टाचार के दलदल में लिप्त हो चुकी है। इसलिए मैंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आगे लिखा कि मैंने आम आदमी पार्टी ईमानदारी की राजनीति के लिए ज्वाइन की थी। आज कहीं भी ईमानदारी नजर नहीं आ रही है। मैंने महरौली विधानसभा में पिछले 10 सालों से लगातार 100 फीसदी इमानदारी से काम किया है। महरौली की जनता जानती है कि मैंने ईमानदारी की राजनीति, अच्छे व्यवहार की राजनीति और काम की राजनीति की है।नरेश यादव ने लिखा कि मैंने महरौली के बहुत से लोगों से इस बारे में चर्चा की थी। सभी ने ये ही कहा कि आम आदमी पार्टी पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त हो चुकी है और लोगों ने ही सलाह दी थी कि अब मुझे पार्टी को छोड़ देना चाहिए। आम आदमी पार्टी ने लोगों के साथ धोखा किया है। पहले आम आदमी पार्टी के नेता कहते थे कि हम पूरी ईमानदारी के साथ राजनीति करेंगे लेकिन, आज पूरी तरह से भ्रष्टाचार हो रहा है।

सेवानिवृत्त शिक्षक मो0 अंसार की विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(ताजपुर ब्लॉक संवाददाता) रोजनामा इंडो गल्फ : - - जिले के ताजपुर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय रामापुर महेशपुर के शिक्षक मो अंसार के सेवानिवृत्ति पर विदाई सह सम्मान समारोह विद्यालय परिवार की ओर से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी श्री सतीश कुमार ठाकुर एवं मुख्य अतिथि श्रीमती निर्मला कुमारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ताजपुर थी।सेवानिवृत्ति के उपरांत मिलने वाली सुविधाओं से संबंधित सभी कार्यों का पत्र समर्पित किया गया।। उनके दीघार्यु जीवन की कामना की गई।मौके पे अबू मो फखरूदीन,ब्रज देव बलि प्रसाद वर्मा, कुंदन कुमार तिवारी ,सुधीर चौधरी, महावीर सिंह, सुभाष ठाकुर, रौशन कुमार, सतीश कुमार, सहित सभी शिक्षक,शिक्षिका उपस्थित थे

गोड्डा के श्रीमतपुर में सम्पन्न हुआ ऑल इंडिया मुशायरा व कवि सम्मेलन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

महागामा /प्रतिनिधिः- गणतंत्र दिवस मेला समिति एवं अंजुमन तरक्की ए उर्दू गोड्डा के तत्वाधान में श्रीमतपुर के मेला मैदान में "एक शाम -शहीदों के नाम" भव्य मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महागामा, चंद्रशेखर आजाद के द्वारा फीता काटकर किया गया। मुशायरा सह कवि सम्मेलन की अध्यक्षता महागामा के पूर्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं ख्याति प्राप्त कवि कामेश्वर कुमार कामेश उर्फ के के सिंह तथा मुशायरा का संचालन लब्द प्रतिष्ठित शायर शंकर कैमुरी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्वागत भाषण अंजुमन तरक्की ए उर्दू गोड्डा के जिला सचिव सुलेमान जहांगीर आजाद के द्वारा प्रस्तुत किया गया ।उद्घाटन भाषण में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने कहा कि संपूर्ण महागामा के लिए यह गौरव मयी क्षण है। आज हिंदू ,मुस्लिम अमीर ,गरीब ,छोटे बड़े

इस खुशी के माहौल में मिलकर साहित्यिक जगत के महान विभूतियां का आनंद ले रहे हैं ।हम कामना करते हैं कि पूरे देश में महागामा की धरती से प्रेम व मोहब्बत का ऐसा ही संदेश जाएगा ।मुशायरा सह कवि सम्मेलन का आरंभ कार्यक्रम के संयोजक एवं उस्ताद शायर कलीमुल्लाह परवाना के सांप्रदायिक सौहार्द पर आधारित देश प्रेम कलाम से हुआ। मेला मैदान में लोगों से खचाखच भरे स्त्रोतों ने तालिया से खूब स्वागत किया ।अब्दुल अजीज बहराइची ने जब यह पढ़ा कि -बहती है यहां पर चारों तरफ प्रेम की धारा ।।भारत देश हमारा -भारत है हमारा ।।लोगों ने खूब पसंद किया ।के के सिंह ने गीत, गजल और कविता की प्रस्तुति इन दो पंक्तियों से किया कि - मोहब्बत का होगा असर धीरे-धीरे ।सबको होगी खबर धीरे-धीरे ।।महफिल में शमा बांध दिया। प्रसिद्ध कवि एवं शायर सुशील साहिल को भी लोगों ने खूब पसंद किया। मुशायरा में फोजिया अमरीन बहराइची शाजियां तबस्सुम पश्चिम बंगाल ,श्वेता गजल, पटना के साथ रौशन हबीबा रोशनी की शायरी ने लोगों के दिलों पर खूब असर किया। नौजवान शायर शम्स परवाना ने भी अपने कलम से लोगों के दिलों पर अलग छाप छोड़ा ।शायर शारिक मखदूम प्रयागराज , झारखंड रत्न गिरिडीहवी, कारगिल युद्ध के नायक फौजी कवि शैलेंद्र पांडे शैल ,अविनाश बंधु पटना, जीशान भागलपुरी, नदीम सरवर को भी लोगों ने खूब पसंद किया। ख्याति प्राप्त मंच संचालक शंकर कैमुरी ने अनोखे अंदाज में सभी साहित्य प्रेमियों को माइक की तरफ बंदे रखा। गणतंत्र दिवस मेला समिति के अध्यक्ष मो शमीम अंसारी एवं अंजुमन तरक्की उर्दू गोड्डा के नेतृत्व में श्रीमतपुर के नौजवानों का कार्यक्रम को सफल बनाने में महती भूमिका रही ।

नमन: 77वीं पुण्यतिथि पर महात्मा गांधी को याद किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बेगूसराय / तेघड़ा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को शहादत दिवस के रुप में गुरुवार को कांग्रेस भवन तेघड़ा में मनाया गया। मौके पर उनके तैल चित्र के समक्ष दो मिनट का मौन रखकर प्रार्थना सभा व महात्मा गांधी के विचारों पर संगोष्ठी का भी - आयोजन किया गया। कांग्रेसियों ने महात्मा गांधी की चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किय। मौके पर कांग्रेसियों ने एक स्वर में कहा कि महात्मा गांधी की काया नहीं है, लेकिन उनके विचार ऐसे है, जो अभी - भी अमर है। गांधी एक राजनीतिज्ञ थे, - जिन्होंने देश में स्वतंत्रता की लड़ाई - आने वाली पीढ़ियों के लिए लड़ा। इनके संघर्ष का औजार सत्य और अहिंसा था।इन्होंने भगवान माना और अहिंसा इनका अस्त्र था। उनका प्रिय भजन वैष्णव जन को जिसका मतलब है कि अच्छा इंसान वही होता है, जो दूसरे की पीड़ा को समझता हो। हमें गांधी का अनुयायी बनना है।

उनके आदर्शों पर चलना है। आजादी की लड़ाई में जितनी आवश्यकता महात्मा गांधी की थी, उनके विचारों-आदर्शों पर आज चलने की जरूरत है

हुसैनगंज इंटर कॉलेज में 878 छात्र होंगे शामिल, दो पाली में परीक्षा होगा संचालित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

> **यह परीक्षा 15 फरवरी तक चलेगा.इस केन्द्र पर प्रथम पाली में 635 और द्वितीय पाली में 243 कुल 878 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे. वहाँ पर चार इंटर कॉलेज का सेंटर बनाया गया है**

संवाददाता हुसैनगंज (सीवान)
हुसैनगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित एम एस हाई स्कूल सह इंटर कॉलेज में 1 फरवरी से इंटरमीडिएट कला संकाय, विज्ञान और वाणिज्य संकाय की परीक्षा संचालित होगी. यह परीक्षा 15 फरवरी तक चलेगा.इस केन्द्र पर प्रथम पाली में 635 और द्वितीय पाली में 243 कुल 878 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे. वहाँ पर चार इंटर कॉलेज का सेंटर बनाया गया है जिसमें डीएवी कॉलेज, इस्लामिया कॉलेज, राजा सिंह कॉलेज और निक्ति कला रघुनाथपुर है. उस सेंटर के कार्यालय सहायक सैयद जाफर इमाम ने बताया कि परीक्षा के दौरान सभी कमरों में सीसीटीवी कैमरे चालू रहेंगे. विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए स्थानीय प्रशासन, थाना की पुलिस तथा जिला से प्रतिनियुक्त पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे. श्री जाफर ने बताया कि बिहार बोर्ड द्वारा निर्धारित समय के बाद कोई भी विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होने पहुंचेगा तो उसका प्रवेश या अनुमति नहीं दिया जायेगा. शुक्रवार को लगभग 50 वीक्षकों ने योगदान दिया. उस सेंटर पर 78 वीक्षकों को जिले के विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों को वीक्षक बनाया गया है.

50 हजार के इनामी अपराध कर्मी शिवदत्त राय को बेगूसराय की पुलिस टीम के द्वारा दिल्ली स्थित ग्रेटर नोएडा से किया गया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बेगुसराय / बनहरा बेगूसराय पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। 50 हजार के इनामी अपराधी शिवदत्त राय को ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया गया यह कार्रवाई बिहार रळा के साथ मिलकर की गई है।

यह गिरफ्तारी बिहार पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (रळा) के साथ मिलकर की गई छापेमारी में हुई है। अपराधी शिवदत्त राय तेघड़ा थाना क्षेत्र के बनहारा गांव का निवासी है उसके खिलाफ कई मुकदमे
दर्ज है !हत्या, डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे कई गंभीर मामले दर्ज
एसपी मनीष ने बताया कि शिवदत्त राय पर हत्या, डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे कई गंभीर मामले दर्ज है। उसकी गिरफ्तारी के लिए 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।
पुलिस टीम ने उसके पीछे लगातार छापेमारी की और आखिरकार उसे यूपी

के गौतमबुद्ध नगर (ग्रेटर नोएडा) से गिरफ्तार किया गया ! शिवदत्त राय पर आरोप है कि उसने 2-3 सितंबर 2022 की रात में अपने साथियों के साथ मिलकर गांव के सरपंच मीना देवी पति सुबोध राय के घर में घुसकर लूटपाट की और ट्रैक्टर को लेकर भागने की कोशिश की। घर के लोगों के विरोध करने पर अपराधियों सरपंच पुत्र अवनीश कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी और सुबोध राय एवं उनके एक बेटे को भी घायल कर दिया। इस घटना के बाद,

> **यह गिरफ्तारी बिहार पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (रळा) के साथ मिलकर की गई छापेमारी में हुई है। अपराधी शिवदत्त राय तेघड़ा थाना क्षेत्र के बनहारा गांव का निवासी है उसके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज है ! हत्या, डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे कई गंभीर मामले दर्ज**

अपराधी ने 18 अगस्त 2023 की सुबह में फिर से सुबोध राय के घर पर पहुंचकर फायरिंग की पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए कई जगहों पर छापेमारी की और आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

कुरआन और हदीस की रोशनी में शाबान महीने की अहमियत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज इस्लामी महीने शाबान का पहला दिन है। इस्लामी महीनों में शाबान को खास अहमियत दी गई है। यह रमजान की तैयारी का महीना है, इबादत बढ़ाने का वक्त है, और इसमें शबे बारात (15 शाबान की रात) भी आती है, जिसे लैलतुल बराअत भी कहा जाता है।

कुरआन और हदीस की रोशनी में शाबान की फजीलत
हालांकि कुरआन मजीद में शाबान का सीधा ज़िक्र नहीं आया है, लेकिन उलमा ने इसकी अहमियत नबी करीम ? की सुन्नत से ली है।

1. इबादत बढ़ाने का महीना
हजरत आइशा (रज़ि.) फरमाती हैं:
ह्लमैंने अल्लाह के रसूल ? को रमजान के अलावा किसी और महीने के पूरे रोजे रखते नहीं देखा, और मैंने आपको शाबान से ज्यादा किसी और महीने में रोजे रखते हुए नहीं देखा।ह्व
(सहीह बुखारीः 1969, सहीह मुस्लिमः 1156)

2. आमाल (अच्छे-बुरे कर्म) अल्लाह के सामने पेश किए जाने का महीना
हजरत उसामा बिन जैद (रज़ि.) ने नबी करीम ? से पूछाः
ह्लया रसूलुल्लाह ! मैं आपको किसी और महीने में इतने ज्यादा रोजे रखते हुए नहीं देखता जितने आप शाबान में रखते हैं ?ह्व
रसूलुल्लाह ? ने फरमायाः
ह्लयह रजब और रमजान के बीच का एक ऐसा महीना है जिसे लोग अक्सर भुला देते हैं। यह वह महीना है जिसमें आमाल (कर्म) अल्लाह के सामने पेश किए जाते हैं, और मैं यह चाहता हूँ कि जब मेरे आमाल अल्लाह के सामने पेश किए जाएँ, तब मैं रोजे से रहूँ।ह्व
(सुन्नन नसाईः 2357, मुस्नद अहमदः 21753 झ्र हसन)

3. शाबान की 15वीं रात (शबे बारात)
कुछ हदीसों में बताया गया है कि लैलतुल बराअत (शबे बारात) वह रात है जब अल्लाह अपने बंदों को माफ कर देता है।
रसूलुल्लाह ? ने फरमायाः
ह्लशाबान की 15वीं रात को अल्लाह अपनी मखलूक (सारी सृष्टि) की तरफ रहमत की नजर से देखता है और सबको बख्श देता है, सिवाय उस इंसान के जो शिर्क करता हो (अल्लाह के साथ किसी को शरीक करता हो) या जिसके दिल में किसी के लिए दुश्मनी और नफरत हो।ह्व
(इब्न माजाः 1390 झ्र इमाम अल्बानी ने इसे सहीह करार दिया)
हालांकि, कुछ उलमा ने इस रात की खास इबादतों से जुड़ी हदीसों को जईफ (कमजोर) बताया है।

शाबान में की जाने वाली इबादतें और पसंदीदा आमाल
शाबान में कोई खास इबादत फर्ज.(अनिवार्य) नहीं की गई है, लेकिन नबी करीम ? ने इन अच्छे कामों की तरगीब (प्रेरणा) दी हैः

1. शाबान में रोजे रखना
- शाबान के महीने में ज्यादा से ज्यादा रोजे रखना सुन्नत है, खासकर पहली 15 तारीखों में।
- 15 शाबान के बाद ज्यादा रोजे रखने से मना किया गया है ताकि रमजान के रोजे रखने में कोई कमजोरी न आए।
- नबी करीम ? ने फरमायाः

ह्लजब शाबान का आधा हिस्सा गुजर जाए, तो रमजान तक रोजे मत रखो।ह्व
(अबू दाऊदः 2337 झ्र कुछ उलमा इसे सहीह मानते हैं, तो कुछ इसे जईफ कहते हैं।)

2. इस्तिगफार (माफी माँगने) में इजाफा
चूँकि यह महीना वह है जिसमें आमाल (कर्म) अल्लाह के सामने पेश किए जाते हैं, इसलिए अल्लाह से ज्यादा से ज्यादा माफी माँगनी चाहिए।

3. नफ़्ल (अतिरिक्त) नमाज पढ़ना
- तहज्जुद की नमाज हर वक्त फजीलत रखती है, लेकिन इस महीने में खासतौर पर रात की इबादत का एहतमाम किया जाए।
- सलातुत तस्बीह (एक खास नमाज जो माफी के लिए पढ़ी जाती है) भी बहुत फायदेमंद है, हालाँकि यह सिर्फ शाबान के लिए खास नहीं है।

4. कुरआन की तिलावत (पढ़ाई) में बढ़ोतरी
- क्योंकि शाबान रमजान की तैयारी का महीना है, इसलिए कुरआन की ज्यादा से ज्यादा तिलावत करनी चाहिए।

5. रिश्तों में सुधार और दिलों की सफाई
- शाबान की 15वीं रात में अल्लाह सबको माफ कर देता है, सिवाय उनके जो आपस में नफरत और दुश्मनी रखते हैं।
- इसलिए इस महीने में रिश्तेदारों, दोस्तों और पड़ोसियों से रिश्ते सुधारने की कोशिश करनी चाहिए और दिल से नफरत और कड़वाहट निकालनी चाहिए।

नतीजा (निष्कर्ष)
शाबान एक बहुत बरकत वाला महीना है, जिसमें नबी करीम ? ने हमें ज्यादा से ज्यादा नेकी करने की तरगीब दी है। खासतौर पर रोजे रखना, अल्लाह से तौबा करना, और अपने दिल को पाक रखना बहुत जरूरी है। लेकिन हमें उन्हीं कामों को करना चाहिए जो नबी करीम ? की सुन्नत से साबित हैं, और उन इबादतों से बचना चाहिए जो इस्लाम में नहीं बताई गईं (बिदअत और गैर-मस्नून इबादतें) ।अल्लाह तआला हमें इस बरकत वाले महीने की कदर करने और रमजान के लिए सही मायनों में तैयारी करने की तौफीक अता करे। आमीन !

बखरी में एक पत्रकार के साथ गाली-गलौज का आया मामला सामने

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

> **इस संबंध में थाना में दिये गये आवेदन में पत्रकार चंद्रकिशोर पासवान ने कहा गया है कि वे बखरी थाना क्षेत्र के रामपुर मुसहरी स्कूल के समीप मकई खेत में आग लगने की सूचना पर न्यूज संकलन के लिए शुक्रवार को लगभग दो बजे पहुंचे थे।**

बखरी/बेगूसराय /एक ओर जहां पत्रकारिता की स्वतंत्रता की बात की जाती है, वहीं दूसरी ओर बखरी में एक पत्रकार के साथ गाली-गलौज करने का मामला सामने आया है।इस संबंध में थाना में दिये गये आवेदन में पत्रकार चंद्रकिशोर पासवान ने कहा गया है कि वे बखरी थाना क्षेत्र के रामपुर मुसहरी स्कूल के समीप मकई खेत में आग लगने की सूचना पर न्यूज संकलन के लिए शुक्रवार को लगभग दो बजे पहुंचे थे।उसी समय रामपुर निवासी दिलीप मुखिया के पुत्र विजय मुखिया आये जातिसूचक शब्द में भद्दी भद्दी गालियां देने लगे,मना करने पर धक्का मुक्की करते हुए हाथ से आवश्यक कागजात वाले डायरी छीनकर अपने पास रख लिये। ओर बोलने लगे न्यूज किससे पूछ कर लगा रहा था।पत्रकार ने बताया कि विजय मुखिया ने उन्हें बिना किसी कारण के धमकाया और सार्वजनिक रूप से जाति सूचक अपशब्द कहे।इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपित विजय मुखिया के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

श्रीकृष्ण सिंह एवं विद्याकर कवि के पुण्यतिथि पर कांग्रेसजन ने अर्पित किया श्रद्धांजलि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, शुक्रवार, 31 जनवरी, 2025बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री बिहार केशरी डा. श्रीकृष्ण सिंह की 64 वीं पुण्यतिथि एवं बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री विद्याकर कवि की 39 वीं पुण्यतिथि पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में मनायी गयी।

समारोह की अध्यक्षता पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डा. श्रीकृष्ण सिंह दूरदर्शी सोच के राजनेता थे।बिहार एवं झारखण्ड के सभी बड़े कल-कारखाने, बोकारो स्टील प्लान्ट, हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन रांची, पतरातू एवं बरौनी बिजली कारखाना, बरौनी तेल शोधक कारखाना, मोकामा में राजेन्द्र सेतु एवं विकास के अन्य बड़े कार्य डा. श्रीकृष्ण सिंह के कार्यकाल में हुए। उन्होंने कहा कि जमींदारी प्रथा का उन्मूलन बिहार में श्रीबाबू के

कार्यकाल में हुआ और उन्होंने बिहार को आधुनिक राज्य के श्रेणी में आजादी के पश्चात लाकर खड़ा कर दिया।

स्व. विद्याकर कवि के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक ने कहा कि स्व. विद्याकर कवि स्वतंत्रता सेनानी एवं संवेदनशील नेता थे। वे कांग्रेस कार्यकताओं के लिए लगातार संघर्ष करते रहें और सफलतापूर्वक अपने कार्यकाल का निर्वहन किए। इसके पूर्व डा. श्रीकृष्ण सिंह के मूर्ति एवं स्व. विद्याकर कवि के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, कोषाध्यक्ष निर्मल वर्मा, मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, लाल बाबू लाल, ब्रजेश प्रसाद मुनन, प्रवक्ता आनंद माधव, डॉ स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, हिमांशु कवि, सौरभ सिन्हा, निधि पाण्डेय, डॉ. संजय यादव, डा. आशुतोष कुमार शर्मा, राजकिशोर सिंह, बैद्यनाथ शर्मा, सुदय शर्मा, रवि गोल्डन,विमलेश तिवारी, आदित्य पासवान, हैदर आलम, सहित अन्य कांग्रेसजनों ने माल्यार्पण किया।

उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकहमीद के प्रधानाध्यापक एम. एन. रहमानी ने किया गरीब व निःसहाय बुजुर्गों के बीच कंबल वितरण,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- विद्यालय परिवार की सराहनीय
- पहल चकहमीदः ठंड के प्रकोप को देखते हुए

/ ब्यूरो चीफ /चंद्रकिशोर पासवान बखरी ' उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकहमीद के प्रधानाध्यापक एम. एन. रहमानी के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में गरीब और निःसहाय बुजुर्गों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह पहल समाज में सहयोग और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने का एक अनुकरणीय उदाहरण है कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के कई शिक्षक, अभिभावक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान प्रधानाध्यापक नुरुल्लाह रहमानी ने कहा कि यह विद्यालय केवल शिक्षा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि ठंड के इस मौसम में गरीब और बेसहारा बुजुर्गों को गर्म कपड़े और कंबल मिलना बहुत जरूरी है, ताकि वे ठंड से बच सकें।समाज सेवा की प्रेरणा दे रहा विद्यालय परिवार के इस सेवा भाव की पूरे गाँव में सराहना हो रही है। गाँव के बुजुर्गों ने विद्यालय प्रशासन का आभार जताया और इसे एक पुनीत कार्य बताया। इस अवसर पर विद्यालय के अभिभावक मो. आलमगीर, मो. एहतसाम, प्रो. मो. सहाबुद्दीन, सचिव असरार सहित विद्यालय के शिक्षक मो. मुश्ताक, मो. मोजफ्फर, मो. जहांगीर, मो. सलमान, मो. ज़ियाऊल, मो. वसीम, प्रीतम अनमोल, शशांक, दीपांशु, सकलदेव और विकास कुमार उपस्थित रहे।इसके अलावा, शिक्षिकाओं में सपना कुमारी, शम्मा प्रवीण, सलमा आगा, आरती कुमारी और तरन्नुम प्रवीण ने भी अपनी भागीदारी निभाई। सभी शिक्षकों और अभिभावकों ने मिलकर गाँव के गरीब और असहाय लोगों को कंबल वितरित किए और उनकी समस्याओं को सुना।गाँववासियों ने की सराहना इस नेक पहल को लेकर गाँववासियों ने विद्यालय परिवार की प्रशंसा की। गाँव के बुजुर्गों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम और सद्भाव बढ़ता है। यह कदम न सिर्फ जरूरतमंदों की मदद करता है, बल्कि दूसरों को भी प्रेरित करता है कि वे समाज सेवा में योगदान दें।विद्यालय परिवार की इस सेवा भावना ने पूरे क्षेत्र में एक मिसाल कायम की है। प्रधानाध्यापक नुरुल्लाह रहमानी ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों का आयोजन किया जाएगा, जिससे गाँव के जरूरतमंदों को मदद मिल सके।

सेवा निवृत्त हुए प्रधानाध्यापक हरिनाथ मंडल का विदाई सह सम्मान समारोह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । मध्य विद्यालय जानकी स्थान सीतामढ़ी के प्रधानाध्यापक हरिनाथ मंडल के सेवानिवृति पर विद्यालय प्रांगण में वरीय शिक्षक चूलहाई महतो की अध्यक्षता में समारोह का आयोजन किया।इस मौके पर बिनोद बिहारी मंडल, जिलाध्यक्ष, अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ, बिपिन कुमार प्रसाद, प्रदेश संयुक्त सचिव, प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट, रमेश कुमार, हरिशंकर कुमार बबलू, इंद्रेश कुमार, शांति कुमारी, तनुज कुमार, रामेश्वर प्रसाद, लक्ष्मण कुमार, ओमप्रकाश, अर्चना कुमारी सहित दर्जनों शिक्षक एवं अविभावक उपस्थित थे। उपस्थित लोगों ने उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए दीघार्यु जीवन की कामना की।

चिराग पासवान ने प्रत्याशी दीपक तंवर जी के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा -

इस जनसभा में उमड़ा अपार जनसैलाब एनडीए के प्रचंड जीत की गारंटी दे रहा है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान ने दिल्ली के देवली विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत तिगड़ी में एनडीए समर्थित लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रत्याशी श्री दीपक तंवर जी के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा की

इस जनसभा में उमड़ा अपार जनसैलाब एनडीए के प्रचंड जीत की गारंटी दे रहा है, लोगों का ये जोश जुनून और उत्साह दशार्ता है कि देवली की जनता दीपक तंवर को प्रचंड बहुमत से जीत दिलाने के लिए संकल्पित है।

आगे श्री चिराग ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस बार देवली की जनता मन बना लिया है, इस बार प्रधानमंत्री जी की सोच वाली सरकार को, उन्हीं के प्रत्याशी को यहां पर जिताना है और मुझे पूरा विश्वास है यहां पर एनडीए प्रत्याशी दीपक तंवर की प्रचंड बहुमत से जीत होगी।

पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में लोजपा रा जमुई सांसद अरुण भारती तथा भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी सभा को संबोधित किया।

शिक्षक संघ की एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन मीटिंग प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रूपेश कुमार झा की अध्यक्षता में हुई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- बिहार के विश्वविद्यालय अंगीभूत इकाई शिक्षा-शास्त्र विभाग शिक्षक संघ (UCUDETA) की एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन मीटिंग प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रूपेश कुमार झा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें डॉ. रूपेश कुमार झा ने एकमहत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आर के० कॉलेज मधुबनी शिक्षा-शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शहजाद मंजर को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा के अंगीभूत इकाई शिक्षा-शास्त्र विभाग शिक्षक संघ का अध्यक्ष मनोनीत किया। साथ ही डॉ. रवींद्र कुमार चौधरी सहायक प्राध्यापक शिक्षा-शास्त्र विभाग बी०एम०ए०कॉलेज बहेरी दरभंगा को महासचिव मनोनीत किया। डॉ. शहजाद मंजर ने इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष को साधुवाद दिया और कहा किइस दायित्व का निर्वहन सफलतापूर्वक करेंगे साथ ही संगठन को मजबूती भी प्रदान करेंगे। डॉ. शशि भूषण यादव, डॉ. मृणाल कुमार झा, डॉ. मर्गूब आलम, डॉ. जावेद अहमद, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. रवींद्र कुमार सिंह, डॉ. रूबी कुमारी, डॉ. पल्लवी कुमारी, डॉ. मनीष कुमार झा, डॉ. प्रमोद प्रकाश, डॉ. विजय शंकर, डॉ. मनोज कुमार चौधरी, डॉ. अवन कुमार सहित कई लोगों ने डॉ. शहजाद मंजर को शुभकामनाएं दिया है।

उत्तराखंड में लागू यूसीसी को हाईकोर्ट और SC में चुनौती देगी जमीयत,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने पर जमीयत उलमा-ए-हिंद ने फैसले को नैनीताल हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का निर्णय लिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि ऐसा करके न केवल नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला किया गया है, बल्कि यह कानून पूरी तरह से भेदभाव और पूर्वाग्रह पर आधारित है। मौलाना अरशद मदनी ने सोमवार को दी प्रतिक्रिया में कहा कि हमें कोई ऐसा कानून स्वीकार्य नहीं जो शरीयत के खिलाफ हों। मुसलमान हर चीज से समझौता कर सकता है, लेकिन अपनी शरीयत से कोई समझौता नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि आज उत्तराखंड में लागू समान नागरिक संहिता कानून में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 366, खंड 25 के अंतर्गत अनुसूचित जनजातियों को छूट दी गई है तथा तर्क दिया गया है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत उन के अधिकारों को सुरक्षा प्रदान की गई है। मदनी ने सवाल उठाया कि यदि संविधान की एक धारा के तहत अनुसूचित जनजातियों को इस कानून से अलग रखा जा सकता है तो हमें संविधान की धारा 25 और 26 के तहत धार्मिक आजादी क्यों नहीं दी जा सकती है??? जिसमें नागरिकों के मौलिक अधिकारों को मान्यता देकर धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी दी गई है। इस प्रकार देखा जाए तो समान नागरिक संहिता मौलिक अधिकारों को नकारती है। मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि सच तो यह है कि किसी भी धर्म का अनुयायी अपने धार्मिक मामलों में किसी तरह का अनुचित हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं कर सकता। *उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता मुसलमानों के लिए अस्वीकार्य है और देश की एकता और अखंडता के लिए भी हानिकारक हैं..

सांसद मनोज कुमार के हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग, सुरक्षा हो पुख्ता: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- सासाराम सांसद की सुरक्षा हो पुख्ता, सामंती लोगों ने किया है दलित सांसद पर हमला: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह
- संविधान और अंबेडकर के बाद अब भाजपाई हमारे नेताओं पर कर रहे हैं हमले: उदित राज

पटना. शुक्रवार, 31 जनवरी, 2025 सासाराम सुरक्षित क्षेत्र के कांग्रेस सांसद मनोज राम पर हुए जानलेवा हमले के खिलाफ बिहार कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह, देश के बड़े दलित नेता पूर्व सांसद उदित राज और बिहार विधानमंडल के नेता डॉ शकील अहमद खान ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी में संयुक्त प्रेस वार्ता का आयोजन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कांग्रेस सांसद मनोज कुमार पर हुए जानलेवा हमले में नीतीश भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए उनके सुरक्षा और इलाज की समुचित मांग रखी।

दलित कांग्रेस सांसद मनोज कुमार के साथ जो घटित हुआ, उसके बारे में विस्तार से बताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने बताया कि सांसद के भाई स्कूल चलाते हैं, वहां पैक्स का चुनाव हुआ। भारतीय जनता पार्टी के समर्थित उम्मीदवार वहां चुनाव जीते। चुनाव जीतने के बाद, जुलूस निकालते हुए उनके स्कूल के पास पहुंचे। पहले उनके स्कूल के दो ड्राइवर, जो अनुसूचित जाति से आते थे, उन्हें पीटा गया। उनके भाइयों को 'जाति सूचक' शब्द का इस्तेमाल कर अपमानित किया गया।

घटना की जब जानकारी सांसद मनोज कुमार को पता चली तो उन्होंने एसपी डीएसपी व डायल 112 की पुलिस को इसकी खबर की। जब वो घटना स्थल पर पहुंचे, तो उनके साथ भी गाली-गलौज की गई और उनपर पथराव किया गया, जिससे उनका माथा फूट गया। वे बेहोश होकर गिर गए, जिसके बाद फिर लाठी डंडा चलाकर उनको पीटा गया, जिसमें उनके एक अंगरक्षक का भी हाथ टूट गया। पटना के एम्स में उन्हें भर्ती कराया गया है और आज उनको दिल्ली एम्स में रेफर किया गया है। बिहार में आए दिन जनसाधारण लोगों की हत्या हो ही रही है, अब जो संसद में चुनकर आता है, उसके साथ भी इस तरह का अत्याचार होने लगा है। जिन लोगों ने जानलेवा हमला किया, वो सब भारतीय जनता पार्टी के समर्थक थे। किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई, कोई कार्रवाई नहीं हुई। जंगल राज का इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है?

पूर्व सांसद और देश के बड़े दलित नेता उदित राज सांसद मनोज कुमार के सुरक्षा, इलाज और हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि यह घटना देश में दलितों, संविधान और बाबा साहब के विचारों की हत्या करने वाले उकसावे की भाजपाई राजनीति के कारण घटित हुई है और ऐसी घटनाएं साबित कर रही है कि देश में दलितों को हाशिए पर रखने के लिए भाजपा और उसके समर्थक और सहयोगी दल पूरी तरीके से कार्यरत हैं। हमें आशंका है कि अभी और भी ऐसी घटनाएं हमारे लोगों के साथ और दलितों के साथ घटित होती रहेगी इसलिए बिहार में सभी जिलों में हम इस घटना का प्रतिकार करेंगे।

संवाददाता सम्मेलन में विधानमंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान, राष्ट्रीय मीडिया कॉर्डिनेटर संजीव सिंह सहित अन्य नेतागण मौजूद रहें।

राजद के 'विधानसभा में महंगे भोजन' के आरोपों पर भाजपा ने किया पलटवार, कहा - जिसके नेता नौवीं पास होंगे, गणित तो कमजोर ही रहेगा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 31 जनवरी। राजद के विधानसभा में प्रधानमंत्री की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में भोजन के लिए छह हजार रुपये प्रति प्लेट का भुगतान किए जाने के आरोपों का आज भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा के प्रवक्ता नीरज कुमार ने आरोप लगाया कि जिस पार्टी के नेता नौवीं पास होंगे, गणित तो कमजोर ही रहेगा। उन्होंने कहा कि महालेखाकार की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि उस आयोजन के भोजन मद में 9 लाख 87 हजार 229 रुपये का भुगतान किया गया। उस कार्यक्रम में 1791 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई थी। यह भुगतान जीएसटी सहित किया गया है। अब देखा जाए तो प्रति प्लेट करीब 551 रुपये की दर से भुगतान किया गया। उन्होंने कहा कि राजद के प्रवक्ता 6000 रुपये प्रति प्लेट भोजन के भुगतान करने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजद के प्रवक्ता को माफी मांगनी चाहिए। राजद प्रवक्ता ने झूठा आरोप लगाकर विधानसभा और विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी को अपमानित करने की कोशिश की है।

उन्होंने चेतावनी भी दी है कि इस झूठे आरोप के लिए कानूनी कार्रवाई पर भी भाजपा विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि महालेखाकार की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि उस आयोजन के भोजन मद में 9 लाख 87 हजार 229 रुपये का भुगतान किया गया। उस कार्यक्रम में 1791 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई थी।

स्तरीय राजकीय कृत उच्च विद्यालय भरतखंड के प्रधानाध्यापक को दी गई विदाई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड के इंटर स्तरीय राजकीयकृत उच्च विद्यालय भरतखंड में प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री नवीन कुमार, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक विजय कुमार साह और आदेशपाल गीता देवी की सेवानिवृति पर शुक्रवार को विद्यालय परिवार की ओर से सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर सेवानिवृत प्रधानाध्यापकों को चादर, पुस्तक, बुके और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अवकाश प्राप्त शिक्षक मुकुंद चंद्र राय, डॉक्टर चंडिका मिश्रा और पूर्व मुखिया ब्रजभूषण मिश्रा उर्फ लड्डू मिश्रा थे। कार्यक्रम का मंच संचालन श्री सुनील कुमार शिक्षक ने किया दोनों प्रधानाध्यापक अच्छे स्वभाव के और मिलनसार व्यक्ति थे। जबतक अपने प्रधानाध्यापक पद पर रहे उच्च विद्यालय परिसर में विकास को धरातल पर किया। और इंटर स्तरीय राजकीयकृत उच्च विद्यालय को जिला में बच्चों को भी प्रतियोगिता में भेजे थे ये नवीन कुमार का देन है। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि नौकरी में एक तय समय सीमा के अंदर सेवानिवृत होना सुनिश्चित है। इन दोनों प्रधानाध्यापकों ने अपने कार्यकाल के दौरान शिक्षा को एक नई ऊंचाई दी है। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि बच्चों और शिक्षकों के प्रति उनका लगाव समय पालन तथा अनुशासन के साथ साथ शिक्षण व्यवस्था में इनके द्वारा किए गए सुधार को भुलाया नहीं जा सकता है। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि ऐसे अनुभवी योग्य प्रधानाध्यापक से शिक्षा जगत और समाज दोनों में एक बेहतर संदेश जाता है। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि प्रधानाध्यापक को अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए बच्चे के चौमुखी विकास में सहायक बताया। शिक्षक रतन कुमार ने सेवानिवृत शिक्षक को जीवन की दूसरी पारी के लिए शुभकामना देते हुए उनके कुशल स्वास्थ्य की कामना की। प्रधानाध्यापक नवीन कुमार ने आए हुए सभी जनप्रतिनिधि का आभार जताया। और नवीन कुमार ने कहा उनके कार्यकाल के दौरान विकास के विभिन्न कार्यों सहित बच्चों को शिक्षा प्रदान करने में सभी शिक्षकों एवं स्थानीय शिक्षाविद और अभिभावक का भरपूर सहयोग मिला। प्रधानाध्यापक नवीन कुमार, विजय कुमार साह, और गीता देवी अपने विदाई सम्मान सह समारोह में भावुक हो गये और अपने आंसु को रोक नहीं पाए। शिक्षक ज्योति कुमार मिश्रा और शिक्षकों ने अपने संबोधन में कहा कि एक योग्य प्रधानाध्यापक, शांत, सौम्य, मृदुभाषी के रूप में सबके चहेते बने रहे। शिक्षक उमेश कुमार यादव और शिक्षिका रंभा कुमारी ने बताया कि अपने सेवाकाल के दौरान प्रधानाध्यापक, शिक्षकों, बच्चों और स्थानीय लोगों द्वारा मिले स्नेह एवं प्यार को नहीं भूल पाऊंगा।

सोशल साईट के इंफ्लुएंसर का पत्रकार के नाम पर एन्ट्री बहुत ही हास्यहास्पद है

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एनाएतुल्लाह नन्हे

आज कल सोसल साईट पर जितने भी सोसल इंफ्लुएंसर हैं वह इंटरटेनमेंट तो जरूर कर रहे हैं वहाँ तक तो ठीक है। विशेष कर के वे अपना चेहरा चमकाने के लिए कुछ भी प्रस्तुत कर रहे हैं। हालत तो ये हैं कि वे अपने को सोसल मीडिया का पत्रकार ही नही बल्कि चीफ कहते हैं और काम अंग्रेजी के चिप वाला काम करते हैं। हालत यह है कि अपने साईट, अपने पोर्टल, अपने यूट्यूब चैनल पर कम से कम समय मे प्रसिद्धि पाने के लिए अपने को मीडिया और पत्रकार कहते हुए अश्लीलता पर उतारू हैं। ऐसे-ऐसे खबर को परोस रहे हैं जिसे ट्रिपल एक्स की श्रेणी में रखा जा सकता है और वे उसे यूट्यूब पर डाल कर गर्वान्वित महसूस कर रहे हैं। अगर किसी प्रतिष्ठान का वे प्रचार कर रहे हैं वहाँ तक तो ठीक है क्योंकि यह कमर्शियल खबर हो गई लेकिन हद तो तब हो जाती है जब वहीं उस खबर पर वे उस होटल में ग्राहक से उटपटांग सवाल करने लगते हैं जिससे वहाँ मौजूद ग्राहक असहज महसूस करते हैं और दर्शक बेड फील करते हुए बोरियत महसूस करते हैं। उपरोक्त में मैंने जो ट्रिपल एक्स की चर्चा की है वह इसलिए कि आज कल के सोसल इंफ्लुएंसर जो हमेशा कुछ अलग हट कर प्रस्तुत करते नजर आते हैं वहाँ तक तो ठीक है कि कुछ सोसल इंफ्लुएंसर खोजी पत्रकारिता करते हैं और नई-नई और हैरत अंगेज खबरे परोसते हैं। हाँलाकि उसमे बहुत सारी खामियाँ होती हैं। वह किसी भी ऐरे-गैर किसी भी को पकड़ कर सदियों पुराने इतिहास की जानकारी नवयुवक से लेते हैं जबकि ऐतिहासिक एवं धरोहर वाली जगहों पर बुजुर्ग एवं तजुबेर्कार व्यक्ति से पूछना चाहिए। इतना ही नही वे इतिहास और पुरारत्व को दरकिनार करते हुए अपने मन से कुछ भी परोस रहे हैं। जो आने वाली पीढ़ी के लियस बड़ी घातक साबित होगी। उसे दरकिनार भी कर दें तो कोई बात नही। किन्तु इतना तो ठीक लगता है कि जो चीज स्ट्रीम मीडिया की नजरों से ओझल थी वे उजागर करते हैं। जिसके बाद लगता है कि ये जनता के लिए जरूरी था और इसे जनता को पूरी सही हकीकत को लाना जरूरी है तो स्ट्रीम मीडिया बाद में उसके तह तक जा कर हकीकत से रूबरू कराती है और वायरल हो रहे खबर का पोस्टमार्टम कर अपने मीडिया के साईबर एक्सपर्ट से ग्राउंड रिपोर्टिंग करवा कर सच्चाई को सामने लाती है। जिसमे 95 फीसद मामलों में सोसल साईट पर इंफ्लुएंसर द्वारा परोसा गया खबर सच्चाई की कसौटी पर खरा नही उतरता है। यही कारण है कि सोसल इंफ्लुएंसर का मीडिया के नाम पर एन्ट्री बहुत ही हास्यहास्पद है। वह इसलिए कि ये सी ग्रेड और ट्रिपल एक्स की श्रेणी से भी आगे जाकर किसी आर्केस्टा वाली, थर्ड जेंडर, देशी लौंडा (नचनिया) और छोटी-छोटी कमसिन बच्चियों का इंटरव्यू लेते हुए ऐसे-ऐसे सवाल करते हैं कि उस वीडियो पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगना चाहिए, किन्तु ऐसा नही हो रहा है। क्योंकि यहाँ यूट्यूब को भी अपने बिजनेस को आगे ले जाना है और यूट्यूबर को अपना दर्शक बढ़ाना है। इसके लिए वे किसी भी हद तक जा रहे हैं। मै कहता हूं कि वे कुछ भी करें हमे आपत्ति नही है क्योंकि जब यूट्यूब के सेंसर को कोई दिक्कत नही तो मैं कौन होता हूँ विरोध जताने वाला। लेकिन हमारी आपत्ति इस पर है कि वे अपने को मीडिया और पत्रकार नही कहें। मैं कहता हुँ की वे अपने को कुछ भी कहें लेकिन मीडियाकर्मी कह कर एंकरिंग नही करे। इसके लिए सूचना मंत्रालय को संज्ञान लेते हुए इस पर अंकुश लगानी चाहिए। देश ही नही बल्कि विदेशी मीडिया में भी समाज को नुकसान करने वाली, विभक्त, भयावह और भावना को आहत करने वाली वीडियो या फोटो को प्रसारित या प्रकाशित करने की अनुमति नही है। इसके लिए नियम व कानून के साथ लक्ष्मण रेखा खींची गई है और सब इसका पालन करते हैं और जो पालन नही करता वह डिफमेशन के दायरा में आता है और उस पर अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्यवाही होती है। जबकि सोसल साईट के इंफ्लुएंसर मीडिया के नाम पर खुद पत्रकार, स्ट्रिंगर, ब्यूरो चीफ, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी बन कर जो भी मन कर रहा है कर रहे हैं। आखिर इनके लिए नियम कानून क्यों नही है? ये समाज को दूषित करने का काम कर रहे हैं जबकि स्ट्रीम मीडिया का काम समाज को जोड़ने और हकीकत से बा-खबर कराना है न कि सनसनी फैला कर समाज मे अराजकता को फैलाना और समाज को दूषित करना है। यहाँ यह बताते चलें कि भारत की सर्वोच्चय न्यायालय ने भी कह दिया है कि सोसल साईट या सोसल प्लेटफॉर्म के एंकर अपने को मीडियाकर्मी नही कह सकते हैं। फिर भी ये यूट्यूब के यूट्यूबर अपने को पत्रकार कह कर स्ट्रीम मीडिया अर्थात मुख्य धारा की पत्रकारिता को दूषित कर रहे हैं। इन पर बिना किसी सबूत और प्रमाणिकता के खबरें, स्टोरी, स्ट्रिंग, साक्षात्कार और बेतुका बहस वाली डिवेट पर पैनी नजर रखते हुए सरकार को संज्ञान लेना चाहिए और साईबर एक्ट के तहत दोषी पाए जाने पर उनके सोसल साईट और यूट्यूब पर रोक लगाते हुए बैन करना चाहिए। क्योंकि ये समाज का ख्याल नही करते हुए केवल अपना चेहरा चमकाने के लिए किसी भी हद तक जा रहे हैं। आप को ये जान कर हैरानी होगी की अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की दूसरी बार सत्ता में वापसी के बाद पश्चात संस्कृति (वेस्टर्न कल्चर) वाले देश जहाँ सब कुछ फ्री है वहाँ पर टीक-टॉक जैसे सोसल एप्प्स पर पाबंदी लग गई है और आगे सोसल मीडिया पर गहरी नजर रखते हुए उसके लिए आगे कार्यवाही की बात सामने आ रही है। अब देखना है कि काफी तेजी से सोसल साईट के इंफ्लुएंसर जो भारत की संस्कृति को पाश्चात शैली में ले जा रहे हैं उन पर कब तक सरकार कोई ठोस कार्यवाही करते हुए कोई कानून लाती भी है या नही।

हुसैनगंज इंटर कॉलेज में 878 छात्र होंगे शामिल, दो पाली में परीक्षा होगा संचालित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंज (सीवान) हुसैनगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित एम एस हाई स्कूल सह इंटर कॉलेज में 1 फरवरी से इंटरमीडिएट कला संकाय, विज्ञान और वाणिज्य संकाय की परीक्षा संचालित होगी. यह परीक्षा 15 फरवरी तक चलेगा.इस केन्द्र पर प्रथम पाली में 635 और द्वितीय पाली में 243 कुल 878 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे. वहाँ पर चार इंटर कॉलेज का सेंटर बनाया गया है जिसमें डीएवी कॉलेज, इस्लामिया कॉलेज, राजा सिंह कॉलेज और निक्ति कला रघुनाथपुर है. उस सेंटर के कार्यालय सहायक सैयद जाफर इमाम ने बताया कि परीक्षा के दौरान सभी कमरों में सीसीटीवी कैमरे चालू रहेंगे. विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए स्थानीय प्रशासन, थाना की पुलिस तथा जिला से प्रतिनियुक्त पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे. श्री जाफर ने बताया कि बिहार बोर्ड द्वारा निर्धारित समय के बाद कोई भी विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होने पहुंचेगा तो उसका प्रवेश या अनुमति नहीं दिया जायेगा. शुक्रवार को लगभग 50 वीक्षकों ने योगदान दिया. उस सेंटर पर 78 वीक्षकों को जिले के विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों को वीक्षक बनाया गया है.

डीएम ने जनता में लोगों की फरियाद सुनी

मो. सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:जिलाधिकारी रिची पाण्डेय ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार कार्यक्रम में परिवादियों से मिलकर उनके समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी द्वारा बारी-बारी से सभी परिवादियों से मुलाकात की गई एवं उनके समस्याओं को सुना गया। अधिकांश मामले अतिक्रमण, भूमि विवाद, आपसी विवाद, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, विद्युत, पी एच ई डी एवं अन्य विभागों से संबंधित थे। जनता दरबार कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त जन शिकायतों के निष्पादन की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी तरह की कोताही स्वीकार्य नहीं होगी। जनता दरबार में आज कुल 88 आवेदन प्राप्त हुए।

आज जिला पदाधिकारी सीतामढ़ी श्री रिची पाण्डेय के द्वारा लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपीलीय प्राधिकार की सुनवाई की गई। कुल 12 मामले की सुनवाई की गई जिसके विरुद्ध 03 मामले पर आदेश किए गए।

श्री दुर्गा मंदिर (संतोषी माता) में प्राण प्रतिष्ठा व महायज्ञ हेतु भव्य कलश यात्रा आज, दुर्गा मंदिर यहाँ होगा प्राण प्रतिष्ठा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

जिले के शेखर सिनेमा के नजदीक प्रसिद्ध व मसहूर दुर्गा मंदिर (पुराना नाम संतोषी माता मंदिर) में आधा दर्जन देवी व देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा के लिए महायज्ञ का आयोजन किया गया है. मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि महायज्ञ के लिए शुक्रवार को सनातन धर्म की परंपरा के अनुसार मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ किया गया. जिसमें सर्वप्रथम हल्दी कुटाई की गई. उसके पश्चात संध्या में माता व बहनों सहित श्रद्धालुओं द्वारा कथा श्रवण के उपरांत मटकोड़ का कार्यक्रम पंचमंदिरा पोखर के समीप सम्पन्न हुआ. सभी श्रद्धालुओं को पुनः मंदिर वापस लौटने पर महाप्रसाद का वितरण किया गया. शनिवार को प्रातः काल 8 बजे दुर्गा मंदिर के प्रांगण से 2501 कन्याओं, महिलाओं व श्रद्धालुगण अपने सीर पर कलश लेकर कलश यात्रा में शामिल होंगे. कलश यात्रा में दर्जनों घोड़े, हाथी, रथ, बैंड बाजे, पताखें व बैनरों सहित मंदिर समिति के सदस्यों तथा हजारों की संख्या में में श्रद्धालुगण रहेंगे. बताया जाता है कि कलश यात्रा शांति वृक्ष, मौलेश्वरी चौक होते हुए कागजी मुहल्ला दाहा नदी में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ जलभरी किया जायेगा. जलभरी के पश्चात वहाँ से रजिस्ट्री कचहरी, जेपी चौक, दरबार मोड़, बड़ी मस्जिद होते हुए पुनः मंदिर पर कलश में भरे जल द्वारा पूजा अर्चना के पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया जायेगा. वहीं 2 फरवरी यानि रविवार को मंदिर में वेदी पूजन, आवाहन, अग्नि स्थापना, अधिवास कार्यक्रम होगा. 3 फरवरी सोमवार को मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन और महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती, अर्द्धनारीश्वर, हनुमान जी एवं भैरव बाबा की मूर्ति स्थापित किया जायेगा. उसके साथ ही उसी दिन संध्या में मंदिर पर पूणाहुति विसर्जन कर सभी देवी व देवताओं की पूजा अर्चना प्रारंभ कर दिया जायेगा. मंदिर पर चलने वाले महायज्ञ में प्रतिदिन कथा वाचन के लिए वृंदावन के मसहूर कथा वाचिका मालती मंजरी होंगी. वहीं दूर दराज व ग्रामीण क्षेत्रों से महायज्ञ में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन महाभंडारे का आयोजन किया गया है. दुर्गा मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि इस मंदिर के निर्माण में लगभग एक करोड़ रुपये अभी तक खर्च हो चुके हैं. मंदिर में लगे पत्थर राजस्थान के मकराना पत्थर खान से मंगवाया गया था. मंदिर का निर्माण व रुप रंग राजस्थान के ही शिल्पकारों द्वारा किया गया है. बताया जाता है कि दिल्ली में बने अक्षर धाम के मंदिर का निर्माण जिस कारीगर व शिल्पकार ने किया था वही शिल्पकार इस दुर्गा मंदिर का निर्माण किया है. यह मंदिर पुरे जिले सहित पड़ोसी जिले में एक नमूना, अद्भुत और सौंदर्य का प्रतीक माना जा रहा है.मंदिर कमिटी के सचिव प्रभुनाथ प्रसाद ने बताया कि यह मंदिर पूर्व में संतोषी माता मंदिर के नाम से प्रसिद्ध था. अब मंदिर का नाम परिवर्तित करते हुए दुर्गा मंदिर हो गया है. इस मंदिर पर प्रतिदिन सुबह व शाम में आरती पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगती है. जो भी शुद्ध मन और श्रद्धा से इस मंदिर में मन्नत मांगते हैं माँ दुर्गा पूरा करती हैं.

दानापुर मंडल की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में आयोजित भव्य समारोह में समस्तीपुर मंडल की सांस्कृतिक टीम ने शानदार प्रदर्शन किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। दानापुर मंडल की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में दानापुर में एक भव्य समारोह का आयोजन हुआ। इस समारोह में समस्तीपुर मंडल की सांस्कृतिक टीम के कलाकारों ने भी हिस्सा लिया और अपने अद्वितीय प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के दौरान समस्तीपुर मंडल के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत ओडीशी नृत्य को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार को प्राप्त करने पर समस्तीपुर मंडल के कलाकारों ने अपनी खुशी व्यक्त की और कहा कि यह पुरस्कार उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है।इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव ने विजेता टीम को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।मरेप्र ने कहा कि समस्तीपुर मंडल की सांस्कृतिक टीम की यह उपलब्धि प्रशसनीय है और हम उनकी भविष्य की उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।उल्लेखनिय है कि इस समारोह का आयोजन दानापुर मंडल की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में किया गया था। इस अवसर पर दानापुर मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी हिस्सा लिया और समस्तीपुर मंडल की सांस्कृतिक टीम की उपलब्धि की प्रशंसा की।

भाकपा माले का हरिशंकरपुर बघौनी शाखा सम्मेलन संपन्न, मुकेश कुमार गुप्ता पुनः चुने गये शाखा सचिव

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- 16 फरवरी को जनता मैदान में स्कीम वर्कर्स के कन्वेंशन को बड़ी भागीदारी से सफल बनाएं- मुकेश कुमार गुप्ता
- 9 मार्च को पटना गांधी मैदान में महाजुटान को बड़ी भागीदारी से सफल बनाएं- सुरेंद्र प्रसाद सिंह

31 जनवरी 2025 भाकपा माले का हरिशंकरपुर बघौनी का शाखा सम्मेलन शुक्रवार को संपन्न हुआ। मुकेश कुमार गुप्ता पुनः शाखा सचिव चुने गये। बतौर पर्यवेक्षक भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि भाकपा माले सरकारी जमीन पर पुस्तैनी बसे गरीबों को उजाड़ने के खिलाफ वासगीत पर्चा देने, पचार्धारी को कब्जा दिलाने, भूमिहीनों को वासभूमि एवं आवास देने, दलित-गरीब की बस्ती में पहुंच पथ की व्यवस्था करने, न्यूनतम मजदूरी कानून का सख्ती से पालन करने, स्कीम वर्कर्स को राज्यकर्मी का दर्जा एवं वेतन देने समेत विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार करने, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने आदि मांगों को लेकर लगातार संघर्षरत रहीं हैं। इस संघर्ष का कुछ परिणाम भी दिखाई दे रहा है लेकिन संपूर्ण परिणाम के लिए संगठन को मजबूत कर आंदोलन को और तेज करना होगा। बैठक से 16 फरवरी को जनता मैदान में स्कीम वर्कर्स का प्रखंड स्तरीय कन्वेंशन को बड़ी भागीदारी से सफल बनाने, 9 मार्च को पटना के गांधी मैदान में महाजुटान में बड़ी संख्या में भाग लेकर सफल बनाने का निर्णय लिया गया। मौके पर मनोज साह, संजू कुमारी, कंचन कुमारी, निक्की कुमारी, आशा देवी, विंदू देवी, राजवती देवी, सुनीता देवी आदि मौजूद थे।

दिवंगत ज्ञानरंजन कुमार कुशवाहा व दिवंगत गणेश सहनी के परिजनों से समाजसेवी राजू सहनी ने किया भेंट

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के चर्चित समाजसेवी उजियारपुर प्रखंड के भगवानपुर कमला गांव निवासी समाजसेवी राजू सहनी समस्तीपुर नगर निगम के लगुनियां रघुकंठ भिड़ी टोल गांव पहुंचे। जहां उन्होंने दिवंगत समाजसेवी ज्ञानरंजन कुमार कुशवाहा के परिवार वालों से मुलाकात किया तथा उनका हालचाल जाना। इस दौरान समाजसेवी राजू सहनी ने दिवगंत ज्ञानरंजन कुमार कुशवाहा के परिजनों को करीब 6 माह का राशन का सामान उपलब्ध कराया।जिसमें 10 बैग चावल, 1 बैग दाल, 1 बैग आंटा, 1 बैग नमक, आलू 2 बैग तेल मसाला आदि सामान था।इस दौरान समाजसेवी राजू सहनी ने रूंधे हुए गले से बताया कि वह किसी दुसरे कार्यक्रम में जा रहे थे।इसी दौरान उनके पत्रकार मित्र ने बताया कि उनके एक मित्र थे जिनकी अचानक मौत हो गयी है। जिनके घर की माली हालत काफी खराब है और पैसे की कमी के कारण ही सही ढंग से ईलाज नही होने के कारण उनकी मौत हो गयी।जिसके बाद तत्काल वह दिवंगत ज्ञानरंजन कुमार कुशवाहा के घर पहुंचे और उनसे जो कुछ भी तत्काल समझ में आया, उन्होंने मदद का हाथ आगे बढ़ाया है और आने वाले दिनों में भी वह इस परिवार के साथ रहेंगे। ज्ञानरंजन कुमार कुशवाहा के परिजनों से मुलाकात करने के बाद राजू सहनी अंगारघाट थाना क्षेत्र के डढ़िया गांव पहुंचे।जहां उन्होंने डढ़िया गांव निवासी स्वर्गीय गणेश सहनी के पीड़ित परिजनों से मुलाकात किया तथा उनका हालचाल जाना, साथ ही स्वर्गीय गणेश सहनी के पत्नी को नकद राशि देकर एक बार फिर सहायता किया है। आपको बतादें कि जिस समय अपराधियों ने कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मुक्तापुर में ई रिक्शा चालक गणेश सहनी की गोली मारकर हत्या की थी उसके बाद सबसे पहले राजू सहनी के प्रतिनिधिमंडल के करीब आधा दर्जन सदस्य मृतक के परिजन से मिलने डढ़िया गांव स्थित उनके घर पहुंचे थे। जहां उन्होंने स्वर्गीय गणेश सहनी के परिजनों को भी करीब 6 माह का राशन किरासन का सामान, तथा नकद राशि भी उपलब्ध कराया था। इस दौरान समाजसेवी राजू सहनी ने आने वाले दिनों में भी पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद करने की बात कही। मौके पर वरुण कुमार राय, सियाराम राय, रंजीत प्रसाद, नकुल सहनी, सुजित कुमार, बैजनाथ सहनी, सुरेश सहनी, राम श्रेष्ट सहनी आदि मौजूद थे।

जनवितरण प्रणाली विक्रेताओ ने अपने मांग को लेकर हड़ताल पर जाने का लिया निर्णय

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड में फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन की आवश्यक बैठक में उपस्थित प्रखंड के जन वितरण विक्रेताओं को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष सह जिला महामंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार के एक विक्रेता जो नालंदा जिला के अंबिका यादव 20 जनवरी 25 से पटना के गर्दनीबाग के धरना स्थल पर सरकार से बिहार के 55 हजार जनवितरण प्रणाली विक्रेताओ की लम्बित मांगो के समर्थन में भूख हड़ताल पर डटे है। जिसका समर्थन करते हुए बिहार प्रदेश फेयर प्राइस डिलर्स एसो के प्रदेश महामंत्री बरुण कुमार सिंह अपने कैबिनेट के साथ इस अनशन घरणा को समर्थन देते हुए आहवान किए है कि दिनांक 1 फरवरी 25 से बिहार के 55 हजार जनवितरण प्रणाली विक्रेता अपनी पॉश मशीन बन्द कर हड़ताल पर तब तक रहेंगे जबतक सरकार हमारी लम्बित मांगे नही मान लेती है। इसी आलोक में समस्तीपूर जिला के सभी विक्रेता बन्धुओ के साथ - साथ कल्याणपुर प्रखंड के सभी जनवितरण प्रणाली विक्रेता हड़ताल में रहने का संकल्प लिया फेयर प्राइस डिलर्स एसो के जिला महामंत्री सह कल्याणपूर प्रखंड अध्यक्ष ने विक्रेताओ से पूर्ण रूप से हड़ताल में रहने का आहवान किया है। विरसिंहपुर में आयोजित जन वितरण विक्रेताओं की बैठक में उपस्थित विक्रेताओं ने एक स्वर से अपनी मांगों के समर्थन में हड़ताल पर रहने का संकल्प लिया। बैठक में दर्जनो विक्रेता मौजूद थे।

विद्यापतिनगर के पीके तिवारी को राष्ट्रपति पुलिस पदक मिलने पर हर्ष

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के विद्यापतिनगर प्रखंड अंतर्गत मऊ धनेशपुर उत्तर पंचायत स्थित दमदमा गांव निवासी व एनडीआरफ गाजियाबाद शाखा में कमाण्डेंट प्रवीण कुमार तिवारी को 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किए जाने को लेकर इलाके में खुशी व्याप्त हैं।दमदमा गांव निवासी सत्यदेव तिवारी व पार्वती देवी के पुत्र प्रवीण कुमार तिवारी सन 1997 में आईटीबीपी में बतौर सहायक कमाण्डेंट पद से अपनी सेवा की शुरूआत की थी।तत्पश्चात इन्होंने कई राज्यों में रहकर न केवल देश की सेवा की हैं बल्कि वर्ष 2020 में प्रतिनियुक्ति पर बतौर कमाण्डेंट एनडीआरएफ गाजियाबाद प्रशाखा में योगदान देते हुए बेहतर कार्य किया।एनडीआरएफ 8 वीं बटालियन के कमाण्डेंट प्रवीण कुमार तिवारी को इस वर्ष 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर इनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और करीब 27 वर्षों की बेदाग व देश के प्रति सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।बताते चलें कि श्री प्रवीण ने विभिन्न आपदा ऑपरेशनों में भाग लेने के क्रम में कई बार अपनी जान को जोखिम में डालते हुए अनेक लोगों की जान बचाई हैं। वहीं इनके नेतृत्व में 8 वीं बटालियन एनडीआरएफ की टीम ने अभी तक लगभग 3019 से भी अधिक बचाव अभियान सफलता पूर्वक चलाया। जिसमें 3500 से अधिक पीड़ितों की जान विभिन्न आपदाओं में बचाया है। ज्ञातव्य हो कि पूर्व में भी इनके कार्यकाल में वर्ष 2022 में 8 वीं बटालियन एनडीआरएफ को आपदा प्रबन्धन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान एवं उत्कृष्ट सेवा के लिए सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबन्धन पुरस्कार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। उधर गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति पुलिस पदक सम्मान मिलने के बाद कमाण्डेंट प्रवीण कुमार तिवारी के स्वजनों सहित इलाके के लोगों में खुशी व्याप्त है।इस ओर जदयू प्रदेश सचिव धीरेन्द्र कुमार सिंह, युवा जदयू जिलाध्यक्ष विशाल कुमार, युवा जदयू जिला सचिव सुजीत सुगना, जदयू प्रखंड अध्यक्ष रंजीत सिंह टुनटुन, मुखिया विवेकानंद सिंह, जिला उपाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, यूथ बिग्रेड के संयोजक पदमाकर सिंह लाला आदि ने इस गौरवमयी उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

कोर्ट ने सुनाया अभियुक्त रोहित कुमार को पांच वर्ष की सजा और एक लाख जुमार्ना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। विशेष न्यायाधीश उत्पाद संजय कुमार '' ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए उत्पाद वाद संख्या 333 / 2019 के अभियुक्त रोहित कुमार पिता उपेन्द्र राय, साकीन निकसपुर वार्ड संख्या 08 थाना ताजपुर जिला समस्तीपुर निवासी को अंतर्गत धारा 30 (ए) बिहार मध निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 के तहत दोषी पाते हुए अभियुक्त रोहित कुमार को पांच साल की सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपये का अर्थ दंड सुनाया गया। कोर्ट ने बताया की जुमार्ना की राशि अदा नहीं करने पर छः माह का अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। बताया जाता है कि दिनांक 04 अगस्त 2019 समय करीब 5 : 50 बजे संध्या में ग्राम निकासपुर वार्ड संख्या 08 थाना ताजपुर जिला समस्तीपुर स्थित अभियुक्त रोहित कुमार एवं सुधीर कुमार के संयुक्त कब्जे वाले पक्का घर के बरामदे से एक प्लास्टिक के बोरा में 180 मिली लीटर अवैध विदेशी शराब एवं 10 लीटर अवैध बियर बरामद करते हुए अभियुक्त रोहित कुमार को गिरफ्तार किया गया। वही मौका देखकर सुधीर कुमार भागने में कामयाब रहा।

कोर्ट के आदेश पर हत्या आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तिहार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना की पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर अपर थाना अध्यक्ष दीपक कुमार झा ने दरभंगा जिला के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के कबीर चक टोला श्याम किशोर यादव के पुत्र विजय कुमार यादव व थाना सोनकी के चंद्रभूषण यादव के पुत्र झगरू यादव के घर पुलिस बल के साथ जाकर इश्तिहार चिपकाए। इस संबंध में श्री झा ने बताया कि थाना कांड 473 /2022 के आरोपी थे। लंबे अरसे से फरार को लेकर कोर्ट ने इश्तिहार का आदेश दिया। वहीं दूसरी ओर घनश्यामपुर गांव के हरिश्चंद्र झा के पुत्र चंदन झा उर्फ प्रेम कुमार झा लंबे अरसे से इसी केश में फरार चल रहे थे, उनके घर पर भी इश्तिहार चिपकाए गया। जानकारी थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सभी हत्या आरोपी हैं।

इस संबंध में श्री झा ने बताया कि थाना कांड 473 /2022 के आरोपी थे। लंबे अरसे से फरार को लेकर कोर्ट ने इश्तिहार का आदेश दिया। वहीं दूसरी ओर घनश्यामपुर गांव के हरिश्चंद्र झा के पुत्र चंदन झा उर्फ प्रेम कुमार झा लंबे अरसे से इसी केश में फरार चल रहे थे,

औरंगाबाद में एनडीए के नेताओं ने दिखाया दम, मोदी और नीतीश के विकास गाथा का किया गुणगान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- हम एक रहेंगे तो मजबूत रहेंगे : सिद्धार्थ शंभू
- कार्यकताओं के जोश और जुनून ने विधानसभा चुनाव के परिणाम के दे दिए संकेत, एनडीए की जीत तय : सिद्धार्थ शंभू
- एनडीए के पास नेता भी है, नीति भी है, नियत भी है, कार्यकर्ता और कार्यक्रम भी : मनोज शर्मा
- एनडीए विचारधारा, नीति और जनसेवा पर आधारित : उपेंद्र कुशवाहा
- औरंगाबाद की जनता 'जंगलराज' के उस दौर को कभी भी भूल नहीं सकती : उमेश सिंह कुशवाहा
- समाज में समरसता बनाए रखना हमारा कर्तव्य : राजू तिवारी
- सामाजिक न्याय का दंभ भरने वाले, परिवारवाद से बाहर नहीं निकल पा रहे : अनिल सिंह
- एनडीए सरकार की विकास नीतियों का जबरदस्त समर्थन : मदन चौधरी

पटना, 31 जनवरी। भाजपा सहित एनडीए घटक दलों के नेता आज एनडीए संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में देवभूमि औरंगाबाद में इकट्ठा हुए और अपना दम दिखाया। सभी घटक दलों ने एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन के जरिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और बिहार की नीतीश कुमार की सरकार की विकास योजनाओं का गुणगान किया। सभी ने एकजुटता का संदेश देते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का दावा किया।

औरंगाबाद के गेट स्कूल के मैदान में आयोजित भव्य और विराट एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन भाजपा के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभू, पूर्व विधायक मनोज शर्मा, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से किया।इस सम्मेलन में गोह विधानसभा सहित विभिन्न विधानसभाओं से जुटे हजारों कार्यकताओं ने सम्मेलन में खड़े होकर एकजुट रहने का संकल्प लेते हुए आने वाले विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक बार फिर से सरकार बनाने को लेकर एलान किया। इस संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में उत्साहित कार्यकर्ता जोश और उमंग के साथ शामिल हुए।भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभू ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि निष्ठावान कार्यकर्ता ही हमारे संगठन की पहचान है।हमारे कार्यकर्ता विचार पर केंद्रित हैं, व्यक्ति पर नहीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज कुछ संगठनों और पार्टियों द्वारा एक नई रणनीति और सत्ता पाने के लिए समाज में भी फूट डालने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि हम सभी एक रहेंगे तो मजबूत रहेंगे, एक नहीं रहेंगे तो मजबूर रहेंगे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ और सबका विकास का मंत्र देकर देश को आगे ले जाने में जुटे हैं। भाजपा के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभू ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि कार्यकताओं के जोश और जुनून ने अभी ही विधानसभा चुनाव के परिणाम के संकेत दे दिए हैं। कार्यकताओं का यह जोश और उत्साह साफ संकेत दे रहा है कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत होगी।इधर, गोह क्षेत्र के पूर्व विधायक और भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोज शर्मा ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि हमारे विरोधियों के पास कहने को ज्यादा कुछ नहीं है जबकि एनडीए के पास नेता भी है, नीति भी है, नियत भी है, कार्यकर्ता और कार्यक्रम भी है।उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी और बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में कुछ भी मुमकिन है।

श्री शर्मा ने कहा कि आज एनडीए पूरी ताकत से एकजुट है। उन्होंने एनडीए कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि एनडीए को मजबूत करने के लिए अपने बूथ पर पूरी ताकत के साथ जुट जाएं।एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि यह गठबंधन विचारधारा, नीति और जनसेवा पर आधारित है।

बॉर्डर एरिया यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम का भव्य शुभारंभ

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से आए युवाओं से जिलाधिकारी के किया संवाद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- मधुबनी 31 जनवरी 2025 नेहरू युवा केंद्र मधुबनी के तत्वाधान में आयोजित "बॉर्डर एरिया यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम" का शुभारंभ जिला पदाधिकारी श्री अरविंद कुमार वर्मा, डीपीआरओ,परिमल कुमार डीटीओ शशिशेखरण एवं जिला युवा अधिकारी मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। जिला पदाधिकारी एवं अन्य अतिथियों का स्वागत मिथिलाम फाउंडेशन के आदित्य चौधरी, यूपी के शिवम् शर्मा आदि द्वारा मिथिला पाग, चादर एवं पौधा देकर किया गया। जिला युवा अधिकारी मनीष कुमार ने स्वागत अभिभाषण प्रस्तुत किया। जिला पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से आए युवाओं को न सिर्फ संबोधित किया बल्कि संवाद सत्र में उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों को बड़ी ही सहजता से जवाब भी दिया। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि बॉर्डर एरिया यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम युवाओं को एक मंच प्रदान करता है, जहां वे अपने अनुभवों और ज्ञान को एक दूसरे से साझा कर सकें। इस कार्यक्रम के माध्यम से, युवा सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के साथ जुड़ सकते हैं और उनकी समस्याओं को समझ सकते हैं। साथ ही, वे अपने कौशल और ज्ञान को साझा करके समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में योगदान कर सकते हैं। उन्होंने उपस्थित युवाओं को बिहार की संस्कृति विशेषकर मिथिला की संस्कृति से संबंधित विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मधुबनी जिले की भौगोलिक,ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को साझा किया।उन्होंने विकसित होते बिहार की एक संक्षिप्त रूप रेखा भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि आज के युवा ही भारत के भविष्य है। उन्होंने नशा के दुष्प्रभाव की विस्तार से चर्चा करते हुए युवाओं से अपील किया कि उन्हें हर प्रकार की नशे से दूरी बनाकर रखनी चाहिए,साथ ही मोबाइल की लत नहीं पड़े,इसे लेकर भी युवाओं को सावधान रहना चाहिए।उन्होंने प्रजातंत्र की जननी लिच्छवी गणराज्य,नालंदा विश्विद्यालय, मौर्या साम्राज्य, आर्यभट्ट,चाणक्य के साथ साथ आधुनिक बिहार के संदर्भ में युवाओं को विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान इंटरेक्शन सेशन में उत्तर प्रदेश के तरुण गहलौत, मोहित शर्मा, ओडिशा के ओम आकाश और असम के दीपांकर ओझा ने जिला पदाधिकारी एवं अन्य अतिथियों से संवाद किया। असम के दीपांकर ओझा ने भारत की युवा शक्ति के सशक्तिकरण एवं बॉर्डर एरिया यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के जरिए राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने पर प्रकाश डाला। वहीं, यूपी के मोहित शर्मा और तरुण गहलौत तथा ओडिशा के ओम आकाश ने बिहार के प्राचीन इतिहास और यहां की शैक्षणिक धरोहर से देश की सभ्यता के जुड़ाव को रेखांकित किया। जिलाधिकारी ने बड़ी ही सहजता से युवाओं के प्रश्नों का जवाब दिया। उन्होंने अतिथि युवाओं को मधुबनी के मिथिला हाट,मिथिला चित्रकला संस्थान,एसएसबी कैंप सहित महत्वपूर्ण स्थलों के परिभ्रमण के लिए युवा अधिकारी को निर्देशित किया।कार्यक्रम के सफल संचालन में सूरज कुमार मंडल, ललित कुमार झा, पूर्णिमा कुमारी, मनीषा कुमारी, अमन कुमार, नंदन, सोनू, कौशल किशोर आदि का विशेष योगदान रहा

पुलिस निरीक्षक, अभय कुमार, खजौली द्वारा कलुआही थाना का निरीक्षण किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के खजौली अंचल पुलिस निरीक्षक, अभय कुमार, खजौली द्वारा कलुआही थाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।आज दिनांक-31.01.2025 को अंचल पुलिस निरीक्षक,बेनीपट्टी द्वारा अरेर थाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। अंचल पुलिस निरीक्षक,बेनीपट्टी द्वारा अरेर थाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

मधुबनी पुलिस उपाधीक्षक, यातायात द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी पुलिस उपाधीक्षक, यातायात द्वारा "सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान" कार्यक्रम का आयोजन राजनगर थानांतर्गत किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान सड़कों पर इसी अभियान के तहत यातायात पुलिस के द्वारा मोटरसाइकिल सवारों के बीच हेलमेट का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे

सरकारी कर्मियों को छुट्टी के 7 दिन पहले देनी होगी सूचना, बिहार में नई व्यवस्था लागू

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार सरकार के कर्मियों को अब छुट्टी लेने या मुख्यालय छोड़ने के 7 दिन पहले इसकी सूचना देनी होगी। राज्यकर्मियों के लिए छुट्टी की नई व्यवस्था राज्य में लागू की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव सिद्धेश्वर ने इसको लेकर सभी विभाग एवं उसके प्रधान तथा सभी प्रमंडलीय आयुक्त एवं सभी जिलाधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किया है।विभाग के अनुसार छुट्टी अथवा मुख्यालय छोड़ने का आवेदन छुट्टी या मुख्यालय छोड़ने के दो या तीन दिन पहले प्राप्त होते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि सक्षम स्तर से इसकी मंजूरी लेने और उससे संबंधित निर्णय की सूचना को जारी करने में विलंब होता है। विभागीय निर्देश के अनुसार छुट्टी या मुख्यालय छोड़ने की मंजूरी और उससे संबंधित निर्णय को ससमय जारी करने के लिए आवश्यक है कि अत्यंत विशेष परिस्थिति को छोड़कर

विभाग को छुट्टी या मुख्यालय छोड़ने के लिए आवेदन किए जाने वाली तिथि से कम से कम सात दिन पहले आवेदन उपलब्ध कराया जाए।बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने हरेक स्तर पर इसका पालन दृढ़तापूर्वक कराने का निर्देश दिया है। जानकारी के अनुसार बिहार में करीब 6 लाख सरकारी कर्मचारी हैं। सामान्य प्रशासन विभाग का यह आदेश इन सभी कर्मियों पर लागू होगा।

फाइनल क्रिकेट मैच में मोरवा की टीम ने हरपुर भिंडी को किया पराजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के मोरवा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत गुनाई बसही भूतनाथ हाई स्कूल के परिसर में स्व रामनारायण सिंह निषाद मेमोरियल क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला मोरवा व हरपुर भिंडी के बीच खेला गया पहले बैटिंग करते हुए भिंडी की टीम 16 ओवर में 10 विकेट पर 124 रन बनाये वही मोरवा की टीम 9 ओवर में 3 विकेट पर 125 रन बनाकर मैंच जीत लिया। फाइनल मैंच का मुख्य अतिथि वीआईपी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष निशांत सिंह कुशवाहा व प्रदेश प्रवक्ता प्रिया सिंह एवं महिला जिला अध्यक्ष पुष्पा सहनी व मुखिया चौधरी सहनी के द्वारा मैंच का समापन किया गया। इस मौके पर उपस्थित विकासशील इंसान पार्टी मोरवा के युवा प्रखंड अध्यक्ष अमरनाथ सहनी, अतिपिछड़ा प्रकोष्ट के प्रखंड अध्यक्ष जय कुमार सहनी, वासुदेव सहनी पूर्व डीलर, बंगरा के पूर्व मुखिया विनोद पासवान, चिंटू कुमार, सनोज कुमार, विकाश कुमार, महेश सहनी, टूनार्मेंट के संचालन कर्ता संतोष सहनी, सन्नी कुमार, रंजीत बैठा, महेश कुमार, प्रिंस कुमार, लालू, सोनु कुमार, जयशंकर, सुमन कुमार साहित बसही, भिंडी, चकसिकंदर पंचायत के तमाम आविभावक व सैकड़ो युवा साथी मौजूद थे।

जनता दरबार में हुई 50 मामले की सुनवाई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा द्वारा समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया।जनता दरबार में लगभग 50 मामलों की सुनवाई की गई।सर्वाधिक मामले राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित थे, जिनके निष्पादन हेतु अपर समाहर्ता समस्तीपुर एवं भूमि सुधार उपसमाहर्ता को जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया।इसके अतिरिक्त आपूर्ति विभाग के मामले, पंचायती राज विभाग, परिवहन विभाग तथा सामाजिक सुरक्षा विभाग के परिवादों को संबंधित पदाधिकारी को निष्पादित करने हेतु निर्देश दिया गया।जनता दरबार में अपर समाहर्ता समस्तीपुर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

सभी पूजा समितियों को लाइसेंस लेना जरूरी है : थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के वारिसनगर थाना परिसर में शुक्रवार को सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता थाना अध्यक्ष निरंजन कुमार ने की। बैठक में प्रखंड के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी व पूजा लाइसेंसधारी शामिल हुए। थाना अध्यक्ष ने उपस्थित लोगों से सरस्वती पूजा शांति पूर्वक मनाने कि अपील की। बताया गया कि सरस्वती पूजा के लिए सभी पूजा समितियों को लाइसेंस लेना आवश्यक है।लाइसेंस 2 फरवरी तक दिया जाएगा।सभी लोग निर्धारित तिथि के पूर्व अपना अपना आवेदन देकर लाइसेंस बनवा लें। थाना अध्यक्ष ने स्पष्ट कर दिया कि पूजा व विसर्जन जुलूस में डीजे नहीं बजेगा।जुलूस में

कोई धारदार हथियार नहीं रखेंगे।इन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि डीजे को जब्त कर डीजे मालिक और पूजा लाइसेंसधारी पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।साथ ही कहा कि पूजा में शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।साथ ही उपस्थित लोगों से पूजा में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। सभी जनप्रतिनिधियों को शांति व्यवस्था का दायित्व देते हुए पूजा तथा विसर्जन जुलूस पर नजर रखने को कहा गया। कहीं भी किसी तरह की गड़बड़ी की सूचना तत्काल थाना को देने को कहा गया। मौके पर प्रखंड प्रमुख राजू कुमार, मुखिया रामबालक राम, राजद ने वरीय नेता शोएब आजम आदि मौजूद थे।

402 लोगो ने दिया जॉब कार्ड के लिए आवेदन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर में जॉब कार्ड बनवाने के लिए तीसरे दिन शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय स्थित मनरेगा कार्यालय में 402 लोगों ने आवेदन किया। मनरेगा पीओ रणधीर कुमार ने बताया कि भीड़ बढ़ने लगी है सरकार के निर्देश पर जरूरतमंद श्रमिकों को जॉबकार्ड उपलब्ध करवाने की योजना है। आज बसंतपुर रमणी 17, छत्रेशवर 35, डरसुर 3, धनहर 9, धुरलख 22, गोही 45, हांसा 28, कुसैया 30, लखनपट्टी 22, मोहिउद्दीनपुर 33, पुरनाही 22, रायपुर 22, रामपुर विशुन 45, रोहुआ पुर्वी 17, रोहुआ पश्चिमी 4, सतमलपुर 7, शेखोपुर में 32 लोगों ने जॉब कार्ड के लिए अपना आवेदन किया है। उन लोगो का जॉब कार्ड निर्गत कर दिया गया है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन के चपेट में आने से वृद्ध बाईक सवार घायल, पटना रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के वैनी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गये।जिसे स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर लाया गया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। घायल वृद्ध बाईक सवार की पहचान ताजपुर थाना क्षेत्र के माधोपुर दीघरुआ निवासी स्व मो यासीन अंसारी का 67 वर्षीय पुत्र मो रफीक आलम अंसारी के रूप में हुई है।मिली जानकारी के अनुसार मो रफीक आलम अंसारी बाईक से पेंशन उठाने के लिए बैंक जा रहे थे तभी वैनी थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जबरदस्त ठोकर मारते हुए फरार हो

छत से गिरने पर बेटे की मौत, मां घायल

समस्तीपुर। जिले के रोसड़ा थाना क्षेत्र के बलुआहा गांव में शुक्रवार की सुबह छत से मां और उसका पुत्र गिर गया। गंभीर चोट लगने से मासूम बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और मां गंभीर रूप से घायल हो गई।

मृत मासूम बच्चे की पहचान बलुआहा गांव निवासी मोहन पंडित का छः माह का पुत्र कृष्ण कुमार एवं घायल महिला की पहचान मोहन पंडित के पत्नी बबीता कुमारी के रूप में हुई है। घायल महिला को घर के लोगों ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका उपचार चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार बबीता कुमारी अपने बच्चे के साथ आज अहले सुबह छत पर गई थी जहां उतरने के क्रम में उसका पैर फिसल गया और छत से नीचे जा गिरी जिससे उसके गोदी वाले मासूम बच्चे की मौत हो गई तथा मां बबीता कुमारी घायल हो गई।

जुमा के नमाज पढ़ने के दौरान हकीम का इंतकाल, क्षेत्र में फैली गम की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के तहत मथुरापुर थाना क्षेत्र के शेखोपुर पंचायत के सारी टोले मल्लीपुर वार्ड संख्या 15 निवासी स्व मो शकील का 55 वर्षीय पुत्र मो हकीम आज जुमा की नमाज अदा करने के लिए डैनीमन जमा मस्जिद गये थे। जहां पढ़ने के दरमियान बेहोश होकर गिर गये, स्थानीय लोगों की मदद से डॉक्टर के यहां ले जाया गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।इनके मौत की खबर आम होते ही सभी लोग अर्चभित हो गये। बताया जाता है कि यह अपने जमाने में साइकिल रेस का कर्तव्य दिखाया करते थे तथा वे कुछ दिनों से बावर्ची का काम कर रहे थे। इनके मौत होने पर पूरे गांव के लोग सदमे में हैं। बताया जाता है कि मो हकीम नेक इंसान एवं मिलनसार व्यक्ति थे। इधर हकीम के

इंतकाल (निधन) होने पर स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि गुड्डू कुमार, पंचायत समिति सदस्य मो गुलशेर राजा, हाँसा पंचायत के पैक्स अध्यक्ष नरेश कुमार महतो, मुखिया तेज नारायण चौधरी, पूर्व सरपंच अब्दुल कलाम राजा, राजेश कुमार, अब्दुल रशीद, मो फुल हसन, मो इकबाल, राम कुमार, मो इम्तेयाज, शंभू कुमार बिट्टू, पत्रकार एम नईमुद्दीन आजाद आदि ने शोक व्यक्त किया है।

सर्दियों में स्किन का ख्याल रखता है गुड़, इन तीन तरीकों से करें इस्तेमाल

सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

ठंड के मौसम में हम सभी गुड़ का सेवन जरूर करते हैं। यह शरीर को गरमाहट प्रदान करता है। लेकिन क्या आपको पता है कि गुड़ ठंड के दिनों में आपकी स्किन का ख्याल भी रख सकता है। सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

गुड़ को आप कई अलग-अलग तरीकों से अपने विंटर स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि ठंड के दिनों में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल किस तरह करें-

गुड़ और शहद से बनाएं फेस मास्क

ठंड के मौसम में अपनी स्किन की नमी को बनाए रखने और डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप गुड़ और शहद की मदद से फेस मास्क बनाकर इस्तेमाल करें।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़ पाउडर या कुचला हुआ

1 बड़ा चम्मच शहद

इस्तेमाल का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाएं।

अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें और स्किन को मॉइश्चराइज करें।

गुड़ से बनाएं लिप बाम

ठंड के मौसम में होंठों के रूखेपन या फटने की समस्या बेहद आम है। ऐसे में आप गुड़ की मदद से लिप बाम बनाएं। यह आपके होंठों की नमी को बनाए रखने में मदद करेगा।

आवश्यक सामग्री-

1 चम्मच गुड़

1 चम्मच घी या नारियल का तेल

इस्तेमाल का तरीका-

गुड़ को घी या नारियल के तेल के साथ मिक्स करें।

अब इसे अपने होठों पर लगाएं।

आप हर दिन इसका इस्तेमाल कर सकती हैं और सर्दियों में भी होंठों को मुलायम बनाए रख सकती हैं।

गुड़ से बनाएं स्क्रब

गुड़ की मदद से स्क्रब भी बनाया जा सकता है। आप इसके साथ ओट्स या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़

1 बड़ा चम्मच पिसा हुआ ओट्स या चीनी

1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल

स्क्रब बनाने का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को पिसे हुए ओट्स या चीनी के साथ मिक्स करें।

अब इसमें जैतून का तेल मिलाएं।

इसे अपने चेहरे या शरीर पर लगाकर मसाज करें और धो लें।

हेल्दी डाइट के बाद भी कम नहीं हो रहा बजन तो आज से ही शुरू कर दें यह काम, एक हफ्ते में दिखेगा असर

वेट लॉस करना चाहते हैं और इसके लिए एक्सरसाइज भी करते हैं। हेल्दी खाना भी खाते हैं। लेकिन फिर भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल रहा। इसके लिए कई बार लाइफस्टाइल की बहुत छोटी बातें जिम्मेदार होती हैं। इस बारे में फिटनेस कोच शितिजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है और बताया कि कैसे वर्कआउट करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा।

आखिर क्यों दिखता है बढ़ा हुआ वजन

अगर आपका वजन भी रोज एक किलो के करीब ज्यादा दिख रहा तो इसके लिए कई फैक्टर जिम्मेदार होते हैं।

-रात को हाई कार्बोहाइड्रेट वाला डिनर

-स्ट्रेस

-बहुत ज्यादा हैवी वर्कआउट, जिसकी वजह से मसल्स लॉस होने की बजाय स्ट्रेंथ पाती हैं।

-रात को देर से खाना

-पीरियड्स के दौरान भी कुछ महिलाओं का वजन बढ़ा हुआ दिखता है।

-अगर आपकी नींद ठीक से पूरी नहीं हो रही तो भी वेट गेन होगा।

-वेट नापते वक्त आपका पेट खाली होना चाहिए। अगर आप शौच के लिए जाने वाले हैं तो वजन ना तौलें। ऐसे वक्त में भी वेट ज्यादा दिखता है।

-ज्यादा नमक और सोडियम रिच फूड्स खाने की वजह से शरीर में वाटर रिटेंशन की प्रॉब्लम हो जाती है और वजन ज्यादा दिखने लगता है।

कैसे पता करें कि हो रहा वेट लॉस

-अगर आप वजन नापने वाली मशीन पर खड़े होने पर वजन घटा हुआ नहीं पाते तो घबराएं नहीं। रोज वजन घटने की बजाय बढ़ा हुआ दिख रहा तो इस तरह पता करें कि आपकी एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

-आपके कपड़ों की साइज बदल गई है और फिटिंग चेंज हो गई है।

-शरीर ज्यादा फ्रेश और स्ट्रांग महसूस करता है। जैसे कि सीढ़ियां चढ़ते वक्त या फिर वेट ट्रेनिंग करना अब पहले से आसान लगता है।

रोज-रोज वजन फलक्चुएट हो रहा लेकिन लंबे समय में वजन घटा है तो इसका मतलब है कि आपकी डाइट और एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

स्वेटर-शॉल पर आ गए हैं रोएं तो निकालने के लिए अपनाएं ये तरीके

गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं।

दिसंबर और जनवरी का महीना आते-आते कई राज्यों में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। सर्दी से बचने के लिए हम सभी ऊनी कपड़ों का सहारा लेते हैं। लेकिन गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं। इसके साथ ही आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जिससे कि इन कपड़ों में रोएं न लगें। वहीं रोएं की वजह से आपका कपड़ा खराब हो रहा है, तो आप कंघी वाली ट्रिक आजमा सकती हैं।

कपड़ों से क्यों निकलते हैं रोएं

कपड़ों को गलत तरीके से धोने या सुखाने से रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़े पहनकर सोने से भी कपड़ों में रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोने से रोएं भी निकलने लगते हैं।

सस्ती और खराब क्वालिटी का ऊन होने पर रोएं निकल सकते हैं।

कंघी से हटाएं रोएं

आप कंघी की मदद से भी वूलेन कपड़ों से रोएं हटा सकती हैं। सबसे अच्छी बात ये है कि इसमें किसी तरह का कोई खर्च नहीं आता है। आप रोएं वाली जगह पर कंघी को घुमाना होगा। ऐसे में कंघी में रोएं फंसकर साफ हो जाएंगे। ध्यान रखें कि रोएं निकालने के लिए पतली कंघी लेनी होगी।

इन ट्रिक्स से निकालें रोएं

आप पैवि ग टेप की सहायता से आसानी से रोएं निकाल कते हैं। इसके लिए रोएं पर टेप लगाएं।

इसके अ ावा वूलेन कपड़ों को विनेगर में भिगोकर रखे, इससे रोएं आसानी से निकल सकते हैं।

आप शेवि ग रेजर की सहायता से भी रोएं निकाल सक हैं। लेकिन ध्यान रखें कि रोएं निकालते सम कपड़े को कोई नुकसान न हो।

वहीं अग आपके पास लिंट रिमूवर है, तो यह बेस्ट ऑप ान होगा।

ऐसे धोएं ऊनी कपड़े

बता दें कि बहुत सारे लोग ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से ोते हैं, जिसकी वजह से कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। बल्कि गर्म पानी से धोने से इसकी बनाव भी खराब हो जाती है। इसलिए सबसे अच्छा रीका है कि आप वूलेन कपड़ों को गर्म पानी से ोएं। वहीं अगर आप वूलेन कपड़ों को वॉशिंग म ीन में धोते हैं, तो आपको वूल या डेलिकेट मोड ऑन करें। अगर आप हाथ से इन कपड़ों को धो े हैं, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। गर्म कपड़ों को स ी तरीके से धोने से गर्म कपड़ों में रोएं की कोई परेशानी नहीं होती है।

साइकल चलाते समय न करें ये गलतियां

अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चलाना पसंद कर रहे है और फिटनेस के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल कर रहे है। वैसे भी फिट और एक्टिव रहने के लिए साइकिल चलाना बेस्ट माना जाता है। यदि नियमित रूप से साइकिल चलाई जाए तो इससे बॉडी की पूरी एक्सरसाइज होती है। और टोन्ड और परफेक्ट फिगर पा सकते है। लेकिन साइकिल चलाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वरना सेहत से जुड़ी अन्य समस्या हो सकती हैं।

- कुछ लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार पानी पीते है, ये बिलकुल अच्छी बात है लेकिन साइकिल चलाते समय अधिक मात्रा में पानी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि साइकिल चलाते वक्त अधिक मात्रा में पानी पीया जाएं तो इससे मतली की समस्या होने लगती है। वहीं ज्यादा पानी पीने से बार-बार पेशाब आएगी। जिससे पेट में दर्द हो सकता है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त पानी न पीएं।
- साइकिल चलाना फिट रहने के लिए एक बेस्ट विकल्प है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त फास्ट फूड या फिर जंक फूड से दूरी रखना ही बेहतर होता है, क्योंकि अनहेल्दी खाने से शरीर में फेट बढ़ता है। इससे आप सुस्त महसूस करेंगे।
- साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। वैसे आमतौर पर वर्कआउट से पहले स्टेचिंग की सलाह दी जाती है। लेकिन साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती है और उनमें खिंचाव आ सकता है। यदि आप स्टेचिंग करना चाहते है तो कम से कम आधे घंटे पहले करें।
- कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिल राइड को मजेदार बनाने के लिए स्टंट करना शुरू कर देते हैं। इससे एक्सीडेंट होने की संभावना अधिक रहती है।

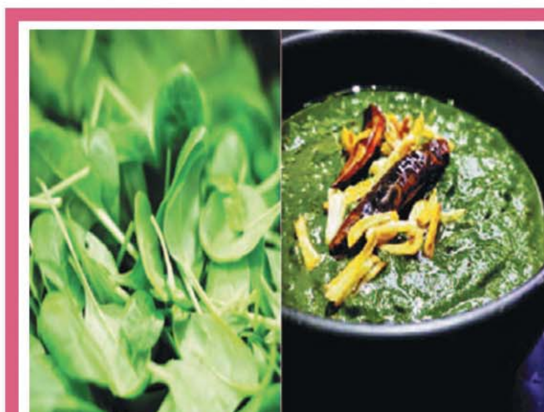

सर्दियों में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं

सर्दियों के दौरान हरी सब्जियां खाना काफी पौष्टिक माना जाता है। पालक खाना सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती। ठंड के मौसम में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं, स्वाद इतना गजब सब करेंगे तारीफें।

ठंड के मौसम में साग, पालक और मेथी की सब्जी खूब खाई जाती है। सब्जी मंडी में इस समय पूरे बाजार में हरी सब्जियां नजर आती है। हरी सब्जियां सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। पालक के सेवन करने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं। पालक में भरपूर न्यूट्रिशन पाए जाते हैं। इसमें आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम, प्रोटीन और फाइबर मौजूद होता है। इस विंटर सीजन में लहसुनी पालक की सब्जी बनाएं, जो स्वाद और हेल्थ के लिए बढ़िया है। आइए आपको लहसुनी पालक रेसिपी बताते हैं।

लहसुनी पालक बनाने के लिए हमें क्या चाहिए?

- 1 बड़ा कटोरा पालक, उबालकर कटा हुआ
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1/4 छोटा चम्मच जीरा
- 2 बड़ा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 छोटा कटा प्याज
- 1 चम्मच कटी हरी मिर्च
- 2 साबुत सूखी लाल मिर्च
- 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/4 चम्मच मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार नमक

तड़का के लिए

- 1 बड़ा चम्मच शुद्ध घी
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 साबुत सूखी लाल मिर्च
- कटा हुआ टमाटर

लहसुनी पालक कैसे बनाएं

- सबसे पहले आप एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, कटा हुआ लहसुन और साबुत सूखी लाल मिर्च डालें। कुछ समय तक भूने, फिर आप कटा हुआ प्याज डालें, जब तक यह ग्लोडन ब्राउन न हो जाए।

- अब कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डालें। कुछ सेकंड के लिए भूनें, फिर कटा हुआ पालक और स्वादानुसार नमक डालें। कुछ मिनट तक भूनते रहें, और परोसने के बर्तन में निकाल लें।

- फिर आफ तड़का के लिए शुद्ध घी, जीरा, कटा हुआ प्याज और साबुत सूखी लाल मिर्च के साथ तड़का तैयार करें। जब तक लहसुन सुनहरा भूरा ने हो जाए तब तक इसे भूनें।

- अब आप इस तैयार किए हुए तड़के को लहसुनी पालक में डाल दीजिए और कटे हुए टमाटर से गार्निश करें।

मारुति सुजुकी इंडिया स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 13 प्रतिशत बढ़ा, अब तक का सबसे ज्यादा निर्यात

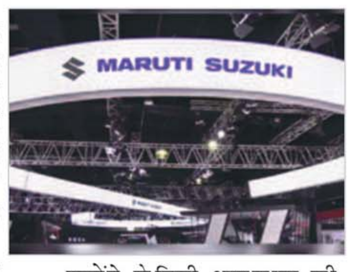

मुंबई।

देश की सबसे बड़ी कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने 29 जनवरी को चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि दिसंबर तिमाही में उसका स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 3,525 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले समान तिमाही में यह 3,130 करोड़ रुपये था। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, मारुति सुजुकी इंडिया का ऑपरेशन से रेवेन्यू 16 प्रतिशत बढ़कर 38,492.1 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 33,308.7 करोड़ रुपये था। कंपनी ने तीसरी तिमाही में कुल 5,66,213 वाहन बिके। घरेलू बाजार में कंपनी की बिक्री 4,66,993 यूनिट रही। जबकि निर्यात 99,220 यूनिट्स का रहा, जो किसी भी तिमाही में अब तक का सबसे ज्यादा निर्यात है। पिछले साल सामना अवधि में कंपनी की कुल बिक्री 5,01,207 यूनिट थी, जिसमें घरेलू बाजार में 4,29,422 यूनिट और निर्यात बाजार में 71,785 यूनिट शामिल थे। दिसंबर तिमाही के दौरान, कंपनी ने अब तक की सबसे अधिक नेट सेल दर्ज की, जो 36,802 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 31,860 करोड़ रुपये थी।

मारुति के बोर्ड ने हिसाशी ताकेउची को एक अप्रैल 2025 से तीन साल की अतिरिक्त अवधि के लिए एमडी एवं सीईओ के रूप में फिर से नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ताकेउची को पहली बार एक अप्रैल, 2022 को इन पदों पर नियुक्त किया गया था। उन्होंने केनिची आयुकावा की जगह ली थी जो 31 मार्च 2022 को सेवानिवृत्त हो गए थे। ताकेउची जुलाई 2019 से मारुति सुजुकी के निदेशक मंडल का हिस्सा रहे और अप्रैल 2021 से अपनी पदोन्नति तक संयुक्त प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक) थे।

तिलहन के रकबे में गिरावट, इसकी जगह गेहूं बो रहे हैं किसान?

- इस वर्ष ज्यादातर वृद्धि गेहूं और दलहन की मुख्य फसलों में हुई

नई दिल्ली। भारत में किसान तिलहन से ज्यादा गेहूं की फसल पर ध्यान दे रहे हैं। रबी फसलों का कुल रकबा बढ़ा है, लेकिन तिलहनी फसलों में गिरावट आई है। रबी फसलों का कुल रकबा 2024-25 में पिछले फसल वर्ष की तुलना में बढ़ा है लेकिन इस दौरान तिलहन फसलों के रकबे में गिरावट आई है। देश इस समय अपनी जरूरत का 55 फीसदी खाद्य तेल आयात कर रहा है, इसे कम करने के लिए सरकार ने तिलहन की बढ़ते रकबे की ओर ध्यान दिया है। पिछले फसल वर्ष की तुलना में इस वर्ष फसलों का कुल रकबा बढ़ा है, लेकिन ज्यादातर वृद्धि गेहूं और दलहन की मुख्य फसलों में हुई है। इसके विपरीत तिलहन के रकबे में गिरावट देखी गई है। इससे किसानों को बेचने में मुश्किलें आ सकती हैं क्योंकि तिलहन की रकबे में कमी का सीधा प्रभाव उनके मुनाफे पर पड़ सकता है। कृषि मंत्रालय ने आंकड़ों के मुताबिक रबी बुआई सीजन के अंत में तिलहन की रकबे में गिरावट देखी गई है, जो मुख्य तौर पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, और मध्य प्रदेश में हुई है। उत्तर प्रदेश योजना आयोग के एक पूर्व सदस्य का कहना है कि गेहूं और दलहन जैसी प्रतिस्पर्धी फसलों की तुलना में तिलहन की कम रिटर्न की वजह से किसान इससे दूरी बना रहे हैं। सरकार को इस मुद्दे पर ध्यान देने की जरूरत है ताकि किसानों को अधिक प्रोत्साहित किया जा सके और वे उन्हें बेहतर मार्गदर्शन और समर्थन प्राप्त कर सकें।

कुंभ यूपी की अर्थव्यवस्था को बूस्टर, 25,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने का अनुमान

होटल व्यवसायियों, होमस्टे मालिकों, रेस्तरां संचालकों को लाभ

प्रयागराज।

प्रयागराज में संगम के तट पर 45 दिवसीय महाकुंभ मेला, जिसे पहले पूर्ण कुंभ के नाम से जाना जाता था, 13 जनवरी से शुरु होकर 45 दिनों तक चलेगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच 40 करोड़ आगंतुकों के आने का अनुमान लगाया है। अनुमान है कि महाकुंभ 2025 से योगी सरकार को 25,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिल सकता है, इससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक लाभ हो सकता है। इस आयोजन से स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, कारीगरों, होटल व्यवसायियों, होमस्टे मालिकों, रेस्तरां संचालकों और खाद्य विक्रेताओं को लाभ मिलने की उम्मीद है,

इसमें डाबर, मदर डेयरी और आईटीसी जैसे प्रमुख ब्रांडों द्वारा 3,000 करोड़ खर्च करने का अनुमान है। आधिकारिक अनुमान है कि 2019 के कुंभ में 24 करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लिया था, जबकि 2013 के पूर्ण कुंभ में, इस तब इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था, 12 करोड़ श्रद्धालु आए थे। 2016 के उज्जैन कुंभ (सिंहस्थ) में 7.5 करोड़ श्रद्धालु आए थे।

उत्तर प्रदेश में योगी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने महाकुंभ के लिए बुनियादी ढांचे से लेकर स्वच्छता तक 549 परियोजनाओं की शुरुआत की है, इसकी लागत 6,900 करोड़ है। 2019 में, 3,700 करोड़ की लागत से 700 परियोजनाएँ शुरू की थीं। राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की है कि महाकुंभ मेला बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हो जाए।

बैंक के निपटा लें जरुरी काम, फरवरी में आठ दिन बैंक में रहेंगी छुट्टियां

नई दिल्ली।

नए साल का जनवरी माह खत्म होने वाला है और फरवरी की शुरुआत होने वाली है। फरवरी में बैंकों में छुट्टियों की भरमार रहेगी। इस महीने के 28 दिनों में से 8 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। शनिवार और रविवार के साप्ताहिक अवकाश के अलावा कई त्योहारों और खास दिनों में बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) हर कैलेंडर वर्ष में बैंकों की छुट्टियों की सूची जारी करता है। पूरे देश के बैंक फरवरी में 8 दिन बंद नहीं रहेंगे। आरबीआई द्वारा जारी हॉलीडे लिस्ट में से कई अवकाश राष्ट्रीय स्तर के हैं। उस दिन पूरे देश में बैंकिंग सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं, कुछ अवकाश स्थानीय या क्षेत्रीय स्तर के होते हैं। उन दिनों को केवल उससे जुड़े राज्यों में ही बैंक शाखाएं बंद होती हैं। रविवार के अलावा हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को भी देशभर के बैंक बंद रहते हैं।

बैंकों में छुट्टी होने से कई बार जरूरी काम अटक जाते हैं, लेकिन अब बैंकों द्वारा ज्यादातर सर्विसेज को ऑनलाइन करने की वजह से ज्यादा दिक्कत नहीं होती है। खास बात यह है कि छुट्टी वाले दिन बैंकों की ऑनलाइन सर्विसेज चालू रहती हैं। इसलिए आप नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग या यूपीआई के जरिए एक बैंक अकाउंट से दूसरे में पैसे ट्रांसफर समेत कई काम कर सकते हैं।

ये रही छुट्टियों की पूरी लिस्ट

- 3 फरवरी, (सोमवार)- अगरतला में सरस्वती पूजा बैंक बंद
- 11 फरवरी, (मंगलवार)- चेन्नई में थाई पूसाम बैंक बंद
- 12 फरवरी, (बुधवार)- शिमला में गुरु रविदास जयंती बैंक बंद
- 15 फरवरी, (शनिवार)- इंफाल में लुई-नगाई-नी बैंक बंद
- 19 फरवरी, (बुधवार)- बेलापुर, नागपुर और मुंबई में शिवाजी जयंती बैंक बंद
- 20 फरवरी, (गुरुवार)- आइजोल और ईटानगर में राज्य दिवस बैंक बंद
- 26 फरवरी, (बुधवार)- महाशिवरात्रि पर अहमदाबाद, आइजोल, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, देहरादून, हैदराबाद (आंध्र प्रदेश), हैदराबाद (तेलंगाना), जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोच्चि, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, रायपुर, रांची, शिमला, श्रीनगर और तिरुवनंतपुरम में बैंक बंद
- 28 फरवरी, (शुक्रवार)- गंगटोक क्षेत्र में लोसर के अवसर पर बैंक बंद

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया आठे पैसे की गिरावट के साथ ही 86.63 पर बंद हुआ। आज सुबह फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के बाद शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया चार पैसे गिरकर 86.59 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की लगातार निकासी और अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती के कारण रुपये पर दबाव जारी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.58 पर खुला और फिर कमजोर रुख के साथ 86.59 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 86.55 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 107.84 पर था।

वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों के लिए एसबीआई ने की खास फिक्स्ड डिपॉजिट योजना

मुंबई।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों के लिए एक खास फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजना पेश की है। योजना का उद्देश्य बुजुर्गों की आर्थिक सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करना है। एसबीआई की एसबीआई पैट्रन्स फिक्स्ड डिपॉजिट योजना 80 साल और उससे अधिक उम्र के नागरिकों के लिए है, और इसमें उन्हें सीनियर सिटीजन दरों के ऊपर अतिरिक्त 0.10 प्रतिशत (10 बेसिस पॉइंट्स) ब्याज दर का लाभ मिलेगा। नई योजना के तहत, सुपर सीनियर सिटीजन को ब्याज दर में 10 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी के साथ 4.10 प्रतिशत से लेकर 7.60 प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा। हालांकि, वित्तीय सलाहकार के अनुसार, यह बढ़ोतरी स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इसका प्रभाव अपेक्षाकृत मामूली है। योजना में न्यूनतम जमा राशि 1,000 रुपये रखी गई है, जबकि अधिकतम जमा सीमा 3 करोड़ रुपये है। यह खाता एकल या संयुक्त रूप से भी खोला जा सकता है, लेकिन संयुक्त खाता धारक की उम्र करीब 80 वर्ष होनी चाहिए।

एसबीआई पैट्रन्स एफडी योजना में निवेश की अवधि 7 दिन से लेकर 10 वर्ष तक हो सकती है, इससे ग्राहकों को लचीलापन मिलता है। इसके अलावा, एसबीआई वरिष्ठ नागरिकों के लिए अन्य योजनाएं भी प्रदान करता है, जिसमें एसबीआई वी-केयर डिपॉजिट योजना शामिल है, जो एक साल के लिए 7.6 प्रतिशत और दो साल के लिए 7.9 प्रतिशत ब्याज देती है। इस प्रकार, एसबीआई की अन्य एफडी योजनाओं जैसे 444 दिनों की अमृत वृष्टि (7.75 प्रतिशत ब्याज) और 400 दिनों की अमृत कलश (7.60 प्रतिशत ब्याज) ने इस योजना से अधिक ब्याज दरें प्रदान की हैं।

मॉस्को सिटी की 'समूह वीजा-मुक्त यात्रा' के लिए भारत के साथ बातचीत

मुंबई। मॉस्को सिटी टूरिज्म कमेटी ने भारत सरकार के साथ समूह वीजा-मुक्त व्यवस्था के लिए बातचीत करने की खबरों के साथ ध्यान खींच लिया है। इस व्यवस्था के तहत एक समूह में यात्रा करने वाले पर्यटकों को बिना वीजा के रूस में प्रवेश की अनुमति देने की योजना है। मॉस्को सिटी टूरिज्म कमेटी के एक अधिकारी ने इसकी घोषणा की। अधिकारी ने बताया कि इस योजना के तहत वीजा की आवश्यकता न सिर्फ कम होगी, बल्कि इसमें एक समूह में यात्रा करने वाले पर्यटकों को भारत सरकार के साथ संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने का भी माध्यमिका प्रस्ताव है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए विदेश मंत्रालय के साथ चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाज़ार है। इससे पहले हमें चीन में स्रोत देखने के लिए मिला। भारत खर्चे में भी फिर चीन के बाद आता है। 2024 के पहले नौ महीनों के दौरान 61,000 भारतीय ग्राहकों और 1.97 करोड अन्य मेहमानों ने मॉस्को की यात्रा की, जो इस साझेदारी की सफलता का प्रमाण है। यह समूह वीजा-मुक्त व्यवस्था संबंधित प्रतियोगिता बाज़ारों में भारत के पर्यटकों को एक नया राहत प्रदान कर सकती है और जनता के बीच अधिक साझेदारी और आत्मविश्वास के लिए मान्यता प्राप्त कर सकती है।

एलएंडटी को पश्चिम एशिया में महत्वपूर्ण ठेका मिला

नई दिल्ली। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने कहा कि उसकी एक सहायक इकाई ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र में माल ढुलाई संभालने की सुविधा स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण ठेका हासिल किया है। इस ठेके के तहत, एलएंडटी को 1,000 करोड़ से 2,500 करोड़ रुपये के बीच का महत्वपूर्ण काम मिलेगा। जीसीसी क्षेत्र में एक प्रमुख रेलवे कंपनी से संदिग्ध ठेका प्राप्त करने के बाद, एलएंडटी अब उन्नत स्वचालन और नियंत्रण प्रणालियों के साथ माल ढुलाई संभालेगा। इस ठेके में इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण और संचालन का काम शामिल है। जीसीसी क्षेत्र में यह ठेका कार्यक्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा और खाड़ी सहयोग क्षेत्र की अवसंरचना में विकास को प्रोत्साहित करेगा। यह एलएंडटी की स्थिरता और प्रभावकारी कार्यक्षमता की एक और विजय है जो वित्तीय पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ेगा।

कच्चा तेल सस्ता फिर भी महंगे हुए पेट्रोल-डीजल

क्रूड की कीमतें 72.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें स्थिर होकर 72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रही हैं. जहां क्रूड की कीमतें 72.79 डॉलर प्रति बैरल है तो ब्रेंट क्रूड का भाव 76.69 डॉलर प्रति बैरल है। इस बीच देश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतें अपडेट कर दी हैं। देश के कुछ हिस्सों में गुरुवार को ईंधन के दाम बढ़ गए हैं, जबकि कुछ राज्यों में कीमतें कम हुई हैं। देश के 4 महानगरों में से सिर्फ चेन्नई में कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। आंध्रा प्रदेश और असम समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल महंगा हुआ है तो बिहार और अरुणाचल प्रदेश समेत कुछ प्रदेशों पर ईंधन के दाम कम हुए हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपये और डीजल 90.03 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 92.49 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपये और डीजल 91.82 रुपये प्रति लीटर है। इन शहरों में बदल गए भाव- गुरुग्राम में पेट्रोल 94.99 रुपये और डीजल 87.84 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.23 रुपये और डीजल 92.09 रुपये प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 104.91 रुपये और डीजल 90.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 227, निफ्टी 86 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई हैं। सरकारी पीएसयू कंपनियों और बजाज फाइनेंस के शेयरों में उछाल से भी बाजार ऊपर आया है। टाटा मोटर्स में गिरावट से हालांकि इस तेजी पर कुछ हद तक अंकुश लगा। मंथली एक्सपायरी के दिन बाजार में तेजी का माहौल रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स तेजी के साथ अंत में 226.85 अंक करीब 0.30 फीसदी बढ़कर 76,759.81 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 86.40 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी की बढ़त लेकर 23,249.50 पर बंद हुआ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपनी ब्याज दरों को स्थिर रखा। हाल ही में ब्याज दरों में कटौती के सिलसिले को रोकते हुए फेड ने फैसला किया कि आगे के आर्थिक और राजनीतिक हालातों को ध्यान में रखते हुए कदम उठाए जाएंगे। फेड की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) ने उम्मीदों के अनुसार अपनी ब्याज दर को 4.25 फीसदी से 4.5 फीसदी के बीच स्थिर रखा।

वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

बाजार जानकारों के अनुसार सरकारी पीएसयू कंपनियों के शेयरों और बजाज फाइनेंस में उछाल की वजह से बाजार को बल मिला जिससे उसमें तेजी आई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफ़सी बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में उछाल से भी बाजार को लाभ हुआ। वैश्विक बाजारों में आई मजबूती से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार कमजोर शुरुआत के बाद संभल गए। सरकारी पीएसयू कंपनियों के शेयरों और बजाज फाइनेंस में उछाल की वजह से बाजार हरे निशान में लौट गया। हालांकि, टाटा मोटर्स में गिरावट ने बाजार में तेजी सीमित कर दिया। सेंसेक्स गुरुवार को हल्की तेजी के साथ 76,598 अंक पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी खराब शुरुआत के बाद हरे निशान में लौट गया। वहीं एशिया-पैसिफिक बाजारों में मिलेजुले रुख में कारोबार हुआ। ऑस्ट्रेलियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली, जबकि वॉल स्ट्रीट में गिरावट दर्ज की गई। फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई बाजार ने बढ़त बनाई। कई बाजार लूनर न्यू ईयर की छुट्टियों के कारण बंद थे। ताजा जानकारी के अनुसार एएसएक्स 200 में 0.4 फीसदी की तेजी दिखी। वहीं जापान का निक्केई और टॉपिक्स क्रमश- 0.17 और 0.2 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आए। फेड के ब्याज दर स्थिर रखने के फैसले के बाद अमेरिकी बाजारों में गिरावट आई।

भारत में बने 'जिम्नी फाइव-डोर' मॉडल की जापानी बाजार में बिक्री शुरू

- कंपनी का चालू वित्त वर्ष में जापान को निर्यात किया जाने वाला यह दूसरा मॉडल है

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि भारत में बने 'जिम्नी फाइव-डोर' मॉडल की जापानी बाजार में बिक्री शुरू की गई है। विशेष रूप से मारुति सुजुकी के गुरुग्राम स्थित संयंत्र में बने इस एसयूवी को गुरुवार को जापान में पेश किया गया। जिम्नी फाइव-डोर मॉडल वित्त वर्ष 2024-25 में फोंक्स के बाद सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के घरेलू बाजार में पेश किया जाने वाला दूसरा एसयूवी बन गया है। मारुति सुजुकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि भारत में बनी जिम्नी 5-डोर को जापान में पेश किए जाने से हमारी वैश्विक स्तर की विनिर्माण क्षमता का पता चलता है। उन्होंने कहा कि कंपनी का चालू वित्त वर्ष में जापान को निर्यात किया जाने वाला यह दूसरा मॉडल है। इससे पहले अगस्त 2024 में फोंक्स को जापान में पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि मेक्सिको, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे बाजारों में इसकी शानदार सफलता के बाद, हमें भरोसा है कि यह जापान में ग्राहकों को पसंद आएगी। जिम्नी का निर्यात 'मेक-इन-इंडिया' के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।मारुति सुजुकी ने कहा कि जिम्नी का तीन दरवाजे वाला संस्करण जापानी बाजार में पहले से ही बिक्री के लिए उपलब्ध है और पांच दरवाजे वाला संस्करण इसकी लोकप्रियता को और बढ़ाएगा।

आईईडब्ल्यू 2025, विश्व स्तर पर ऊर्जा क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा आयोजन होगा: हरदीप एस पुरी

मुंबई: केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने आज मुंबई में कहा कि भारत ऊर्जा सप्ताह यानि इंडिया एनर्जी वीक (आईईडब्ल्यू) 2025 का आयोजन एक लाख वर्ग मीटर में फैला है। भागीदारी, प्रदर्शनी स्थल और सत्रों के संदर्भ में यह विश्व स्तर पर ऊर्जा क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा आयोजन होगा। 11-14 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि में आयोजित होने वाले आईईडब्ल्यू 2025 में मंत्रियों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के दिग्गजों की अद्वितीय वैश्विक भागीदारी होगी, जो ऊर्जा क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगा।

मीडिया से बातचीत करते हुए, श्री पुरी ने आईईडब्ल्यू 2025 के दौरान आयोजित होने वाले स्वच्छ पाक कला मंत्रिस्तरीय सम्मेलन पर प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम स्वच्छ पाक कला से जुड़े समाधानों को वैश्विक स्तर पर तेजी से अपनाने में सहयोगात्मक प्रयासों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगा। भारत की अत्यधिक सफल प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) ऊर्जा पहुंच से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक वैश्विक टेम्पलेट के रूप में मूल्यवान अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रणालियों को प्रदर्शित करते हुए केंद्र में रहेगी।

इस कार्यक्रम में 20 से अधिक विदेशी ऊर्जा मंत्री या उप मंत्री, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख और फॉर्च्यून 500 ऊर्जा कंपनियों के 90 सीईओ भाग लेंगे। यह वैश्विक ऊर्जा संक्रमण संवाद को आकार देने में भारत के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। श्री पुरी ने युवाओं और नवप्रवर्तकों को शामिल करने की पहल पर भी प्रकाश डाला, जिसमें अग्रणी आईआईटी, ₹अविन्या₹ और ₹वसुधा₹ जैसे स्टार्टअप प्लेटफॉर्म और दिल्ली/एनसीआर के 500 छात्र नवाचार और प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों का प्रदर्शन करने के लिए भाग ले रहे हैं।

आईईडब्ल्यू 2025 का मुख्य आकर्षण ऊर्जा सुरक्षा, न्यायसंगत और व्यवस्थित परिवर्तन, सहयोग, सशक्तता, क्षमता निर्माण और डिजिटल प्रगति सहित आकर्षक विषयों पर ध्यान केंद्रित करना है। इस कार्यक्रम का स्वच्छ पाक कला मंत्रिस्तरीय सम्मेलन टिकाऊ और किफायती ऊर्जा समाधानों तक पहुंच सुनिश्चित करने में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को और बढ़ाएगा, जिससे ऊर्जा समानता के लिए इसकी वैश्विक प्रतिबद्धता को बल मिलेगा। अपने अद्वितीय व्यापकता और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, भारत ऊर्जा सप्ताह 2025 भारत को वैश्विक ऊर्जा परिवर्तनों में अग्रणी स्थान दिलाने और ऊर्जा क्षेत्र में परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में इसकी भूमिका को मजबूत करने के लिए तैयार है।

एमएसएमई के लिए नई ऋण गारंटी योजना- निवेश और निर्यात को मिलेगी मदद

- योजना से भारतीय निर्यात संगठनों को अधिक वित्तीय पहुंच प्राप्त होगी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने एक नई ऋण गारंटी योजना की घोषणा की है, जिसमें एमएसएमई क्षेत्र को 100 करोड़ रुपये तक के ऋण की सुविधा प्राप्त होगी। यह योजना निवेश, विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगी। निर्यातकों का मानना है कि एमएसएमई के लिए वित्तपोषण की कमी से परिस्थितियाँ कठिन हो रही हैं, जिससे वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता में रोक हो रही है। योजना के अनुसार उधारकर्ता को कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी, जैसे वैध उद्यम पंजीकरण संख्या वाला एमएसएमई होना, गारंटीकृत ऋण की राशि 100 करोड़ रुपये से अधिक न होना और उपकरणों की परियोजना लागत का कम से कम 75 प्रतिशत होना। इस योजना से भारतीय निर्यात संगठनों को अधिक वित्तीय पहुंच मिलेगी और उन्हें नवीनतम उपकरणों में निवेश करने के लिए महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त होगा। इस नीति के माध्यम से सरकार विनिर्माण को बढ़ावा देने और भारत के ग्लोबल प्रतिस्पर्धा में मदद करने के लिए कदम उठा रही है। यह योजना सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए सहायक होगी।

धार्मिक ही नहीं साहित्य और पर्यटन का सांस्कृतिक आयोजन भी है महाकुंभ

विवेक रंजन श्रीवास्तव

कुंभ सदा से धार्मिक ही नहीं एक साहित्य और पर्यटन का सांस्कृतिक आयोजन रहा है और भविष्य में तकनीक के विकास के साथ और भी वृहद बनता जायेगा। इस वर्ष प्रयाग का कुंभ नये चैलेंज लिये आयोजित हो रहा है, हम सब की नैतिक व धार्मिक सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम स्वयं का ख्याल व सावधानियां रखते हुये ही कुंभ स्नान व आयोजन में सहभागिता करें, क्योंकि यदि मन चंगा तो कठौती में गंगा। और मन तभी चंगा रह सकता है जब शरीर चंगा रहे।

भारतीय संस्कृति वैज्ञानिक दृष्टि तथा एक विचार के साथ विकसित हुई है। बारह ज्योतिर्लिंग, इक्यावन शक्ति पीठ, बद्रीनाथ, द्वारका, जगन्नाथपुरी, रामेश्वरम के चारों धाम के दर्शनों के अतिरिक्त हमारी संस्कृति में नदियों के संगम स्थलों पर मकर संक्रांति, चंद्र ग्रहण व सूर्यग्रहण के अवसरों पर पवित्र स्नान की भी परम्परायें हैं। चित्रकूट व गिरिराज पर्वतों की परिक्रमा, नर्मदा नदी की परिक्रमा जैसे अद्भुत उदाहरण हमारी धार्मिक आस्था की विविधता के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रामाणिक द्योतक हैं।

हरिद्वार, प्रयाग, नासिक तथा उज्जैन में आयोजित होते कुंभ के मेले तो मूलतः स्नान से मिलने वाली शारीरिक तथा मानसिक शुचिता को ही केंद्र में रखकर निर्धारित किये गये हैं। साथ ही ये पर्यटन को धार्मिकता से जोड़े जाने के विलक्षण उदाहरण हैं। ऐसे में स्नान को केंद्र में रखकर ही महाकुंभ जैसा विशाल और अद्भुत पर्व मनाया जा रहा है, जो हजारों वर्षो से हमारी संस्कृति का हिस्सा है। पीढ़ियों से जनमानस की धार्मिक भावनायें और आस्था कुंभ स्नान से जुड़ी हुई हैं। प्रयागराज के नैसर्गिक महत्व तथा माँ गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के अनुपम संगम के कारण प्रयाग कुंभ सदैव विशिष्ट ही रहा है।

प्रश्न है कि क्या कुंभ स्नान को मेले का स्वरूप देने के पीछे केवल नदी में डुबकी लगाना ही हमारे मनीषियों का उद्देश्य रहा होगा? इस तरह के आयोजनों को नियमित अंतराल पर निरंतर स्वस्फूर्त आयोजन करने की व्यवस्था बनाने का निहितार्थ समझने की आवश्यकता है। आज तो लोकतांत्रिक शासन है, हमारी ही चुनी हुई सरकारें हैं जो जनहितकारी व्यवस्था महाकुंभ हेतु कर रही है पर कुंभ के मेलों ने तो पराधीनता के युग भी देखे हैं, आक्रांता बादशाहों के समय में भी कुंभ संपन्न हुये हैं और इतिहास गवाह है कि तब भी तत्कालीन प्रशासनिक तंत्र को इन भव्य आयोजनों का व्यवस्था पक्ष देखना ही पड़ा। समाज और शासन को जोड़ने का यह उदाहरण शोधार्थियों की रुचि का विषय हो सकता है। वास्तव में कुंभ स्नान शुचिता का प्रतीक है, शारीरिक और मानसिक शुचिता का। जो साधु संतो के अखाड़े इन मेलों में एकत्रित होते हैं वहां सत्संग होता है, गुरु दीक्षायें दी जाती हैं। इन मेलों के माध्यम से आध्यात्मिक उन्नयन के लिये जनमानस तरह तरह के व्रत, संकल्प और प्रयास करता है। धार्मिक यात्रायें होती हैं। लोगों का मिलना जुलना, वैचारिक आदान प्रदान हो पाता है। धार्मिक पर्यटन हमारी संस्कृति की विशिष्टता है। पर्यटन नये अनुभव देता है साहित्य तथा नव विचारों को जन्म देता है, हजारों वर्षो से अनेक आक्रांताओं के हस्तक्षेप के बाद भी भारतीय संस्कृति अपने मूल्यों के साथ इन्ही मेलों समागमों से उत्पन्न अमृत ऊर्जा से ही अक्षुण्य बनी हुई है।

जब ऐसे विशाल, महीने भर की अवधि तक चलने वाले भव्य आयोजन संपन्न होते हैं तो जन सैलाब जुटता है। स्वाभाविक रूप से वहां धार्मिक सांस्कृतिक नृत्य, नाटक मण्डलियों के आयोजन भी होते हैं, कला विकसित होती है। प्रिंट मीडिया व आभासी दुनिया के संचार संसाधनो में आज इस आयोजन की व्यापक चर्चा हो रही है। लगभग हर अखबार प्रतिदिन कुंभ की खबरों तथा संबंधित साहित्य के परिशिष्ट से भरा दिखता है। अनेक पत्रिकाओं ने तो कुंभ के विशेषांक ही निकाले हैं। कुंभ पर केंद्रित वैचारिक संगोष्ठियां हो रही हैं, जिनमें साधु संतो, मनीषियों और जन सामान्य की, साहित्यकारों, लेखकों तथा कवियों की भागीदारी से विकीपीडिया और साहित्य संसार लाभान्वित हुआ है। कुंभ के बहाने साहित्यकारों, चिंतकों को आंचलिक, सामाजिक परिवर्तनों की समीक्षा का अवसर मिलता है। विगत के अच्छे बुरे के आकलन के साथ साथ भविष्य की योजनायें प्रस्तुत करने तथा देश व समाज के विकास की रणनीति तय करने, समय के साक्षी विद्वानों, साधु संतों, मठाधीशों के परस्पर शास्त्रार्थो के निचोड़ से समाज को लाभान्वित करने का मौका यह आयोजन सुलभ करवाता है। क्षेत्र का विकास होता है, व्यापार के अवसर बढ़ते हैं।

कुंभ सदा से धार्मिक ही नहीं एक साहित्य और पर्यटन का सांस्कृतिक आयोजन रहा है और भविष्य में तकनीक के विकास के साथ और भी वृहद बनता जायेगा। इस वर्ष प्रयाग का कुंभ नये चैलेंज लिये आयोजित हो रहा है, हम सब की नैतिक व धार्मिक सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम स्वयं का ख्याल व सावधानियां रखते हुये ही कुंभ स्नान व आयोजन में सहभागिता करें, क्योंकि यदि मन चंगा तो कठौती में गंगा। और मन तभी चंगा रह सकता है जब शरीर चंगा रहे। प्रयागराज में आयोजित हो रहा महाकुंभ इसी धार्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक कार्यों की हमारी विरासत का साक्षी बना हुआ है।

संपादकीय

दोहरा निशाना

मतभेदों का सम्मान किया जाना चाहिए और सद्भाव से रहने की कुंजी एकजुटता है। यह कहना है राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने महाराष्ट्र के भिवंडी में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान ध्वाजारोहण के बाद कही। भागवत ने विविधा के संदर्भ में कहा कि गणतंत्र दिवस उत्सव के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर भी है। किसी को दबाया नहीं जाना चाहिए, आपकी अपनी विशेषताएं हो सकती हैं मगर आपको दूसरों के प्रति अच्छा व्यवहार करना चाहिए। यदि आपका परिवार दुखी है तो आप खुश नहीं रह सकते। अगर आप जीना चाहते हैं तो सामंजस्यपूर्ण जीवन जीना चाहिए। कुछ ही समय पहले भागवत द्वारा हर धर्म के देवी-देवताओं के सम्मान की भी बात की गई थी, जिस पर विवाद छिड़ गया था। सौहार्द और जिम्मेदारियों को लेकर की गई उनकी बात को लेकर एक बार फिर संदेह किया जा सकता है। संघ के तौर-तरीकों व विवादास्पद विचारों की बजाए भागवत का एकजुटता को लेकर दिया गया भाषण रणनीति भरा व दूरदर्शितापूर्ण कहा जा सकता है। मगर उनके विरोधियों को यह रास नहीं आ सकता। बहुसंख्यकों के हितों पर मुखर रूप से बोलने वाले भागवत अब देश में सभी को साथ रहने और इसे भारत की संस्कृति बताते हैं। हालांकि पिछले दिनों राम मंदिर निर्माण को देश की दूसरी आजादी से जोड़ने वाले उनके बयान पर कांग्रेस ने तल्ख टिप्पणी की थी। आरोप लगाया था कि वे संविधान को आजादी का प्रतीक नहीं मानते। यह कहना गलत नहीं है कि भागवत हिन्दुओं के नेता बनने की ललक के चलते विरोधाभाषी या विवादास्पद बयानबाजी करने से चूकना नहीं चाहते। भाजपा के संघ को दरकिनार करने के संकेतों से निपटने के लिहाज से भी वह पलटवार करते नजर आते हैं। कभी एक-दसरे के पूरक रहे भाजपा व संघ के मतभेदों को पाटने के उनके ये प्रयास भी हो सकते हैं। कड़वी गोलियों के दरम्यान कुछ मीठी चीजों को पलोभन के लिहाज से देते रहना भागवत की रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है। विपटल पर अपनी छवि सुधारने और जनता के समक्ष अपना महत्त्व बनाये रखने के हथकंडों की उन्हें जरूरत है। जिस सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बीज के दम पर भाजपा की फसल लहलहा रही है। उन बीज को संघ प्रमुख बेकार नहीं होने देना चाहेंगे, न ही उनके उन्नत संस्करणों पर पूरी तरह सत्ताधारी दल को काबिज ही होने देना चाहेंगे। विविधता व सामंजस्य की बात कर वह एक तीर से दो निशाने साधते नजर आ रहे हैं।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दु?ख देता है और न सुख।

इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है। महाभारत के युद्ध में अर्जुन ने भीष्म को बाणों से छलनी कर दिया और भीष्म पितामह को बाणों की शैय्या पर सोना पड़ा। इसके पीछे भी भीष्म पितामह के कर्म का फल ही था। बाणों की शैय्या पर लेटे हुए भीष्म ने जब श्री कृष्ण से पूछा, किस अपराध के कारण मुझे

यूसीसी की प्रयोगशाला है उत्तराखंड

राकेश अचल

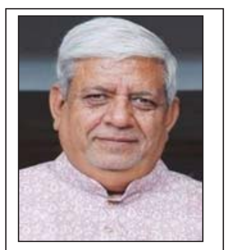

देश पर शासन करने वाली भाजपा और उसके सहयोगी दल सबको साथ लेकर सबका विकास करना ही नहीं चाहते ,इसका सबसे बड़ा प्रमाण है यूसीसी का उत्तराखंड में जबरन लागू किया जाना। भाजपा ने उत्तराखडं को यूसीसी की प्रयोगशाला बना दिया है। केंद्र यदि चाहता तो इस नए कानून को उत्तर प्रदेश समेत देश के उन तमाम राज्यों में एक साथ लागू करा सकता था जहाँ कि भाजपा की सरकारें है। लेकिन ऐसा नहीं किया गया ,क्योंकि केंद्र उत्तराखंड में इस कानून के नतीजे देखना चाहती है। इस कानून को अदालती परीक्षण से भी गुजरना चाहती है।

यूसीसी यानि समान नागरिक संहिता लागू करना भाजपा और संघ का बहुत पुराना सपना है। भाजपा के जरिये संघ अपने पुराने सपनों में खरामा-खरामा रंग भरने में जुटा है। छह साल पहले संघ ने भाजपा के जरिये जम्मू-कश्मीर से संविधान की धारा 370 हटाई और अब बारी समान नागरिक संहिता की है।भाजपा देश की विविधता को एक ही रंग में रंगना चाहती है और वो रंग है भगवा रंग। भाजपा को देश में एक भाषा,एक भूषा,एक खाना,एक चुनाव यानि सब कुछ एक चाहिए। अगर कुछ एक नहीं चाहिए तो वो है मुसलमानों की मौजूदगी।

मुझे भाजपा के इस अभियान से कोई आपत्ति नहीं है। भाजपा इस समय भारत -भाग्य विधाता है। वो जो चाहे सो करे ,कर सकती है। सत्ता उसके हाथ में है। लेकिन भाजपा भूल रही है कि पूरा देश उसके हाथ में नहीं है। केंद्र को यानि भाजपा को एक सम्मान नागरिक संहिता लागू करने से पहले ये जान लेना चाहिए कि देश में अलग-अलग क्षेत्रों की ,जातियों की परम्पराएं ,रीति-रिवाज एक नहीं है। उनमें दखल देना अक्षम्य अपराध है ,लेकिन भाजपा का चरित्र ही एक -दूसरे के मजहब में मदाखलत करने का है। इसके लिए भाजपा रोज नए रास्ते तलाश करती रहती है। पिछले दस साल से भाजपा यही सब तो कर रही है। इस मामले में भाजपा के अनुसन्धान निकाय का लोहा मानना पड़ेगा।

देश में एक सामान नागरिक संहिता और एक चुनाव ,एक भाषा लागू करने से पहले देश की तमाम आबादी का सामाजिक,शैक्षणिक और आर्थिक स्तर भी एक समान करना होगा। भाजपा भूल जाती है कि अभी देश में समानता से ज्यादा असमानता यानि की गैर बराबरी है। देश में आधी आबादी के पास न दो जून की रोटी है और न सिर पर छत या छप्पर। तन पर कपड़ा भी नहीं है। हर हाथ को काम भी नहीं है। 80 करोड़ जनता तो सरकार के पांच किलो अन्न पर जीवित है ,ऐसे में यूसीसी कैसे लागू की जा सकती है ? लेकिन इसका विस्मिल्लाह उत्तराखंड से हो गया है क्योंकि इस सूबे में यूसीसी से प्रभावित होने वालों की तादाद कमोवेश कम है और यहां इसका ज्यादा विरोध भी नहीं हो पायेगा ,होगा भी तो उससे निबट लिया जाएगा। भाजपा की सरकार के दुस्साहस का लोहा मै शुरू से मानता आया हूँ। लेकिन भाजपा में अभी इतना साहस नहीं है कि वो यूसीसी को उत्तर प्रदेश या केरल जैसे राज्यों में लागू कर दिखाए। इसके लिए भाजपा को एक -दो जन्म और लेना पड़ेंगे। भाजपा चूंकि संघ का उत्पाद है इसलिए उसे एक-दो जन्म लेने में भी कोई संकोच नहीं होगा। भाजपा को पुनः मूषक होने की आदत है। आपको याद होगा कि इसी भाजपा की अखंड,प्रचंड बहुमत वाली सरकार ने कुछ समय पहले किसनों के लिए तीन विवादास्पद कानून बनाये थे,लेकिन जब उनका देशव्यापी विरोध हुआ तब ये तीनों कानून वापस भी लेना पड़े ,ये बात और है कि भाजपा की सरकार ने कानून वापस लेने से पहले देश के 700 किसानों की बलि ले 'ायूसीसी भी न जाने कितने बलिदान लेकर मानेगी

केंद्र सरकार की कोशिश है कि देश में शांति न रहे। कुछ न कुछ ऐसा होता रहे जिससे लोग चैन से न सो सकें। अब केंद्र उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने के बाद वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिमों की घुसपैठ के साथ ही उसके मुकाबिल सनातन बोर्ड के गठन की रूपरेखा पर अमल करने वाले हैं। इस साल का महाकुम्भ इसका प्रयोग स्थल है। धर्म के ठेकेदार इस समय देश की सत्ता को संगम स्नान करने में लगे हुए हैं। सत्ता के एजेंडे पर काम करने में इन अखाड़ा प्रमुखों को कोई संकोच नहीं है। बल्कि देश के गृहमंत्री को गंगा स्नान करने में इन्हें अपना मोक्ष नजर आ रहा है। यानि सनातन धर्म भी अब सत्ता के समाने घुटनों के बल बैठ चुका है। गंगा ने शायद कभी हिन्दू-मुसलमान नहीं किया। उसमें सभी को नहाने की छूट दी,वो सभी के पाप धो देती है ,फिर चाहे वो चोर हो,जेबकट हो ,हत्यारा हो ,तड़ीपार हो। गंगा कभी ये नहीं कहती कि पहले हिन्दू बनकर आओ तभी मुझमें डुबकी लगाओ। लेकिन गंगा पुत्रों ने यही कोशिश की है कि गंगा को विधर्मी स्पर्श न कर लें। राजनीती करने वाले और धर्म के नाम पर दुकाने चलने वाले गंगा जैसी उदारता आखिर कहाँ से ला सकते हैं।

मुझे हैरानी होती है देश कि सबसे बड़ी अदालत के मौन पर ,क्योंकि देश की सबसे बड़ी अदालत ही अतीत में यूसीसी को डैड लैटर कह चुकी है लेकिन जब इसी कानून को उत्तराखंड में लागू किया जाता है तो सबसे बड़ी अदलात मौन साध लेती है। अब कोई जाये ,इस कानून को चुनौती दे ,तब शायद सबसे बड़ी अदालत इस कानून के सामविधान विरोधी चरित्र की समीक्षा करे। संविधान ने देश में 18 साल के बच्चों को मताधिकार दे दिया लेकिन यूसीसी इस उम्र के बच्चों को अपने मन से अपने जीवन साथी को चुनने का अधिकार नहीं देता। ये कानून कहता है कि यदि किसी बालिग को किसी के साथ लिव इन रिलेशन में रहना है तो पहले मम्मी-पापा से इजाजत लेकर आओ। क्या कमाल का प्रावधान है भाई!

बहरहाल उत्तराखंड की जनता को यूसीसी मुबारक हो। उत्तराखंड देवभूमि है। देवता हिन्दू-मुसलमान करते हैं या नहीं ,ये मै नहीं जानता। लेकिन मुझे इतना पता है कि ये कानून देश की समरसता को प्रभावित करेगा,इसलिए भाजपा को आग का ये खेल खेलने से पहले एक बार फिर इस कानून पर पुनर्विचार करना चाहिये। हम केवल सुझाव दे सकते हैं,सरकार का हाथ नहीं पकड़ सकत। ये काम तो जनता का है। जनता अपना काम करे या न करे, जनता की मर्जी है।

मुद्दा : मुफ्त की रेवड़ियों से बनती सरकार कितनी लाचार कितनी दमदार..!

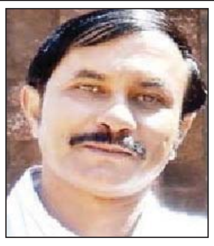

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल दिल्ली विधानसभा चुनाव, गठन के बाद से ही बेहद अलग, दिलचस्प और इतर राजनीतिक पहचान को लेकर चर्चित रहे हैं। यह सही है कि मौजूदा सरकार के सुप्रीमों केजरीवाल जैसी मुफ्त की रेवड़ियों का वादा सभी पार्टियां और राज्य न केवल करने लगे हैं बल्कि पूरा भी करते हैं। ऐसे में इस बार के चुनाव वाकई दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू जैसे होंगे। इतना है कि इस बार मुकाबला न केवल कांटे का बल्कि त्रिकोणीय सा बनता जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि सरकार किसी की बने लुभावनी योजनाओं का अंबार होगा। इससे दिल्ली की कितनी तकदीर बदलेगी यही देखने लायक होगा।

दिल्ली का चुनावी सफर भी दिलचस्प है। 1952 में पहली बार राज्य विधानसभा का गठन हुआ तब 48 सीटें थीं। कांग्रेस ने 36 सीटों पर जबरदस्त जीत दर्ज की। 34 वर्ष के चौधरी ब्रम्ह प्रकाश मुख्यमंत्री बने जो नेहरू जी की पसंद थे। दरअसल कांग्रेस देशबंधु गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही थी लेकिन एक हादसे में उनकी मृत्यु के चलते ब्रम्ह प्रकाश एक्सीडेण्टल मुख्यमंत्री बने। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रेवाड़ी के निवासी ब्रम्ह प्रकाश कभी भी मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहे। बिना तामझाम काम करते और जनसाधारण के बीच रहते। 1955 में कांग्रेस ने गुरमुख निहाल सिंह को मुख्यमंत्री बनाया जो 1956 तक रहे। राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के चलते साल भर बाद दिल्ली विधानसभा भंग हुई 1966 में इसकी जगह मेट्रोपोलिटन काउंसिल बनी इसमें 56 निर्वाचित और पांच मनोनीत सदस्यों का प्रावधान था। लेकिन 1991 में 69वें संविधान संशोधन के जरिए दिल्ली विधानसभा की व्यवस्था हुई और 1992 में परिसीमन और 1993 में चुनाव हुए।

1993 में भाजपा बहुमत में आई। मदन लाल खुराना मुख्यमंत्री बने और 1956 के बाद दिल्ली को कोई मुख्यमंत्री मिला। लेकिन 5 साल में 3 मुख्यमंत्री बदले गए। खुराना को घोटाले के आरोपों के चलते कुर्सी छोड़नी पड़ी फिर साहिब सिंह वर्मा आए और महंगाई के मुद्दे पर ऐसे घिरे कि उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा इनके बाद सुषमा स्वराज को कमान मिली जो महज 52 दिन मुख्यमंत्री रहीं।

1998 के चुनाव में भाजपा ने सुषमा स्वराज को तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को आगे किया। कांग्रेस की जीत हुई और शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं। दिल्ली मे फ्लाई ओवरों का जाल, मेट्रो रेल का विस्तार, डीजल की जगह सीएनजी के उपयोग को बढ़ावा और हरियाली पर खास ध्यान सहित दूसरे काम उनकी पहचान बने। 1998 से 2013 तक तीन बार लगातार दिल्ली की सत्ता पर कांग्रेस और शीला दीक्षित काबिज रहीं। इस बीच 2011 में जन लोकपाल विधेयक की मांग पर दिल्ली में अन्ना आंदोलन हुआ। अप्रेल में 5 दिन का आमरण अनशन और दोबारा 16 अगस्त से फिर अनशन बैठते ही देश भर में आन्दोलनों की दस्तक हुई। आखिर संसद में बिल पास हुआ और देखते-देखते अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, आतिशी और कई चेहरे भारतीय राजनीति के नए हीरो बन गए। आम आदमी पार्टी ने 2013 का दिल्ली चुनाव लड़ा और 15 वर्षों से काबिज कांग्रेस सरकार गिरा दी। 70 सीटों में भाजपा ने 32 जीती फिर भी बहुमत से दूर रही। आम आदमी पार्टी 28 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस की 7 सीटों के समर्थन से सरकार बनाने में कामियाब रही और अन्ना आन्दोलन से उपजे केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने।

कहते हैं राजनीति शह-मात का खेल है। आप और कांग्रेस की नहीं निभी। आखिर 49 दिन में सरकार गिर गई और राष्ट्रपति शासन लग गया। 2015 में फिर चुनाव हुए। इसमें दिल वालों की दिल्ली ने केजरीवाल पर अपनी उम्मीदों की बख्शीस खूब लुटाई। 70 में से 67 रिकॉर्ड सीटें जीतकर केजरीवाल भारतीय राजनीति के नए सितारे बन गए। भाजपा केवल 3 सीटें तो कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई। केजरीवाल भी अपनी तमाम घोषणाओं पर अमल करते रहे। नतीजन 2020 में एक बार आम फिर आदमी पार्टी ने 62 सीटें तो भाजपा 8 से आगे नहीं बढ़ पाई। कांग्रेस शून्य पर ही रही। लुभावनी योजनाओं का असर दिखा। आप को फिर बहुमत मिला और केजरीवाल मुख्यमंत्री बने। इसके बाद विवादों में घिरे, जेल गए और मुख्यमंत्री पद छोड़ा। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भले हैं लेकिन पार्टी सुप्रीमो केजरीवाल ही हैं।

बेहतरीन सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं को मुफ्त बस सुविधा, 200 यूनिट बिजली फ्री, 20 हजार लीटर मुफ्त पानी, बुजुर्गों का मुफ्त तीर्थ दर्शन जैसी अन्य योजनाओं के साथ नई-नई घोषणाएं करते केजरीवाल तो 1998 से 2013 तक के कार्यकाल को दिल्ली का स्वर्णिम काल बता कांग्रेस असली विकास और उपलब्धियां गिनाते नहीं थकती, आगे तमाम मुफ्त योजनाओं से भी परहेज करते नहीं दिखती। वहीं भाजपा मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की तर्ज पर महिलाओं को हर महीने धनराशि देने, मौजूदा योजनाओं को न केवल जारी रखने बल्कि उसमें बढ़ोत्तरी करने जैसा संकल्प यानी एक से एक

लुभावनी घोषणाओं का पिटारा खोल आम आदमी पार्टी को चुनौती देने में कोई कसर छोड़ते नहीं दिखती। मुफ्त की रेवड़ियों, लोक-लुभावन घोषणाओं के बीच दिल्ली का प्रदूषण, यमुना की गंदगी, बदहाल सड़कें, बरसात में डूबते पुल-पुलिया, पीने के पानी की किल्लत, बढ़ते अपराध और इन सबसे ऊपर दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा जैसे अहम मुद्दे काफी पीछे छूट गए हैं। काश! एक करोड़ की आबादी खातिर मौजूदा संसाधनों वाली दिल्ली में तीन करोड़ लोग कैसे रहते हैं को देखने, सुनने वाले जैसे आम आदमी के मुद्दों की भी बात होती! लेकिन फिलाहाल माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम की तर्ज पर मतदाताओं को लुभाने में कोई पीछे नहीं दिखता। अब दिल्ली की बात कौन करे? देखने लायक होगा कि त्रिकोणीय मुकाबले में कौन किसको कितना नुकसान पहुंचाता है और बाजी जीतता है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

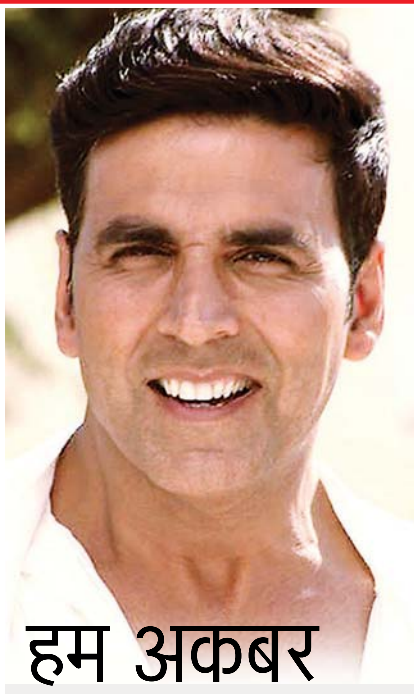

हम अकबर औरंगजेब के बारे में पढ़ते हैं लेकिन...

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इतिहास की किताबों में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। वह अपनी नई फिल्म स्काई फोर्स के प्रमोशन के दौरान इस मुद्दे पर बात कर रहे थे। अक्षय ने कहा कि इतिहास की किताबों में भारतीय सैनिकों की वीरता की कहानियों को भी शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि अक्सर हमें अकबर और औरंगजेब जैसी शख्सियतों के बारे में पढ़ने को मिलता है, लेकिन हमारे असली नायक, जिनकी बहादुरी ने देश को बचाया है, उनकी कहानियां नदारद रहती हैं।

जानबूझकर चुनता हूं ऐसी कहानियां

एक इंटरव्यू के दौरान अक्षय ने कहा, हमारी किताबों में बहुत सारी चीजें नहीं हैं। मैं जानबूझकर उन किरदारों को चुनता हूं जो हमारी किताबों का हिस्सा नहीं हैं। मैं यही करना चाहता हूं। ये सभी अनजाने नायक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग इन नायकों के बारे में इसलिए नहीं जानते, क्योंकि कोई भी इनकी कहानी को गहराई से नहीं खोजता। अक्षय ने कहा, मैं इस प्रकार के किरदारों को चुनता हूं, क्योंकि ये कहानियां बहुत महत्वपूर्ण हैं।

इतिहास की किताबों में सुधार की जरूरत

अक्षय ने आगे कहा, इतिहास की किताबों में कई चीजें सुधारने की जरूरत है। हमें अकबर और औरंगजेब के बारे में तो पढ़ने को मिलता है, लेकिन हमारे खुद के नायकों के बारे में नहीं। इनका नाम भी किताबों में होना चाहिए। अभिनेता ने उन बहादुर सैनिकों का भी उल्लेख किया, जिन्हें परम वीर चक्र जैसे सम्मान मिले हैं। उन्होंने कहा कि उनकी साहसिक कहानियों को भी महत्व देना चाहिए। अक्षय ने कहा हमारे पास सेना से जुड़ी बहुत सारी कहानियां हैं, जिनमें से कई सैनिकों को परम वीर चक्र मिला है। मुझे लगता है कि इतिहास को ठीक करने की जरूरत है। साथ ही, ऐसे ही नायकों की कहानियां नई पीढ़ी को बताई जानी चाहिए।

केओ आहूजा के किरदार में दिखेंगे अक्षय

फिल्म स्काई फोर्स में अक्षय कुमार विंग कमांडर केओ आहूजा का किरदार निभा रहे हैं, जो भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर ओम प्रकाश तनेजा पर आधारित है। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ओम प्रकाश तनेजा ने दुश्मन के विमान और रनवे को नष्ट करके वीरता का परिचय दिया था, जिसके लिए उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

ये सितारे भी फिल्म में हैं मौजूद

फिल्म में अक्षय के साथ वीर पहाडिया, निम्रत कौर और सारा अली खान भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी ने किया है। यह फिल्म 24 जनवरी को रिलीज होने जा रही है।

रश्मिका ने बढ़ाई फैंस की टेंशन, क्या 'छावा' के बाद ले लेंगी संन्यास?

रश्मिका मंदाना और विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' का ट्रेलर रिलीज हुआ। सोशल मीडिया पर फिल्म के ट्रेलर ने तहलका मचा दिया। ट्रेलर लॉन्च में नजर आने के बाद अभिनेत्री ने कहा कि वह इस प्रोजेक्ट से इतनी खुश हैं कि वह खुशी-खुशी रिटायर हो सकती हैं।

मैं रिटायर भी हो सकती हूं

ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान रश्मिका ने फिल्म और अपने किरदार को लेकर अपना अनुभव साझा किया। अभिनेत्री ने इस दौरान फैंस को हैरान करने वाली बात कह दी। फिल्म की प्रशंसा करते हुए रश्मिका ने हंसते हुए कहा, मैं अभी निर्देशक लक्ष्मण सर से बात कर रही थी, मुझे लगता है कि इस रोल के बाद तो मैं रिटायर भी हो सकती हूं। अभिनेत्री ने कहा कि महारानी यसुबाई का किरदार निभाना किसी प्रिविलेज से कम नहीं। फिल्म और इसके ट्रेलर के बारे में और बात करते हुए, रश्मिका ने कहा, इस ट्रेलर को देखकर मेरा दिल भर आया, विक्की ने जो किया उसे देखकरज्वह लगभग भगवान जैसे दिखते हैं...वह छावा हैं। यह अविश्वसनीय है।

चोटिल पैर के साथ ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचीं अभिनेत्री

रश्मिका हाल ही में जिम में ट्रेनिंग करते हुए चोटिल हो गई थीं। अभिनेत्री 'छावा' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अभिनेत्री अपने चोटिल पैर के साथ पहुंचीं, जिसके बाद वह सुर्खियों में आ गईं। इस दौरान विक्की कौशल ने उन्हें स्टेज पर चढ़ने में मदद की, जिसके बाद फैंस उनकी तारीफ करने लगे।

छावा एक ऐतिहासिक एक्शन फिल्म है, जिसमें विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं, जो मराठा राजा छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर केंद्रित है। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की मृत्यु के बाद उनके जीवन की घटनाओं को दर्शाती है। फिल्म में रश्मिका मंदाना ने महारानी येसुबाई की भूमिका निभाई है। उनके अलावा, फिल्म में आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता, विनीत कुमार सिंह, डायना पेंटी और कई अन्य कलाकार भी शामिल हैं।

रश्मिका मंदाना वर्क फ्रंट

रश्मिका मंदाना के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी स्टारर 'कुबेर' में भी मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। इसके अलावा वह सलमान खान के साथ 'सिकंदर' में भी नजर आएंगी।

क्यों साउथ की फिल्में नहीं करना चाहती हैं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु की आखिरी बार विग्नेश शिवन की तमिल फिल्म काथुवाकुला रेंदु काधल में देखा गया था। इसके बाद वह बॉलीवुड वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी में नजर आईं। लेकिन सामंथा को जाने क्या हो गया है कि वह अब साउथ की फिल्में नहीं करना चाहती हैं। हालांकि, उनकी फिल्म रक्त ब्रह्मांड चर्चा में जरूर है। सामंथा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रक्त ब्रह्मांड को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। सामंथा रूथ प्रभु की पिछले साल सिटाडेल हनी बनी आई थी। इस सीरीज में सामंथा बॉलीवुड अभिनेता वरुध धवन के साथ जमकर एक्शन करती नजर आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक इंटरव्यू में, सामंथा ने खुलासा किया कि वह अपनी भूमिकाओं को लेकर का ी सेलेक्टिव रही हैं। यही वजह है कि वह ऐसी भूमिकाओं को टाल रही हैं, जो उन्हें चुनौती नहीं देती हैं। सामंथा ने तमिल फिल्में साइन ा करने का कारण बताते बुए कहा, कई फिल्में करना आसान है, लेकिन ुझे लगता है कि मैं अपने जीवन के उस मुकाम पर हूं, जहां हर फि ्म को ऐसा महसूस होना चाहिए कि यह आखिरी है। फिल्म में उस तरह ा प्रभाव होना चाहिए। यही वजह है कि मैं खुद को इस तरह क की फि ल्म करने के लिए तैयार नहीं कर सकती। सामंथा की आखिरी तमिल फि न 2022 की काथुवाकुला रेंडु काधल थी। सामंथा ने द फैमिली मैन 2, सिट डेल हनी बनी के साथ कई प्रोजेक्ट पर काम किया है और हाल ही में, वह रक्त ब्रह्मांड में दिखाई देने वाली हैं। सामंथा का कहना है कि इ प्रोजेक्ट में उन्हें कुछ अनोखा करने का मौका मिला। उन्होंने कहा, अ छे कारण से वे (राज और डीके) ही हैं, जिन्होंने मुझे अधिक से अधिक चुनौतियों की चाहत के साथ बिगाड़ा है। जब मैं हर दिन काम पर जा ी हूं, तो एक अभिनेता के रूप में किसी भूमिका को इतना अधिक देना बे द संतोषजनक होता है। और अगर मुझे हर दिन वह एहसास नहीं हे ता है, तो मैं काम पर नहीं जाना चाहती।

क्या सारा अली खान को डेट कर रहे हैं अर्जुन प्रताप बाजवा?

सारा अली खान की लव लाइफ तब से चर्चा में है, जब से उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत के साथ केदारनाथ में डेब्यू किया था। पिछले साल उनके अभिनेता और मॉडल अर्जुन प्रताप बाजवा के साथ डेटिंग करने की अफवाह उड़ी थी। उन्हें केदारनाथ में उनके साथ देखा गया था। अब, एक साल बाद अर्जुन ने डेटिंग अफवाहों पर टिप्पणी करते हुए कहा, लोगों को जो लिखना है, वे लिखेंगे।

डेटिंग की अफवाह पर बोले प्रताप बाजवा

हाल ही में एक साक्षात्कार में अर्जुन ने चल रहीं अफवाहों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि यह उनका काम है, जबकि वह सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, तो, लोगों को जो भी लिखना है, वे लिखेंगे। यह उनका काम है। वे अपना काम कर रहे हैं। मैं सिर्फ अपने आप पर और मुझे क्या करना है, इस पर ध्यान केंद्रित करता हूं और यह वास्तव में मुझे परेशान नहीं करता है। इस बीच सारा ने अभी तक डेटिंग अफवाहों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कौन हैं प्रताप बाजवा

प्रताप बाजवा पंजाब में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सदस्य और राजनीतिज्ञ फतेह सिंह बाजवा के बेटे हैं। वह सिंह इज ब्लिंग में सहायक थे और उन्होंने बैंड ऑफ महाराजा फिल्म में काम किया है। अभिनेता और मॉडल होने के अलावा, वह फिटनेस के भी शौकीन हैं। वह एक प्रशिक्षित एमएमए फाइटर हैं।

सारा अली खान की फिल्म

इस बीच सारा अली खान वीर पहाड़िया के साथ अपने पिछले रिलेशनशिप की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं। दोनों ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म स्काई फोर्स में एक साथ काम किया था, जिसमें उन्होंने एक-दूसरे के पति-पत्नी का किरदार निभाया था। दर्शकों द्वारा उनकी शानदार केमिस्ट्री की तारीफ की जा रही है।

वीर पहाड़िया ने स्काईफोर्स के लिए ली जान्हवी कपूर से सलाह

फिल्म स्काईफोर्स में वीर पहाड़िया बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं। वीर अपने इंडस्ट्री के दोस्तों और करीब परिवार जान्हवी कपूर से टिप्स लेते रहते हैं। उन्होंने इस बारे में अब खुलकर बात की है। उभरते हुए अभिनेता ने अपने भाई की गर्लफ्रेंड से टिप्स लेने की बात स्वीकार की और कहा मैं उनसे कोई भी सलाह मांगने का मौका नहीं छोड़ता। उन्होंने कहा, मेरे सभी दोस्त अभिनेता हैं, मैं उनसे कोई भी सलाह लेने का मौका नहीं छोड़ता। और वह काफी अनुभवी हैं। तो हां, मैंने तो कई सारी चीजों को लेकर बात की है। अपनी आगामी फिल्म स्काईफोर्स को लेकर वीर पहाड़िया ने बात की है। उन्होंने कहा कि फिल्म गुंजन सक्सेना में भी जान्हवी ने एक कारगिल गर्ल का किरदार निभाया है, ठीक वैसे ही आगामी एक्शन फिल्म निभाने जा रहे हैं। इसक लिए उन्हो ने जान्हवी कपू से सलाह ली ी। वीर हाड़िया आगे कह हैं, 'स्क्वाड्रन लीड अज्जामद बोप या देवय्या का िरदार निभ ने को लेकर मैं ड हुआ था।

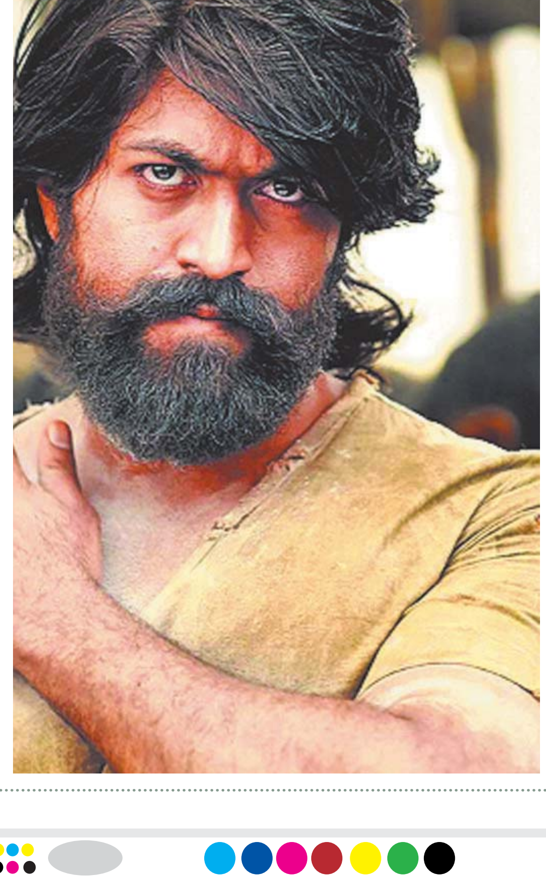

कभी चाय बेचकर रोजाना 50 रुपये कमाए, अब फिल्म के लिए ली 200 करोड़ की फीस

पैन इंडिया फिल्म केजीएफ ने साउथ अभिनेता यश को भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में पहचान दिलाई। वह इस फिल्म से पैन इंडिया पैन इंडिया स्टार भी बना दिया। केजीएफ के बाद इसके दूसरे भाग ने तो दर्शकों के बीच यश की लोकप्रियता को आसमान तक पहुंचा दिया। दोनों फिल्मों ने कुल मिलाकर 1500 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, जो अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कन्नड़ फिल्मों में से एक है। इस सफलता ने यश को सुपरस्टार के रूप में स्थापित किया, लेकिन यहां तक पहुंचना यश के लिए आसान नहीं था। एक साधारण बस ड्राइवर के बेटे के रूप में शुरुआत करने वाले यश ने सफलता के लिए लंबा सफर तय किया। जब यश की उम्र सिर्फ 16 साल थी, तब उन्होंने अपने माता-पिता को घर छोड़ने और सिनेमा में अपना सपना पूरा करने के लिए मना लिया था। उन्हें एक कन्नड़ फिल्म में सहायक निर्देशक के तौर पर काम पर रखा गया था। हालांकि, बैंगलोर पहुंचने के दो दिन बाद ही इस प्रोजेक्ट को बंद कर दिया गया। इस बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मैं अपने घर से भाग गया। जब मैं बेंगलुरु आया तो मैं पहुंचते ही डर गया। इतना बड़ा, डराने वाला शहर, लेकिन मैं हमेशा से ही एक आत्मविश्वासी लड़का था। मैं संघर्ष करने से नहीं डरता था। जब मैं बेंगलुरु पहुंचे, तो मेरी जेब में सिर्फ 300 रुपये थे। मुझे पता था कि अगर मैं वापस गया तो मेरे माता-पिता मुझे कभी यहां वापस नहीं आने देंगे।

ऐसे शुरू हुआ यश का फिल्मी सफर

यश के पास सिर्फ 300 रुपये थे और वह बेनका ड्रामा ट्रूप में शामिल हो गए। यहां वह बैकस्टेज हैंड के तौर पर काम करते थे। यहां वह चाय परोसने जैसे छोटे-मोटे काम करते थे और 50 रुपये प्रतिदिन कमाते थे। थिएटर में अपनी कला को निखारने के साथ-साथ यश ने कॉलेज में भी दाखिला लिया। आखिरकार, उन्हें टीवी सीरीज न ा गोकुला में अभिनय का मौका मिला, जहां उ की मुलाकात अभिनेत्री राधिका पंडित (अब पत्नी) से हुई। 2007 में, यश ने रॉकी (2008) में ख्य भूमिका निभाने से पहले, जांबाडा हुडुगी में सह ायक भूमिका के साथ फिल्मों में कदम रखा।

कई हिट फिल्मों में काम कर चुके हैं यश

अ खिरकार यश को मोडालासाला में रोमांटिक कॉमेडी के साथ एक प्रमुख स्टार के रूप में सफ लता मिली। अगले वर्ष उन्होंने किराटका की सफ लता के साथ खुद को एक बैंकेबल स्टार के रूप ें स्थापित किया। अगले कुछ वर्षों में उन्होंने मोि ना मनासु, ड्रामा, गुगली, मिस्टर एंड मिसेज रा चारी और मास्टरपीस जैसी हिट फिल्में दीं।

केजीएफ से मिला स्टारडम

20 8 में यश ने केजीएफ- चैप्टर 1 में अभिनय किया, जिसने 250 करोड़ की कमाई करके बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह अब त की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कन्नड़ फ़िल्म थी। यह रिकॉर्ड चार साल तक कायम र ा। उसके बाद केजीएफ- चैप्टर 2 ने 1250 करो ड़ रुपये की शानदार कमाई करके इसे तोड़ दिया। यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा क ाई करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक है 3 र 1000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की कमाई करने वाली इकलौती कन्नड़ फिल्म है। कन्नड़ सिनेमा से बाहर भी यश की दुनिया के जीएफ से मिले नेशनल स्टारडम ने यश को न्नड़ सिनेमा से बाहर निकलने में मदद की।

स्पर्श श्रीवास्तव निभाएंगे नेगेटिव रोल

एनसी24 में नागा चैतन्य के साथ लापता लेडीज के अभिनेता नजर आने वाले हैं। लेकिन इस बार वह किसी हीरो के किरदार में नहीं बल्कि एक विलेन के रोल में नजर आएंगे। आइए जानते हैं यहां किस अभिनेता की बात हो रही है। नवंबर 2024 में, आधिकारिक तौर पर घोषणा की गई कि थंडेल अभिनेता नागा चैतन्य और विरुपाक्ष निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू ने एक अखिल भारतीय रहस्यवादी थ्रिलर के लिए हाथ मिलाया है, जिसका शीर्षक अस्थायी रूप से एनसी 24 रखा गया है। फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन चरण में है। जानकारी के अनुसार, कथित तौर पर इस फिल्म में लापता लेडीज में अपनी भूमिका के लिए मशहूर अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव को खलनायक की भूमिका के लिए चुना गया है।

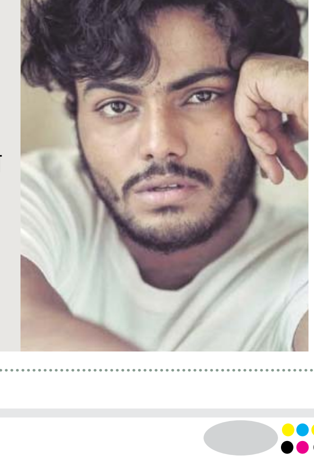

टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर बने अर्शदीप सिंह, बाबर समेत इन खिलाड़ियों को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आईसीसी मेंस टी20 इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 अवॉर्ड जीता है। इस अवॉर्ड की रेस में कुल चार प्लेयर थे। 25 वर्षीय अर्शदीप ने पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को पछाड़ दिया है। अर्शदीप ने पहली बार ये अवॉर्ड अपने नाम किया है।

भारतीय गेंदबाज ने पिछले साल बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार मैचों में छाप छोड़ी। अर्शदीप ने 2024 में 18 टी20 मैचों में 36 विकेट चटकाए। वह सबसे छोटे फॉर्मेट भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। सिर्फ चार खिलाड़ियों ने कैलेंडर वर्ष में अर्शदीप से ज्यादा टी20 इंटरनेशनल विकेट लिए। उनसे आगे सऊदी अरब के उस्मान नजीब, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा , यूएई के जुनैद सिद्दीकी और हॉन्ग कॉन्ग के एहसान खान रहे।

अमेरिका में हुए टी20 विश्व कप में अर्शदीप ने पावरप्ले और अंतिम ओवरों की गेंदबाजी अपनी महारत दिखाई। टूर्नामेंट के अंत में वह अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने आठ मैचों में 12.64 की औसत से 17 विकेट लिए। उनके शानदार प्रदर्शन से भारत ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की नाटकीय जीत दर्ज की जिसमें उन्होंने 20 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने दक्षिण अफ्रीक के कप्तान एडेन मार्करम को जल्दी आउट किया और फिर क्विंटन डी कॉक को आउट करके बड़ी साझेदारी बनने से रोका। अर्शदीप ने अंतिम ओवर में गेंदबाजी करते हुए सिर्फ चार रन दिए जिससे हार्दिक पंड्या के लिए काम आसान हो गया।

अर्शदीप 2024 में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, उन्होंने 18 मैचों में 15.31 के औसत से 36 विकेट झटके। इस साल उन्होंने टी20 विश्व कप के संयुक्त मेजबान अमेरिका के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नौ रन देकर चार विकेट झटके। अर्शदीप 97 विकेट लेकर भारत के लिए इस प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

मैडिसन कीज बनीं ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन, फाइनल में सबालेंका को हराया

मेलबर्न (एजेंसी)। अमेरिका की 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 का महिला सिंगल्स का खिताब जीत लिया। इस दौरान उन्होंने महिला रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी अरीना सबालेंका को हराया। हालांकि, इस मैच को सभी को उम्मीद थी कि सबालेंका खिताब जीतने में कामयाब होंगी लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी मैडिसन ने बड़ा उलटफेर करने के साथ तीन सेट में मुकाबले को अपने नाम कर दिया।

इस मैच में सबालेंका ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में वापसी तो की लेकिन तीसरे और निर्णायक सेट को मैडिसन ने जीतने के साथ अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल भी जीता। मैडिसन कीज और अरीना सबालेंका के बीच खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 महिला सिंगल्स ग्रैंड स्लैम फाइनल मुकाबले को लेकर बात की जाए तो उसमें पहले सेट को मैडिसन ने 6-3 से अपने नाम किया वहीं इसके बाद दूसरे सेट में अरीना सबालेंका ने शानदार वापसी करने के साथ उसे 6-2 से जीता।

अब 1-1 से मैच बराबरी पर आने के बाद सभी फैंस की नजरें तीसरे और निर्णायक सेट पर थी जिसमें मैडिसन ने फिर से वापसी करने के साथ इस रोमांचक सेट को 7-5 से जीता और अरीना साबलेंका का तीसरी बार खिताब जीतने का सपना भी तोड़ दिया। अगर सबालेंका ऐसा करने में कामयाब होती तो वह साल 1997 से 1999 में मार्टिना हिंगिस के बाद पहली महिला खिलाड़ी होती जो मेलबर्न पार्क में लगातार तीन बार ऑस्ट्रेलियन ओपन को अपने नाम करती।

वहीं अमेरिका की खिलाड़ी ने जीत दर्ज करते ही अपना चेहरा अपने हाथों से ढक लिया, फिर हाथों को ऊपर उठा का जश्न मनाया। उन्होंने इसके बाद अपने पति और कोच (2023 से) ब्योर्न फ्रैटांगेलो और टीम के अन्य सदस्यों को गले लगाया। सबालेंका ने कीज को बधाई देने के बाद अपने टेबल के पास जाकर रैकेट को जोर से जमीन पर पटका और अपनी भावनाओं को छिपाने के लिए सफेद तौलिये से चेहरा ढक लिया। अमेरिकी ओपन 2015 में फ्लाविया पेनेटा के 33 साल की उम्र में चैम्पियन बनने के बाद कीज सबसे उम्रदराज महिला ग्रैंड स्लैम चैम्पियन हैं। कीज अपने 46वें ग्रैंड स्लैम में चैम्पियन बनी।

शानदार फार्म में चल रहे अर्जुन तेंदुलकर को गोवा ने कर दिया ड्रॉप... उठे सवाल

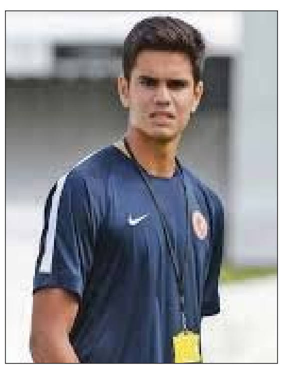

नई दिल्ली (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी को अब दो भागों में बांटा गया है। एलीट और प्लेट के मुकाबले अब अलग-अलग होते हैं। प्लेट ग्रुप में गोवा के साथ अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर की टीम है। गोवा और नागालैंड की टीम फाइनल में पहुंची है। दीमापुर के नागालैंड क्रिकेट स्टेडियम पर खिताबी मुकाबला हो रहा है। इस मुकाबले में गोवा ने चौंकाने वाले फैसला लेकर अर्जुन तेंदुलकर को ड्रॉप कर दिया।

अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी प्लेट के ग्रुप मुकाबलों में अच्छी गेंदबाजी की थी। सिर्फ 4 मैचों में उन्होंने 16 बल्लेबाजों को पवेलियन पहुंचाया था। उनका औसत 18 और स्ट्राइक रेट 36 का रहा। वे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-10 गेंदबाजों में भी शामिल हैं। टॉप-10 में सिर्फ एक ही गेंदबाज का स्ट्राइक रेट अर्जुन से ठीक रहा। अरुणाचल के खिलाफ आखिरी मैच में उन्होंने 25 रन देकर 5 झटके थे। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह अर्जुन का बेस्ट प्रदर्शन भी है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में अर्जुन स्ट्रगल कर रहे थे। दोनों ही टूर्नामेंट में उन्हें 3-3 मैच खेलने का ही मौका मिला। इस दौरान उन्हें 5 विकेट मिला और इसमें 3 एक ही मुकाबले में थे।

अर्जुन ने अभी तक 17 फर्स्ट क्लास मैच में 27, 18 लिस्ट ए मैच में 25 जबकि 24 टी20 में 27 विकेट लिए हैं। अपने डेब्यू फर्स्ट क्लास मैच में उन्होंने शतक भी लगाया था। रणजी ट्रॉफी प्लेट के फाइनल में गोवा और नागालैंड के बीच कड़ी टक्कर देने को मिल रही है। पहली पारी में गोवा की टीम ने 276 रन बनाए। जदीशन सुचित ने 4 विकेट झटके। कप्तान जोनाथन आर की 86 रनों की पारी की मदद से नागालैंड ने भी 216 रन बना लिए।

आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए न्यूजीलैंड को सीधा प्रवेश

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए सीधा प्रवेश किया है। यह तय हुआ जब बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज का मैच हार गई। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश दोनों ने 10 टीमों की प्रतियोगिता में 21-21 अंक बनाए, लेकिन न्यूजीलैंड ने ज्यादा मैच (9) जीतने के कारण सीधी जगह बनाई, जबकि बांग्लादेश ने 8 मैच जीते थे। टूर्नामेंट में हर टीम ने 8 सीरीज खेली 4 अपने देश में और 4 बाहर के देशों में। भारत (मेजबान) और शीर्ष 5 अन्य टीमों ने वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई किया है। नीचे की चार टीमों को क्वालिफायर टूर्नामेंट के जरिए मौका मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया ने 39 अंकों के साथ चैंपियनशिप जीती। भारत 37 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इंग्लैंड (32), दक्षिण अफ्रीका (25), और श्रीलंका (22) भी सीधे वर्ल्ड कप में पहुंचीं।

बांग्लादेश (21), वेस्टइंडीज (18), पाकिस्तान (17) और आयरलैंड (आठ) 31 अक्टूबर, 2024 तक दो अन्य सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीमों स्कॉटलैंड और थाईलैंड के साथ विश्व कप क्वालीफायर में शामिल हो जाएंगे। क्वालीफायर के विवरण की घोषणा आगे होगी।

क्वालीफायर के माध्यम से दो स्थान हासिल करने की संभावना है। 2025 में महिला वनडे वर्ल्ड कप भारत में होगा। यह पांचवीं बार है जब भारत इसकी मेजबानी करेगा। इसके पहले भारत में आखिरी बार 2016 में महिला टी20 वर्ल्ड कप हुआ था। इस बार भी वर्ल्ड कप का फॉर्मेट 2022 जैसा रहेगा, जिसमें 8 टीमें कुल 31 मैच खेलेंगी।

वाइटैलिटी ब्लास्ट और हंड्रेड के साथ टकराने वाले किसी टूर्नामेंट में नहीं खेल सकेंगे खिलाड़ी : ईसीबी

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि खिलाड़ियों को वाइटैलिटी ब्लास्ट और द हंड्रेड के साथ टकराने वाले किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीबी के अनुसार नई नीति के तहत जो खिलाड़ी अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट नहीं खेलते हैं उन्हें भी इंग्लिश घरेलू व्हाइट-बॉल खेलों को मिस करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीबी के मुख्य अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा कि हमें अपने खेल और अपनी प्रतियोगिताओं की मजबूती को बनाये रखने की आवश्यकता है। इसके साथ ही कहा कि अब खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा कोई अन्य लीग भी नहीं खेल पायेंगे। साथ ही कहा कि उसके खिलाड़ी अब पाकिस्तान सुपर लीग में नहीं खेल पाएंगे। इसका कारण है कि ईसीबी ने अपनी खिलाड़ियों के इस लीग में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ईसीबी के अनुसार पीएसएल के समय ही देश में घरेलू सत्र भी चलता है। ऐसे में खिलाड़ियों की उपलब्धता में आ रही परेशानी को दूसरे करने के लिए ईसीबी ने अपने खिलाड़ियों के उस समय कहीं और खेलने पर रोक लगा दी है। आईपीएल पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होता है।

हैरी ब्रूक विश्व क्रिकेट में काफी आगे जाएंगे : कार्तिक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रहे दिनेश कार्तिक ने कहा है कि विश्व क्रिकेट के अगले सितारे शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल नहीं बल्कि इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक होंगे। हैरी ने पदार्पण के बाद से ही कई अच्छी पारियां खेली हैं। कार्तिक के अनुसार जिस तरह से हैरी खेल रहे हैं उसे देखकर लगता है कि वो विश्व क्रिंकेट में काफी आगे जा सकते हैं। इस पूर्व विकेटकीपर ने कहा , मेरे लिए, ब्रूक युवा पीढ़ी के सबसे खास खिलाड़ियों में से एक हैं, और निश्चित रूप से, जब वह अपना टेस्ट करियर खत्म करेंगे, तो उसे ऐसे खिलाड़ी के रूप में जाना जाएगा जिसने शानदार प्रदर्शन किया है और उन खिलाड़ियों में शामिल होंगे जो ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की श्रेणी में आते हैं. उसके पास एक बेहतरीन फ्री-फ्लोइंग बल्लेबाजी तकनीक है। कार्तिक ने साथ ही कहा, सबसे अहम बात, उसके पास एक ऐसा दिमाग है जो उसे बहुत सरल बनाये रखता है। इसलिए, वह बिना किसी संदेह के शीर्ष स्तर पर जा सकते हैं. ब्रूक ने डेब्यू के बाद से ही अब तक 24 टेस्ट मैचों में 2281 रन बनाये हैं। लाल गेंद प्रारुप में ब्रूक ने अपनी बल्लेबाजी से विश्व क्रिकेट को चौंकाया है। यही कारण है कि कार्तिक के अलावा कई पूर्व दिग्गज भी भविष्य का सितारा मानते हैं. ब्रूक ने अपने टेस्ट करियर में अब तक 8 शतक और 10 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं एकदिवसीय में उनके नाम एक शतक है। वहीं टी-20 अंतरराष्ट्रीय में तीन अर्धशतक शामिल है।

मुसीबत जारी, ऋषभ पंत का खराब प्रदर्शन, दिल्ली 2 दिन में हारी

खेल डैस्क। रणजी ट्रॉफी के तहत राजकोट के मैदान पर सौराष्ट्र के खिलाफ खेले गए मुकाबले को दिल्ली ने 2 दिन में ही गंवा दिया है। सौराष्ट्र के लिए रविंद्र जडेजा हीरो बनकर उभरे। उन्होंने पहली पारी में 5 तो दूसरी में 7 विकेट चटकाए जिससे दिल्ली को शर्मनाक हार झेलने को मजबूर होना पड़ा। दिल्ली के लिए यह मैच अहम था क्योंकि इसमें ऋषभ पंत ने लंबे समय बाद वापसी की थी लेकिन पंत पहली पारी में 1 तो दूसरी पारी में महज 17 रन ही बना पाए। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऋषभ से क्रिकेट फैंस को काफी उम्मीदें थीं लेकिन वह वहां पर बड़ा प्रदर्शन नहीं कर पाए।

ऋषभ पंत जब क्रीज पर आए तो उनके खिलाफ सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने स्पिन का जाल बिछा दिया। जडेजा को युवराज सिंह डोडिया, धर्मेंद्र जडेजा और रवींद्र जडेजा ने गेंदबाजी की। पंत ने युवराज की गेंदों पर 8 गेंदो में 8 रन बनाए। धर्मेंद्र जडेजा की गेंद पर वो 3 गेंद में 1 रन बनाने में कामयाब रहे। रवींद्र जडेजा के खिलाफ पंत ने एक चौका लगाया लेकिन यही अनुभवी गेंदबाज उन्हें फंसाने में कामयाब रहा। जडेजा पूरे मैच में छाए रहे। उनकी घूमती गेंदों के आगे दिल्ली के बल्लेबाज टिक ही नहीं पाए। दिल्ली की पूरी टीम 75 ओवरों के अंदर ही दो बार ऑलआऊट हो गई। पंत का प्रदर्शन देखने आए क्रिकेट फैंस खासा निराश भी दिखे।

बता दें कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में क्रिकेट फैंस को पंत से बड़ी पारियों की उम्मीद थी लेकिन वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। पहले तीन टेस्ट की 5 पारियों में 37, 1, 21, 28 और 9 के स्कोर बनाए थे। अपने आक्रामक दृष्टिकोण के लिए जाने जाने वाले पंत ने इस सीरीज के दौरान भी अक्सर मैच की स्थिति की परवाह किए बिना आक्रामक शॉट्स को प्राथमिकता दी। एडिलेड डे-नाइट टेस्ट में अपनी पारी की पहली ही गेंद पर उन्होंने तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को छक्का जड़ा दिया था। फिर चौथे टेस्ट में जब टीम इंडिया को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी तो वह बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में आऊट हो गए। उनकी विकेट गिरते ही पूर्व क्रिकेट कप्तान सुनील गावस्कर भी उन्हें स्टुपिड बोलते नजर आए थे।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पुजारा ने गहरी छाप छोड़ी

नई दिल्ली । भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में अपनी गहरी छाप छोड़ी है। चेतेश्वर पुजारा आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं, उनका जन्म 25 जनवरी को गुजरात के राजकोट में हुआ था। क्रिकेट पुजारा के पिता अरविंद पुजारा और चाचा बिपिन पुजारा दोनों ही सौराष्ट्र के लिए रणजी ट्रॉफी में खेल चुके हैं। हालांकि, 2005 में मात्र 17 साल की उम्र में पुजारा ने अपनी मां रीना पुजारा को कैंसर के कारण खो दिया। इस व्यक्तिगत त्रासदी के बावजूद, पुजारा ने क्रिकेट के मैदान पर अपनी दृढ़ता और प्रतिबद्धता से खुद को साबित किया। उन्होंने भारत के लिए 103 टेस्ट मैच खेले हैं और 7000 से अधिक रन बनाए हैं। घरेलू क्रिकेट में उनकी सफलता ने उन्हें सौराष्ट्र की रीढ़ बना दिया है। रणजी ट्रॉफी 2017-18 में उन्होंने केवल चार मैचों में 437 रन बनाए थे। 2019-20 सीजन में अपना 50वां फर्स्ट क्लास शतक लगाकर उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। चेतेश्वर पुजारा का जीवन क्रिकेट से ही जुड़ा है। उनकी कुल संपत्ति लगभग 24 करोड़ रुपये है। भले ही वह आईपीएल का हिस्सा नहीं हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिलहाल मौका नहीं मिल रहा, लेकिन उनकी मासिक आय करीब 15 लाख रुपये है। यह आय घरेलू क्रिकेट और विज्ञापन अभियानों से होती है। पुजारा के पास ऑडी और फोर्ड जैसी लग्जरी कारें हैं, हालांकि उनका कार कलेक्शन बहुत बड़ा नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में उन्हें मौका मिलने की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। उनकी अनुपस्थिति में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में कई बार संघर्ष करते हुए देखा गया है, जो उनकी उपयोगिता को रेखांकित करता है। चेतेश्वर पुजारा केवल एक बल्लेबाज नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट के दीवार हैं, जिन्होंने अपने धैर्य और दृढ़ता से क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में खास जगह बनाई है। पुजारा फिलहाल भारतीय टीम से बाहर हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनके निरंतर अच्छे प्रदर्शन के कारण उनकी वापसी की संभावनाओं को खारिज नहीं किया जा सकता।

अब क्रिकेट और हो जाएगा रोचक, एक गेंद पर दो विकेट

-बीबीएल बना रहा, डबल प्ले रन-आउट और नामित हिटर वाला नियम

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के टी20 टूर्नामेंट बिग बैश लीग के आगामी सीजन में डबल प्ले रन-आउट और नामित हिटर जैसे नए नियम आ सकते हैं जिससे मैचों को और रोचक बनाया जा सके। एक रिपोर्ट में कहा गया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कई स्रोतों ने पुष्टि की है कि बीबीएल15 के लिए कई अहम नियमों में परिवर्तन के लिए उच्च-स्तरीय चर्चा हुई थी। यदि दो बल्लेबाज अपनी क्रीज से बाहर हैं तो डबल-प्ले नियम के तहत दोनों छोर से बेल्स को हटाया जा सकता है। यह एक साहसिक बदलाव होगा जिसके लिए खिलाड़ियों और प्रसारकों की सहमति की जरुरत होगी।

इसके अलावा नामित हिटर नियम होगा, जिसके तहत विरोधी टीमों को एक खिलाड़ी को नामांकित करने की अनुमति होगी जो केवल बल्लेबाजी करेगा वह क्षेत्ररक्षण नहीं कर सकेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हितधारकों के साथ आधिकारिक परामर्श अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन कुछ बेहतरीन क्रिकेटर काम के बोझ को कम करके प्रतियोगिता की गुणवत्ता में सुधार करके प्रीमियर टूर्नामेंट को और बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

एक और नई खोज की जा रही है, जिसमें एक छोर से 12 गेंदें फेंकने वाली टीमों के साथ अंतिम बदलावों की संख्या आधी कर दी है और कप्तान के पास एक ही गेंदबाज को लगातार 12 गेंदें फेंकने की इजाजत देने का ऑप्शन होगा। सिडनी सिक्सर्स के बल्लेबाज जॉर्डन सिल्क से जब पूछा गया कि क्या तेज गेंदबाजों के लिए 12 गेंदें फेंकना ज्यादा बोझ होगा, तो उन्होंने कहा वे नेट्स में ऐसा करते हैं। यह एक दुर्लभ घटना हो सकती है जहां आप इसे घटित होते देखेंगे।

शनि ट्रॉफी में क्रिकेटरों का रोमांचक मिक्सअप देखने को मिलेगा

नई दिल्ली। फरवरी 2025 में लखनऊ में होने वाले शनि ट्रॉफी में स्पिनर युजवेंद्र चहल, बल्लेबाज रियान पराग और ऑलराउंडर राहुल तेवतिया हिस्सा लेंगे। शनि ट्रॉफी में रिटायर्ड दिग्गज, मौजूदा रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और राज्य स्तरीय क्रिकेटरों का रोमांचक मिक्सअप देखने को मिलेगा। इसमें भारतीय क्रिकेट की बेहतरीन प्रतिभाएं एक ही मंच पर नजर आएंगी। शनि ट्रॉफी में 10 प्रतिस्पर्धी टीमें होंगी, जो 25 ओवर के अनोखे फॉर्मेट में मुकाबला करेंगी। हर दिन दो मैच खेले जाएंगे, एक सुबह और दूसरा दोपहर/शाम के सत्र में, जिससे फैंस को लगातार एक्शन देखने को मिलेगा। इस इवेंट की प्रतिष्ठा को और बढ़ाते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर और पूर्व बीसीसीआई चयनकर्ता चेतन शर्मा को शनि ट्रॉफी का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया है। इसके अलावा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आधिकारिक रूप से इस टूर्नामेंट को मंजूरी दे दी है। टूर्नामेंट के बारे में बात करते हुए शनि ट्रॉफी के अध्यक्ष और दिव्या फ्यूचर स्पोर्ट्स के प्रबंध निदेशक श्री सुमित शुक्ला ने कहा, 'हम उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ लखनऊ के साथ मिलकर इस अनोखे फॉर्मेट को जीवंत करने के लिए उत्साहित हैं।

वरुण चक्रवर्ती ने माना- आईपीएल से ज्यादा मुश्किल है सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने शुक्रवार को कहा कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का स्तर आईपीएल के बराबर है और क्रिकेटरों को टी20 प्रारूप में अपना खेल बेहतर करने के लिए और घरेलू टूर्नामेंट खेलना चाहिए। चक्रवर्ती ने कोलकाता में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में तीन विकेट लेकर भारत की जीत में अहम योगदान दिया था। उन्होंने दूसरे मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि घरेलू क्रिकेट का स्तर काफी ऊंचा है। मैं कहूंगा कि आईपीएल या बाकी अंतरराष्ट्रीय मैचों के बराबर। मैं सभी को सलाह दूंगा कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलें क्योंकि हम छोटे मैदानों पर खेलते हैं। यह काफी चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुझे सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट खेलना काफी कठिन लगता है। इसे खेलने से मेरे प्रदर्शन में सुधार आया है।

चक्रवर्ती ने इस सत्र में विजय हजारे ट्रॉफी में 18 विकेट लिए और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सात मैचों में 9 विकेट चटकाए। टी20 क्रिकेट में अपनी तैयारियों के बारे में उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं बल्लेबाजों के वीडियो देखता हूं कि वे शुरू में कैसे शॉट खेलते हैं और बाद में कैसे। उन्होंने कौन से नए शॉट खेलना शुरू किया है। मैं यह सब विश्लेषण करता हूं। उन्होंने कहा कि पिच को देखते हुए कुछ शॉट चलते हैं और कुछ नहीं। यह सब ध्यान में रखकर मैं तैयारी करता हूं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिये उन्हें तीन साल इंतजार करना पड़ा लेकिन उन्होंने दिल छोटा नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब 2021 में मुझे बाहर किया गया तो मुझे अपने खेल के मानसिक पहलू और तकनीक पर काम करने का काफी मौका मिला। मैंने अपनी गेंदबाजी में काफी बदलाव किया। अब मैं हर मौके का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि जीजी (गौतम गंभीर) और सूर्या (कुमार यादव) यह सुनिश्चित करते हैं कि खिलाड़ियों पर बाहरी दबाव नहीं हो। वे बाहर की आवाजों को भीतर नहीं आने देते।

संक्षिप्त समाचार

शी चिनफिंग वसंत त्योहार से पहले उत्तर पूर्वी चीन के बाढ़ ग्रस्त लोगों से मिले

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 22 जनवरी को शीत लहर के बीच उत्तर पूर्वी चीन के ल्याओनिंग प्रांत के हुलुताओ शहर के चुच्याको नामक गांव जाकर पिछले साल बाढ़ ग्रस्त लोगों को देखा और उनका अभिवादन किया। ध्यान रहे चीन का सबसे बड़ा त्योहार वसंत त्योहार इस साल के 29 जनवरी को होगा। शी ने बाढ़ आपदा के बाद पुनर्निर्माण की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों के नए मकानों में जाकर मकानों की गुणवत्ता और रोजमर्रा के जीवन की गारंटी स्थिति की जानकारी ली। पिछले अगस्त में मूसलाधार वर्षा से हुलुताओ शहर को बड़ा नुकसान पहुंचा। चुच्याको सबसे गंभीर रूप से प्रभावित गांवों में से एक है। गांव की 1100 मु (1मु 0.0667 हेक्टेयर के बराबर है) खेती योग्य भूमि पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुई और 51 किसानों के मकान नष्ट हुए। पुनर्निमाण परियोजना 9 सितंबर 2024 को शुरू हुई और 20 अक्टूबर को पूरी हो गई।

25 पांडा शावक पहली बार सामने आए

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रीय पांडा संरक्षण और अनुसंधान केंद्र में गुरुवार को 25 पांडा शावक पहली बार सामने आए। उन सभी का जन्म वर्ष 2024 में हुआ। पांडा शावकों ने दुनियाभर के लोगों को चीनी नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। बताया जाता है कि इन 25 पांडा शावकों में 13 चीनी पांडा संरक्षण और अनुसंधान केंद्र से हैं और अन्य 12 छंगतू पांडा प्रजनन अनुसंधान केंद्र से हैं। इस बार का चीनी नववर्ष वसंतोत्सव के यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल होने के बाद मनाया जाने वाला पहला वसंतोत्सव है। 13 पांडा शावक पारंपरिक चीनी व्यंजन और पेपर काटिंग, लालटेन व सांप के आकार की मूर्तियों से सुसज्जित कार्यक्रम स्थल में खुशी से खेलते हैं। कार्यक्रम स्थल में तैयार अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और चीनी पारंपरिक तत्व न सिर्फ पांडा शावकों का ध्यान आकर्षित हुआ, बल्कि दर्शकों ने भी परंपरागत चीनी संस्कृति का आकर्षण महसूस किया। इससे मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्यपूर्ण अस्तित्व की अभिलाषा दिखाई गई। गौरतलब है कि चीन के राष्ट्रीय पांडा संरक्षण और अनुसंधान केंद्र की स्थापना नवंबर 2023 में हुई। इसका उद्देश्य विश्व स्तरीय पांडा संरक्षण और अनुसंधान मंच तैयार कर पांडा का विविध विकास बढ़ाना है।

तुर्की के स्की रिजॉर्ट में आग की घटना में मरने वालों की संख्या 78 हुई

अंकारा, एजेंसी। तुर्की के उत्तर-पश्चिमी बोलू प्रांत स्थित कार्तलकाया स्की रिजॉर्ट में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है। देश के न्याय मंत्री यिलमाज तुनक ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। इस घटना के सिलसिले में 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। तुनक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि जिन लोगों को हिरासत में लिया गया है, उनमें उप महापौर, अग्निशमन प्रमुख और होटल के मालिक तथा प्रबंधक शामिल हैं। मामले की जांच जारी है। बारह मंजिला इस होटल में मंगलवार सुबह आग लग गई थी। चौथी मंजिल पर स्थित एक रेस्टोरेंट में यह आग लगी थी जो धीरे-धीरे ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने बुधवार को राष्ट्रीय शोक दिवस की घोषणा की। कैबिनेट बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में एर्दोगन ने कहा, इस घटना के पीछे जो भी दोषी हैं, जिनकी लापरवाही पाई जाएगी, उन्हें कानून के सामने जवाबदेह ठहराया जाएगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने बताया कि 17 घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है तथा अन्य घायलों का उपचार जारी है, जिनमें से एक को गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में रखा गया है। होटल में 238 मेहमानों के ठहरने की व्यवस्था थी। कार्तलकाया इस्तांबुल से लगभग 300 किलोमीटर पूर्व में कोरोग्लू पहाड़ों में एक लोकप्रिय स्की रिजॉर्ट है। बोलू उत्तरी तुर्की का एक शहर और बोलू प्रांत तथा बोलू जिले का प्रशासनिक केंद्र है, जो इस्तांबुल और अंकारा के बीच राजमार्ग पर स्थित है। बोलू शहर के केंद्र से 38 किलोमीटर दूर कोरोग्लू पहाड़ों की चोटी पर स्थित, स्की और माउंटेन होटल 60,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। यह तुर्की के प्रमुख शीतकालीन पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां स्की सीजन के दौरान हजारों आगंतुक आते हैं।

ट्रम्प के जन्मजात नागरिकता खत्म करने के आदेश पर रोक: कोर्ट ने 14 दिन का स्टे लगाया

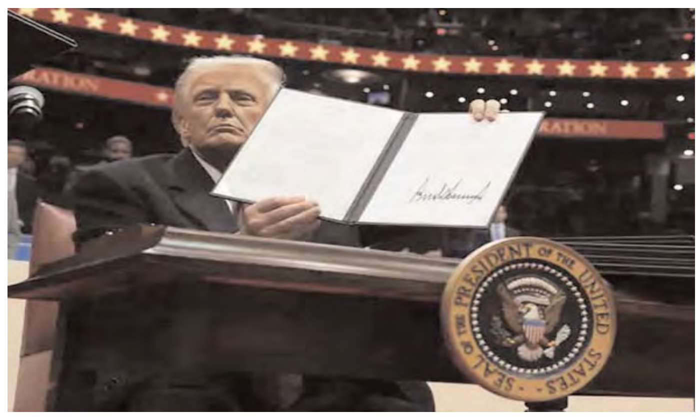

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के जन्मजात नागरिकता अधिकार समाप्त करने के फैसले पर 14 दिनों के लिए रोक लगा दी। फेडरल कोर्ट के जज जॉन कफनौर ने वॉशिंगटन, एरिजोना, इलिनोइस और ओरेगन राज्य की याचिका पर यह फैसला सुनाया। सीएनएन के मुताबिक बहस के दौरान जस्टिस डिपार्टमेंट के वकील को टोकते हुए जज जॉन कफनौर ने पूछा- इस आदेश को संवैधानिक कैसे मान सकते हैं। यह दिमाग चकरा देने वाला है। यह साफतौर पर असंवैधानिक आदेश है। जज कफनौर ने कहा कि वो 40 साल से भी ज्यादा समय से बेंच पर हैं, लेकिन उन्हें ऐसा कोई दूसरा मामला याद नहीं है, जिसमें केस स्पष्ट रूप से इतना असंवैधानिक हो। मुझे यह समझने में परेशानी हो रही है कि कोई कोई वकील कैसे कह सकता है कि यह आदेश संवैधानिक है। मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी को होगी। बता दें कि ट्रम्प ने अपने शपथ ग्रहण वाले दिन यानी 20 जनवरी को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर बर्थ राइट सिटीजनशिप पर रोक लगा दी थी। इससे हर साल 1.5 लाख नवजातों की नागरिकता पर संकट आ गया। इस आदेश को लागू करने के लिए 30 दिन यानी 19 फरवरी तक का समय दिया गया है। दावा- ट्रम्प के पास संवैधानिक अधिकार नहीं ट्रम्प के इस फैसले के बाद मंगलवार को 22 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने दो फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में इसके खिलाफ मुकदमा दायर कर आदेश को रद्द करने के लिए कहा था। अमेरिका उन 30 देशों में से एक है जहां जन्मजात नागरिकता या जूस सोली (मिट्टी का अधिकार) का सिद्धांत लागू होता है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इन राज्यों ने तर्क दिया था कि 14वें संशोधन के तहत मिलने वाली जन्मजात नागरिकता पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रपति और कांग्रेस (संसद) के पास संवैधानिक अधिकार नहीं हैं। न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल मैथ्यू प्लैटकिन का कहना था कि राष्ट्रपति शक्तिशाली होते हैं, लेकिन वो राजा नहीं हैं। वे कलम के एक झटके से संविधान को फिर से नहीं लिख सकते। अमेरिका में बढ़े जन्मजात नागरिकता के मामले 1965 में अमेरिकी गृहयुद्ध खत्म होने के बाद, जुलाई 1868 में अमेरिकी संसद में 14वें संशोधन को मंजूरी दी गई थी। इसमें कहा गया था कि देश में पैदा हुए सभी अमेरिकी नागरिक हैं। इस संशोधन का मकसद गुलामी के शिकार अश्वेत लोगों को अमेरिकी नागरिकता देना था। हालांकि, इस संशोधन की व्याख्या इस प्रकार की गई है कि इसमें अमेरिका में जन्में सभी बच्चों को शामिल किया जाएगा, चाहे उनके माता-पिता का इमिग्रेशन स्टेट्स कुछ भी हो। इस कानून का फायदा उठाकर गरीब और युद्धग्रस्त देशों से आए लोग अमेरिका आकर बच्चों को जन्म देते हैं। ये लोग पढ़ाई, रिसर्च, नौकरी के आधार पर अमेरिका में रुकते हैं। बच्चे का जन्म होते ही उन्हें अमेरिकी नागरिकता मिल जाती है। नागरिकता के बहाने माता-पिता को अमेरिका में रहने की कानूनी वजह भी मिल जाती है। अमेरिका में यह ट्रेंड काफी लंबे समय से जोरों पर है। आलोचक इसे बर्थ टूरिज्म कहते हैं। प्यू रिसर्च सेंटर की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक 16 लाख भारतीय बच्चों को अमेरिका में जन्म लेने की वजह से नागरिकता मिली है। ट्रम्प के आदेश से 3 स्थितियों में नहीं मिलती नागरिकता ट्रम्प ने जिस एग्जीक्यूटिव ऑर्डर से जन्मजात नागरिकता कानून को खत्म किया है उसका नाम 'प्रोटेक्टिंग द मीनिंग एंड वैल्यू ऑफ अमेरिकन सिटिजनशिप' है। यह आदेश 3 परिस्थितियों में अमेरिकी नागरिकता देने से इनकार करता है। अमेरिकी संविधान का 14वां संशोधन जन्मजात नागरिकता का अधिकार देता है। इसके जरिए ही अमेरिका में रहने वाले अप्रवासियों के बच्चों को भी नागरिकता का अधिकार मिलता है। अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने वाला बिल पास दूसरी तरफ अमेरिकी संसद में बुधवार को ट्रम्प की पार्टी को पहली विधायी जीत मिली है। अमेरिकी संसद कांग्रेस ने एक बिल को मंजूरी दे दी है। इसके तहत बिना अनुमति देश में घुसने वाले और कुछ अपराधों के आरोप में पकड़े गए अप्रवासियों को हिरासत में लेकर डिपोर्ट करना जरूरी होगा। इस बिल का नाम जॉर्जिया राज्य के 22 साल छात्र के नाम पर लेकेन रिले एक्ट रखा गया है। पिछले साल वेनेजुएला के एक अवैध प्रवासी ने इस छात्र की रनिंग करते समय हत्या कर दी गई थी। इस मामले के बाद अमेरिका में अवैध प्रवासियों को लेकर एक बार फिर से बहस तेज हो गई थी।

दुष्कर्म के बदले दिए थे 50 हजार डॉलर, नामित रक्षा मंत्री ने स्वीकारा, रिपब्लिकन पार्टी में दिखी दरार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रक्षा मंत्री पद के लिए नामित पीट हेगसेथ की मुश्किलें बढ़तीं नजर आ रही हैं। दरअसल पीट हेगसेथ ने एक सीनेटर के सामने यह स्वीकारा है कि साल 2017 में एक महिला से दुष्कर्म के मामले में उसने पीड़िता को 50 हजार डॉलर का भुगतान किया था। ट्रंप ने हेगसेथ को नया रक्षा मंत्री बनाने का एलान किया था। हालांकि हेगसेथ पर कई गंभीर आरोप लगे हैं, ऐसे में सीनेट से उनके नाम की मंजूरी मिलना मुश्किल लग रहा है।

पीट ने स्वीकारी 50 हजार डॉलर देने की बात : पीट हेगसेथ ने मैसाच्युसेट्स से डेमोक्रेटिक सीनेटर एलिजाबेथ वारेन से बताया था कि उन्होंने 2017 के दुष्कर्म मामले में पीड़िता को 50 हजार डॉलर का भुगतान किया था। हालांकि हेगसेथ के वकील ने इस पर कोई भी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। हेगसेथ ने भी कुछ भी गलत करने के आरोपों से इनकार किया है। बीते हफ्ते रक्षा मंत्री पद पर नियुक्ति के लिए पीट हेगसेथ ने सीनेटर्स से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान भी हेगसेथ ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया था। हेगसेथ पर बहुत ज्यादा शराब पीने और अपनी दूसरी पत्नी से गाली गलौज करने का भी आरोप है। हालांकि इन आरोपों से भी हेगसेथ ने इनकार किया था। हेगसेथ पर आरोप है कि उन्होंने साल 2017 में कैलिफोर्निया के एक होटल में एक महिला से दुष्कर्म किया था। बीते साल नवंबर में जांच रिपोर्ट से इसका खुलासा हुआ था। रिपोर्ट में ये नहीं कहा गया है कि हेगसेथ पर लगे आरोप गलत हैं, लेकिन इस मामले को मोनेट्री काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय में समीक्षा के लिए भेजा गया है। हेगसेथ के नामांकन को लेकर सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी में भी दरार दिखी है।

जॉन एफ कैनेडी और मार्टिन लूथर किंग की हत्या का खुलेगा राज, राष्ट्रपति ट्रंप ने फाइलें सार्वजनिक करने का दिया आदेश

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी, सीनेटर रॉबर्ट एफ कैनेडी और रेवरेंड डॉक्टर मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्याओं से संबंधित फाइलों को सार्वजनिक करने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी लोगों को सच जानने का हक है। डिटेल्ड डाक्यूमेंट शेयर करते हुए व्हाइट हाउस ने कहा, छह दशकों की गोपनीयता के बाद अमेरिकियों को सच्चाई से रूबरू कराना है। बयान में कहा गया, कार्यकारी आदेश यह नीति स्थापित करता है कि इन हत्याओं के 50 से अधिक वर्षों के बाद, पीड़ितों के परिवार और अमेरिकी लोग सच्चाई के हकदार हैं। कार्यकारी आदेश शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों को 15 दिनों के अंदर डॉक्यूमेंट को सार्वजनिक करने की योजना प्रस्तुत करने का निर्देश देता है। राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की 1963 में डलास में हत्या कर दी गई थी। उनके भाई रॉबर्ट एफ कैनेडी की कैलिफोर्निया में 1968 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ते समय हत्या कर दी गई थी। इसके मात्र दो महीने बाद अमेरिका के सबसे प्रसिद्ध नागरिक अधिकार नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर की मेम्फिस, टेनेसी में हत्या कर दी गई थी। आदेश में, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक और अन्य उपयुक्त अधिकारियों को जॉन एफ कैनेडी की हत्या के सभी रिकॉर्डों को पूरी तरह से जारी करने और 15 दिनों के अंदर एक योजना प्रस्तुत करने को कहा गया है।

पाक सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में 6 टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया

बलूचिस्तान, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा से बलूचिस्तान के झोब जिले में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे छह आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया. इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने गुरुवार को यह घोषणा की. डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, यह अभियान क्षेत्र में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों के बीच चल रही सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए चलाया गया था. आईएसपीआर के अनुसार कि 22 और 23 जनवरी की रात को, पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के माध्यम से घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे ख्वारिज के एक समूह की गतिविधि को सुरक्षा बलों ने झोब जिले के सामान्य क्षेत्र सांबाजा में पकड़ा. ख्वारिज शब्द प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को संदर्भित करता है. आईएसपीआर की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हमारे सैनिकों ने घुसपैठ की उनकी कोशिश को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया गया. रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन के दौरान हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों का एक बड़ा जखीरा भी बरामद किया. आईएसपीआर ने पाकिस्तान की लंबे समय से चली आ रही मांग को दोहराया कि अंतरिम अफगान सरकार आतंकवादी गतिविधियों के लिए अफगान धरती के इस्तेमाल को रोकने के लिए अपनी तरफ से प्रभावी सीमा प्रबंधन सुनिश्चित करे. बयान में कहा गया कि पाकिस्तान लगातार अंतरिम अफगान सरकार से सीमा के अपने हिस्से पर प्रभावी सीमा प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए कह रहा है. अंतरिम अफगान सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने दायित्वों को पूरा करे और ख्वारिज द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी कृत्यों को जारी रखने के लिए अफगान भूमि का उपयोग ना करने दे. बयान में आईएसपीआर ने कहा कि सेना जनता को पाकिस्तान की सीमाओं की सुरक्षा और आतंकवाद का

मुकाबला करने के लिए सेना की निरंतर प्रतिबद्धता का भी आश्वासन दिया. इसने कहा कि पाकिस्तान के सुरक्षा बल अपनी सीमाओं की सुरक्षा और देश से आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. झोब में ऑपरेशन पाकिस्तान में बढ़ते आतंकवाद का मुकाबला करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है. इस सप्ताह की शुरुआत में, आईएसपीआर ने खुलासा किया कि सुरक्षा बलों ने 11 जनवरी को झोब में आतंकवाद में शामिल एक अफगान नागरिक को मार गिराया था. डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के मुहम्मद खान अहमदखेल के रूप में पहचाने गए व्यक्ति को प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के बाद अफगान अधिकारियों को सौंप दिया गया. आईएसपीआर ने कहा कि ऐसी घटनाएं पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में अफगान नागरिकों की संलिप्तता के ठोस सबूत हैं. इस्लामाबाद ने बार-बार अफगान क्षेत्र के उपयोग पर चिंता जताई है. टीटीपी द्वारा पाकिस्तान में हमले शुरू करने की आशंका है. हालांकि, काबुल इन आरोपों से इनकार करता है, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में और तनाव पैदा होता है. सीमा पर लगातार होने वाली झड़पों और अनसुलझे सुरक्षा चिंताओं के कारण पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है. हाल ही में हुई एक बैठक में पाकिस्तानी सेना के नेतृत्व को इन मुद्दों को सुलझाने के लिए अफगानिस्तान के साथ बातचीत करने की सलाह दी गई. हालांकि, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) जनरल सैयद असीम मुनीर ने चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कहा कि वे हमारी बात नहीं सुनते हैं, अंतरिम अफगान सरकार को जारी की गई पिछली चेतावनियों के संदर्भ में. बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति ने पाकिस्तानी सेना द्वारा आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज कर दिया है. इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाक इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में आतंकवादी हमलों की आवृत्ति 2014 के स्तर के बराबर थी. रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि 2024 में 95 प्रतिशत हमले केपी और बलूचिस्तान में हुए. डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, केपी में सबसे अधिक 295 हमले हुए, जबकि बलूचिस्तान में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट जैसे गैरकानूनी विद्रोही समूहों द्वारा किए गए।

मस्क के सैल्यूट का नेतन्याहू ने किया बचाव, बोले उन्हें बदनाम किया जा रहा

यरुशलम , एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सलामी विवाद को लेकर टेस्ला के मालिक एलन मस्क का बचाव किया है। नेतन्याहू के मुताबिक टेक दिग्गज को बदनाम किया जा रहा है। नेतन्याहू ने गुरुवार को मस्क के स्वामित्व वाली सोशल मीडिया साइट एक्स पोस्ट में कहा, एलन इजरायल के बहुत अच्छे दोस्त हैं। मस्क को ट्रंप ने अमेरिकी सरकार के खर्च में कटौती करने का काम सौंपा है। टेक दिग्गज का पक्ष लेते हुए नेतन्याहू ने कहा कि मस्क ने नरसंहार करने वाले आतंकवादियों और एकमात्र यहूदी राज्य को खत्म करने की कोशिश करने वाले शासनों के खिलाफ इजरायल के खुद का बचाव करने के अधिकार का बार-बार और जोरदार तरीके से समर्थन किया है। उन्होंने हमास द्वारा 7 अक्टूबर, 2023 को किए गए हमले के बाद मस्क की इजरायल यात्रा का भी उल्लेख किया। उस यात्रा के बाद एक अलग विवाद हुआ था, जिसमें टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर यहूदी विरोधी होने का आरोप लगाया गया था। उस समय, मस्क ने यहूदी लोगों पर श्वेतों के प्रति घृणा

का आरोप लगाते हुए एक पोस्ट का समर्थन किया था, इसे वास्तविक सच्चाई कहा था। बाद में उन्होंने माफी भी मांगी थी। 2022 में उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यहूदी-विरोधी और नस्लवाद के अन्य रूपों को फैलाने का आरोप लगाया गया। नवंबर 2023 की यात्रा के दौरान मस्क ने नेतन्याहू के साथ हमास द्वारा हमला किए गए किबुत्ज का दौरा किया और इजरायली राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें बताया कि यहूदी-विरोधी भावना का मुकाबला करने में उन्हें बहुत बड़ी भूमिका निभानी है। मस्क ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद की शपथ लेने के बाद एक रैली में जिस अंदाज में लोगों को सैल्यूट किया वो चर्चा का विषय बन गया। उनका इशारा जर्मनी और इटली में फासीवादी नेताओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नाजी या रोमन सलामी से मिलता जुलता है। नेतन्याहू ने गुरुवार को एक्स पर कहा, एलन इजरायल के बहुत अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने 7 अक्टूबर के नरसंहार के बाद इजरायल का दौरा किया था, जिसमें हमास के आतंकवादियों ने यहूदी लोगों के खिलाफ होलोकॉस्ट के बाद सबसे भयानक अत्याचार किया था।

श्रीलंका में मंत्रियों की मनमानी अब नहीं चलेगी, सुविधाओं में कटौती का एलान; राष्ट्रपति ने लगाई मुहर

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को लेकर जारी विवाद के बीच राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने नया परिपत्र जारी किया है। इसके तहत श्रीलंकाई सरकार ने अपने मंत्रियों के लिए नए कड़े नियम बनाए हैं। इन नियमों का उद्देश्य मंत्रियों के लिए राजनीति में विशेषाधिकारों पर नियंत्रण और जवाबदेही बढ़ाना है। राष्ट्रपति अनुसार दिसानयके ने जारी किया परिपत्र गुरुवार को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके मंत्रियों के विशेषाधिकारों पर नियंत्रण के लिए एक परिपत्र जारी किया। इसमें बताया गया कि कैबिनेट और उप-मंत्रियों को सिर्फ दो सरकारी वाहनों तक सीमित कर दिया गया है। इसके अलावा, उनके पेट्रोल भत्ते, ऑफिस, आवासीय और मोबाइल फोन के खर्च पर नई सीमाएं भी लगाई गई हैं। कैबिनेट में कर्मचारियों की सीमा तय साथ ही जारी परिपत्र में मंत्रियों के लिए ऑफिस में कर्मचारियों की संख्यों को लेकर भी जिक्र किया गया। इसमें बताया गया कि कैबिनेट मंत्री के लिए 15 और उप-मंत्री के लिए 12 कर्मचारियों की सीमा तय की गई है। इसके अलावा, मंत्रियों के परिवार के सदस्य या करीबी रिश्तेदारों को महत्वपूर्ण सरकारी पदों पर नियुक्त करने की अनुमति नहीं होगी। राजपक्षे विवाद के बीच राष्ट्रपति का आदेश बता दें कि श्रीलंका सरकार द्वारा यह नियम विशेष रूप से पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को लेकर उठे विवाद के बीच आए हैं। राजपक्षे की सुरक्षा को दिसंबर में 300

से घटाकर 60 कर्मियों तक सीमित कर दिया गया था। साथ ही मामले में राष्ट्रपति दिसानायके ने आरोप लगाया कि राजपक्षे ने महंगे सरकारी आवास पर कब्जा किया है और कहा कि उन्हें उनका घर खाली करने और केवल पेंशन का एक तिहाई किराया देने को कहा जाएगा। विपक्ष का आरोप इस बयान के बाद विपक्ष ने दिसानायके पर आरोप लगाया कि वह राजपक्षे से राजनीतिक बदला लेने की कोशिश कर रहे हैं। मामले में विपक्ष का कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति को जो विशेषाधिकार दिए गए हैं, वे संविधान में दर्ज हैं, जबकि नई सरकार का कहना है कि यह उनके चुनावी वादे को लागू करने का हिस्सा है।

महिला बिशप की ट्रम्प से अपील- समलैंगिकों पर दया करें:ऐसी बातें न कहें कि पछताना पड़े

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प मंगलवार को राजधानी वॉशिंगटन के नेशनल कैथेड्रल चर्च में एक प्रार्थना में हिस्सा लिया था। रॉयटर्स के मुताबिक इस दौरान एपिस्कोपल बिशप राइट रेव मैरिएन एडगर बुडे ने ट्रम्प से समलैंगिक समुदाय और अवैध प्रवासियों पर दया करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने कहा ऐसी बातें न कहें जिसके लिए आपको पछताना पड़े। बिशप का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई ट्रम्प समर्थकों को गुस्सा उन फूट पड़ा। उन्होंने बिशप पर वामपंथी होने का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प की बेटी टिफनी ने कहा कि विशप के बयान को पागलपन बताया। वहीं ट्रम्प ने कहा कि उनका भाषण काफी उबाऊ और प्रेरणाहीन था। इसके बाद महिला बिशप ने टाइम मैगजीन को दिए गए इंटरव्यू में कहा- मैं माफी नहीं मांगने जा रही हूं। मैं राष्ट्रपति ट्रम्प से नफरत नहीं करती। मैं वामपंथी भी नहीं हूं। मैं दूसरों के लिए दया मांगने के लिए माफी नहीं मांगने जा रही हूं। कुछ लोगों ने कहा है कि वे मेरी मृत्यु की कामना करते हैं यह दुखद है। इस प्रार्थना सभा में एक दर्जन से अधिक धार्मिक नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए, जिनमें हिंदू, बौद्ध, यहूदी और मुस्लिम धर्मगुरु शामिल थे। वॉशिंगटन नेशनल कैथेड्रल 1933 से अब तक दोनों प्रमुख दलों के राष्ट्रपतियों के लिए 10 प्रार्थना समारोह आयोजित कर चुका है।

बिशप ने कहा था उन लोगों पर दया करें जो डरे हुए हैं : 15 मिनट के प्रवचन में बिशप बुडे ने कहा- राष्ट्रपति, मैं आपसे एक अंतिम निवेदन करना चाहती हूं। लाखों लोगों ने आप पर

भरोसा किया है। और जैसा कि अपने कल (20 जनवरी) देश को बताया कि जब आप पर हमला हुआ था तब आपने अपने साथ एक दैवीय हाथ को महसूस किया। मैं आपसे ईश्वर के नाम पर, उन लोगों पर दया करने के लिए कहती हूं जो डरे हुए हैं। बिशप ने कहा- वे डेमोक्रेटिक, रिपब्लिकन और अन्य परिवारों के समलैंगिक, लेस्बियन और ट्रांसजेंडर बच्चे हैं, जिनमें से कुछ को अपने जीवन का डर है। महिला बिशप एडगर बुडे को जानिए मारियान एडगर बुडे कोलंबिया डिस्ट्रिक्ट और फोर मैरीलैंड काउंटियों में 86 एपिस्कोपल काउंटी और 10 एपिस्कोपल स्कूलों की स्प्रिचुअल लीडर हैं। वह प्रोटेस्टेंट एपिस्कोपल कैथेड्रल फाउंडेशन की अध्यक्ष भी हैं, जो वाशिंगटन नेशनल कैथेड्रल और कैथेड्रल स्कूलों की देखरेख करने वाला संगठन है। उन्होंने न्यूयॉर्क की रोचेस्टर यूनिवर्सिटी से हिस्ट्री में बैचलर्स किया है। इसके साथ ही वर्जीनिया थियोलॉजिकल सेमिनरी से मास्टर्स इन डिविनिटी और डॉक्टर ऑफ मिनिस्ट्री की डिग्री भी प्राप्त की है। उन्होंने तीन पुस्तकें हाउ वी लर्न टू बी ब्रेवः डिसीसिव मोमेंट्स इन लाइफ एंड फेथ (2023), रिसीविंग जीससः द वे ऑफ लव (2019) और गैदरिंग अप द फ्रैगमेंट्सः प्रीचिंग ऐज स्पिरिचुअल प्रैक्टिस (2007) भी लिखी हैं।

अनिल विज का सीएम सैनी पर तंज... वे उड़नखटोले से नीचे उतरते ही नहीं

चंडीगढ़ । हरियाणा के मंत्री अनिल विज फिर चर्चा में हैं। उन्होंने अपनी ही सैनी सरकार की घेराबंदी की है। मंत्री विज ने कहा कि उन्हें चुनाव में हराने की कोशिश की गई थी। लेकिन इतने दिन बीतने के बाद भी उन लोगों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं हुआ। विज ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर तंज कसते हुए कहा कि वे उड़नखटोले से नीचे उतरते ही नहीं हैं। विज ने कहा, मैं सबसे सीनियर नेता हूं और मैं कह रहा हूं कि मेरे खिलाफ साजिश की गई है। उन्हें पार्टी से तुरंत निकाला ही जाना चाहिए था। 100 दिन तक कुछ नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाकर कहा, हमारे मुख्यमंत्री उड़नखटोले से नीचे नहीं उतरते हैं। वे जिस दिन से मुख्यमंत्री बने हैं, तब से वे उड़खटोले पर ही सवार हैं, नीचे उतरे ही नहीं। हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद ही उन्हें लोगों का दर्द पता चलेगा। यह सिर्फ मेरी आवाज नहीं है, बल्कि सभी सांसदों, विधायकों और मंत्रियों की आवाज है। उन्होंने अधिकारियों की ओर से उनके आदेशों का पालन नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। इतना ही नहीं किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तरह आमरण अनशन पर जाने की चेतावनी दी। अंबाला कैंट से बीजेपी विधायक और मंत्री ने कहा, उन्होंने अंबाला में जनता दरबार लगाना बंद कर दिया है, जिस वे हर सोमवार को आयोजित करते थे।

प्रेमी से मिलने का आरोप लगाकर महिला को दी तालीबानी सजा, अर्धनग्न कर गांव में घुमाया

दाहोद । गुजरात को शर्मसार कर देनेवाली एक घटना सामने आई है। दाहोद जिले के संजेली के एक गांव में महिला पर प्रेमी से मिलने गई होने का आरोप लगाकर पहले उसे अर्धनग्न किया और उसके बाद गांव में घुमाया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आ गई और 15 जितने लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर 12 आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक दाहोद जिले के संजेली तालुका के ढालसूमल गांव में 35 वर्षीय विवाहित महिला को तालीबानी सजा दिए जाने का मामला सामने आया है। 15 लोगों के समूह ने विवाहिता महिला को अर्धनग्न हालत में घर से बाहर निकाला और बाइक के पीछे बांधकर उसे दौड़ाया। इतना ही नहीं उसके साथ बुरी तरह से मारपीट भी की। इतने से भी मन नहीं भरा तो घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई है। पुलिस ने इस मामले में महिला की शिकायत के आधार पर 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। इस बारे में दाहोद के एसपी राजदीपसिंह झाला ने बताया कि दाहोद जिले में एक महिला की पिटाई की घटना की सूचना पुलिस को मिलने के बाद डीएसपी समेत काफिला मौके पर पहुंचा और महिला को बचाया। पुलिस ने महिला के बयान के आधार पर 15 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने दरिंदगी करने वाले 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। फिलहाल गांव में पुलिस का काफिला तैनात कर दिया गया है। घटना को लेकर राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेष पटेल ने कहा कि दाहोद की घटना समाज के लिए दुखद और शर्मनाक है। गृह विभाग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए शिकायत दर्ज करायी है। ऐसी घटना पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

जम्मू-कश्मीर में लगे भूकंप के झटके, नुकसान की जानकारी नहीं

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राजौरी सहित पूरे जम्मू-कश्मीर में भी भूकंप के झटके लगे। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.6 दर्ज की गई है। फिलहाल अभी तक इस भूकंप में किसी तरह के जानी नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग अपने घरों और कर्मचारी अपने-अपने ऑफिसों से बाहर निकल आए। वहीं हर तरफ अफरा-तफरी मच गई।

केरल में अवैध रूप से रहने वाले 27 बांग्लादेशी घुसपैठियों को किया गिरफ्तार

तिरुअनंतपुरम। एर्नाकुलम ग्रामीण जिला पुलिस प्रमुख वैभव सक्सेना ने दो सप्ताह पहले 28 वर्षीय तस्लीमा बेगम की गिरफ्तारी के बाद 'ऑपरेशन क्लीन' नामक एक विशेष अभियान शुरू किया था जिसके तहत कोच्चि में अवैध रूप से रह रहे 27 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तारी हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को एर्नाकुलम जिले के उत्तरी परवूर इलाके से एर्नाकुलम ग्रामीण पुलिस और आतंकवाद निरोधी दस्ते ने संयुक्त रूप से चलाए एक अभियान के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इन बांग्लादेशी नागरिकों को एर्नाकुलम जिले के उत्तरी परवूर क्षेत्र में एर्नाकुलम ग्रामीण पुलिस और आतंकवाद निरोधक दस्ते के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिक बनकर विभिन्न स्थानों पर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना ने दो आतंकवादियों को किया ढेर

पुंछ । भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। नगरोटा स्थित व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने बताया कि गुरुवार रात एलओसी पर आतंकवादी गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली। सतर्क सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों को घेर लिया। इसके बाद सेना के साथ हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए।

गडकरी की दिल्लीवालों से अपील, आप बस बीजेपी सरकार बना दें... जाम और प्रदूषण से मुक्ति दिला दूंगा

आप सरकार प्रदूषण का स्थायी हाल नहीं निकलना चाहती

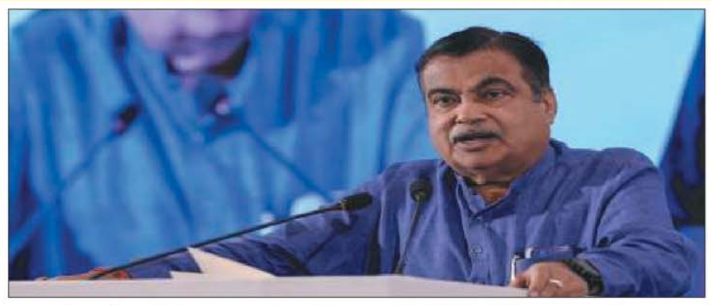

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी देश के उन कुछ चुनिंदा नेताओं में शुमार हैं जिनके काम की तारीफ विपक्षी दल भी करते हैं। गडकरी देश के उन कुछ चुनिंदा नेताओं में हैं जिन्होंने बीते दस सालों से अपने काम के जरिये जनता का विश्वास जीता है और हर कोई चाहता है कि केंद्रीय मंत्री गडकरी की नजर उसके क्षेत्र पर पड़ जाएं ताकि वहां की समस्याओं का निराकरण हो सके। केंद्रीय मंत्री होने के नाते गडकरी ने देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया ही है साथ ही उन्होंने एनसीआर क्षेत्र में भी तमाम एक्सप्रेस-वे के द्वारा हालात में काफी बदलाव किए हैं।

वहीं गडकरी इनदिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में उतरे हुए हैं और जनता को विश्वास दिला रहे हैं कि यदि भाजपा की जीत होती है, तब पांच साल के अंदर दिल्ली यातायात जाम और वायु प्रदूषण से मुक्त होगी। गडकरी ने 'डबल इंजन' सरकार के लाभों पर जोर देकर कहा, ''अगर केंद्र में मोदी और दिल्ली में भाजपा सरकार होगी तब राजधानी की प्रगति बुलेट ट्रेन की तरह 10 गुना तेज हो जाएगी।' आप देख रहे हैं कि इस समय दिल्ली में विभिन्न नेता तमाम तरह की गारंटियां दे रहे हैं। इन नेताओं की गारंटियों का इतिहास देखने पर आपको सबसे ज्यादा प्रभावी गारंटी गडकरी की ही लगेगी। दिल्लीवालों को रोजाना घर से ऑफिस और ऑफिस से घर जाते समय घंटों ट्रैफिक जाम में बिताने पड़ते हैं। सोचिये यदि इस जाम से हमेशा के लिए निजात मिले तब आपको कितना फायदा होगा। दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर हर दूसरे तीसरे दिन ग्रैप की विभिन्न श्रेणियों वाली पाबंदियां लग जाती हैं जिससे तमाम तरह के प्रतिबंध लग जाते हैं। सोच यदि यह प्रदूषण खत्म हो जाए तब आपको कितना स्वास्थ्य लाभ होगा? लेकिन यह तभी संभव है जब दिल्लीवासी सही सरकार का चुनाव करें। एक ऐसी सरकार जिसने बीते 10 सालों में दिल्ली के प्रदूषण को खत्म करने का स्थायी इलाज निकालने की बजाय सिर्फ ऑड-ईवन आधार पर वाहन चलाने वाली नीति लागू की उस आप पार्टी से ज्यादा अपेक्षा रखना दिल्ली के लिए और नुकसानदेह साबित होगा। इसलिए जरूरी है कि अपने काम के बलबूते जनता का विश्वास जीतने वाले गडकरी जैसे नेताओं की बात को सुने और दिल्ली तथा आने वाली पीढ़ी के सुनहरे भविष्य की मजबूत नींव रखी जाए।

बता दें कि विधानसभा चुनाव प्रचार में गडकरी ने दिल्ली को वायु प्रदूषण, यातायात भीड़भाड़ और कचरा प्रबंधन जैसी समस्याओं से मुक्त कराने का वादा किया है। उन्होंने कहा, ''मैं आपको वचन देता हूं। यदि आप दिल्ली सरकार में भाजपा का इंजन लगाएंगे तब हम पांच साल के भीतर दिल्ली को यातायात जाम और वायु प्रदूषण से मुक्त कर दूंगा। मैं यह वादा करता हूं।

शेख अब्दुल रशीद ने तिहाड़ जेल में शुरु की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय सांसद शेख अब्दुल रशीद तिहाड़ जेल में कथित दुर्व्यवहार के विरोध में शुक्रवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए है। राशिद की पार्टी अवामी इत्तेहाद पार (एआईपी) के नेता भी श्रीनगर के प्रताप पार्क में अपने नेता के साथ एकजुटता दिखाने के लिए भूख हड़ताल करने वाले है। इंजीनियर राशिद के नाम से मशहूर राशिद 2017 के आतंकी-फंडिंग मामले में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा गिरफ्तारी के बाद 2019 से जेल में बंद है। 22 जनवरी को राशिद ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर अपनी जमानत याचिका पर फैसला लेने की मांग की, जो एक ट्रायल कोर्ट में लंबित है। दरअसल स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने वाले राशिद ने बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हराकर सुर्खियां बटोरीं थी। एआईपी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने राशिद के साथ एकजुटता दिखाने के लिए एक दिन की भूख हड़ताल पर बैठने की योजना तैयार की है। राशिद, तिहाड़ जेल में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर रहे हैं। राशिद पिछले साल बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे, उन्होंने उमर अब्दुल्ला और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन को हराया था।

प्रयागराज महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं के लिए मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों के खुले दरवाजे, खाने और ठहराने की व्यवस्था की

प्रयागराज (एजेंसी)। मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए आए श्रद्धालुओं की भीड़ से मेला क्षेत्र के साथ ही पूरा प्रयागराज शहर भी पटा हुआ था। शहर की सड़कों के साथ ही गलियों में भी पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी। भीड़ नियत्रिंत करने के लिए रास्ते रोके जाने से लोगों को दिक्कत हो रही थी। इसके बाद शहर के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इन श्रद्धालुओं के लिए अपनी इबादतगाहों के दरवाजे खोल दिए।

मस्जिदों और दरगाहों से लेकर तमाम मदरसों में भी श्रद्धालुओं को ठहराया गया। यहां उनके लिए खाने-पीने के साथ ही ठहरने और बिस्तर के भी इंतजाम है। रास्तों और सीढ़ियों से लेकर अंदर की उन जगहों पर भी श्रद्धालुओं को ठहराया गया, जहां रोजाना पांच वक्त की नमाज अदा होती है। शहर की सबसे बड़ी मस्जिद चौक इलाके की जामा मस्जिद, खुल्दाबाद इलाके की शाही मस्जिद, डफरिन अस्पताल के सामने की मस्जिद, रोशन बाग इलाके की मस्जिद के साथ ही तीन दर्जन से ज्यादा मस्जिदों-मदरसों और दरगाहों को तीन से चार दिनों तक श्रद्धालुओं के लिए खोला गया था।

इतना ही नहीं प्रयागराज में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कई जगहों पर महाकुंभ के लिए आए श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत व अभिनंदन किया। कई जगहों पर लंगर और भंडारे का आयोजन किया। कुछ जगहों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने श्रद्धालुओं को अंग वस्त्रम भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

श्रद्धालुओं को इबादतगाहों में रोकने के तमाम वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। लोग इन वीडियो को देखकर प्रयागराज की गंगा जमुनी तहजीब की जमकर तारीफ कर रहे हैं। प्रयागराज के मदरसों और मस्जिदों से जुड़े लोगों का कहना है कि श्रद्धालु इन इबादत ग़ाहों में रुक कर काफी भावुक हो गए थे।

केजरीवाल पर सांसद मनोज तिवारी का आरोप, शराब और पैसा बांटकर लोगों को रिश्वत देना चाहते

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास की तलाशी को लेकर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने तंज कस दिया है। सांसद तिवारी ने कहा कि आम आदमी पार्टी बेनकाब हुई है। यह शराब और पैसा बांटकर लोगों को रिश्वत देना चाहती है। लेकिन जनता ने आप को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि सामान गोदाम में रखा हुआ था लेकिन वह भी किसी दिल्ली भक्त मुखबिर ने पुलिस को बता दिया होगा। नकदी और शराब की बोतलें पकड़ी गई हैं। यहीं आप का असली का चरित्र है।

भाजपा सांसद तिवारी ने दावा किया कि नुकसान का बोझ अरविंद केजरीवाल पर पड़ेगा। इसलिए मान इस बोझ को उतारने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली ने अब तक देखा है कि आप चुनाव जीतने के लिए या पैसा और शरा बांटती है या घुसपैठियों को वोटर बनाती है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग सतर्क है और मुझे पूरा विश्वास है कि भ्रष्टाचार के इस चरित्र को जनता नोटिस कर रही है। जल्द ही पंजाब की जनता भी इस पर अपना फैसला सुना देगी।

बीजेपी सांसद तिवारी ने कहा कि 5 फरवरी को दिल्ली के लोगों ने तय किया हैं कि आप बाहर जाएगी। भाजपा सत्ता में आएगी और दिल्ली को कठिन परिस्थितियों से निकालकर दुनिया के सामने एक अच्छी राष्ट्रीय राजधानी बनाएगी। दरअसल पंजाब के सीएम मान के दिल्ली स्थित आवास के बाहर गुरुवार को तब नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला जब निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले यहां पैसा वितरित किए जाने के आरोपों के बाद मान के परिसर की तलाशी लेने की कोशिश की थी।

इस पर सीएम मान ने निर्वाचन आयोग और दिल्ली पुलिस पर पलटवार कर आरोप लगाया कि वे भाजपा के इशारे पर पंजाबियों को ''बदनाम'' करने की कोशिश कर रहे हैं।

कोर्ट ने गुस्से में पूछा- मूर्तियां बनाने के लिए पीओपी का क्यों हो रहा इस्तेमाल

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने मूर्ति निर्माताओं से यह भी पूछा कि अदालत के बार-बार दिए गए आदेश के बावजूद उन्होंने देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाने के लिए पीओपी का उपयोग क्यों जारी रखा है। सीपीसीबी ने 12 मई, 2020 को संशोधित दिशानिर्देश जारी किए थे, जिसमें पीओपी से बनी मूर्तियों के निर्माण, बिक्री और विसर्जन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पीओपी एक सफेद पाउडर है जो पानी में मिलाने पर सख्त हो जाता है। बोर्ड ने मूर्तियां बनाने के लिए पर्यावरण के अनुकूल कच्चे माल के उपयो को प्रोत्साहित किया है।

कोर्ट ने गुरुवार को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उन दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन क ने का निर्देश दिया, जिसमें प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी मूर्तियों के जलाशयों में सर्जन पर प्रतिबंध लगाया गया है। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति भारती डांगरे की खंडपीठ ने एक जनहित चिका पर सुनवाई की। उसने बृहन्मुंबई महान र पालिका (बीएमसी) और महाराष्ट्र के न्य सभी नगर निगमों को निर्देश दिया कि वे 1 और 2 फरवरी को मनाए जाने वाले 'माघी गणेश उत्सव से पहले दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। अदालत ठाणे निवासी रोहित जोशी और मिट्टी से मूर्तियां बनाने वाले 9 कारीगरों सहित अन्य की ओर से दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सीपीसीबी के 2020 के दिशानिर्देशों के सख्त पालन का अनुरोध किया गया है। दूसरी ओर, पंजाब में जालंधर के डिप्टी कमिश्नर-कम-डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने जिला पुलिस को जालंधर जिले में स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मांगा योगी का इस्तीफा, दूसरे साधु-संतों ने उन्हें सुना दी खरी-खरी

महंत नंदिनी शरण ने कहा, इस तरह का बयान देना बेहद लज्जा से भरा

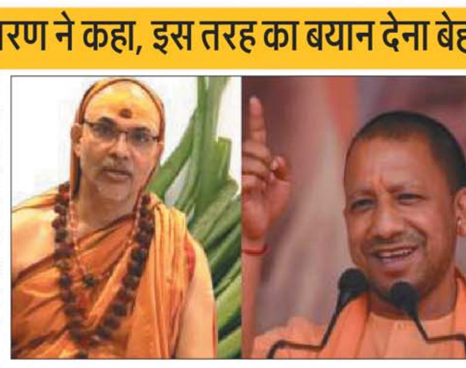

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में 29 जनवरी मौनी अमावस्या के दिन मची भगदड़ पर राजनीति शुरु हो गई है। तमाम विपक्षी पार्टी महाकुंभ में मची भगदड़ का जिम्मेदार योगी सरकार को मान रही है। इसी कड़ी में उत्तराखंड के जोशीमठ स्थित ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का बयान भी सामने आया, जिसमें उन्होंने सीएम योगी के इस्तीफे की मांग की है। इस लेकर तमाम साधु-संतों ने शंकराचार्य का विरोध किया है।

अब मामले में अयोध्या के श्री हनुमत निवास पीठाधीश्वर महंत मिथिलेश नंदिनी शरण ने कहा कि, मौनी अमावस्या के दिन मची भगदड़ बेहद दुखद घटना है। लेकिन मामले में सरकार और सीएम योगी पर निशाना साधना सही नहीं है। वहां श्रद्धालुओं की काफी भीड़ है। महाकुंभ में असाधारण भीड़ है। एक महत्वपूर्ण पीठाधीश्वर के व्यक्ति का इस तरह का बयान देना बेहद लज्जा से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि, योगी महाकुंभ की तैयारियों के साथ देशभर में महाकुंभ की महिमा बढ़ा रहे हैं और हेलीकॉप्टर के जरिए साधु-संतों पर पुष्प वर्षा करवा रहे हैं। अगर उनके काम और उनके प्रति इसी तरह की मंशा रख रहे हैं तब कौन हैं जो यहां आकर व्यवस्था ठीक कर देगा? अगर योगी मुख्यमंत्री पद के लिए योग्य नहीं, तब नाम बताना चाहिए, आखिर कौन इस पद के लिए बेहतर विकल्प होगा? महंत मिथिलेश नंदिनी शरण जी ने कहा, जब सड़कों पर घसीटकर लाठी डंडों से पीटा गया था, तब मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांगा गया था। पालघर के निहत्थे साधुओं को दौड़ा कर मारा गया था, उस मुख्यमंत्री से इस्तीफा लिया गया था? इस देश में मुख्यमंत्री जनादेश से बनता है। उन्होंने कहा मैं उनका प्रचारक नहीं हूं, लेकिन उनके कामों पर सवाल उठाना कुंठा जनक सोच है। इतने बड़े आयोजन में दुर्घटना संभावित है। कोविड महामारी में लाखों लोग मरे हैं, किसे इस्तीफा दे देना चाहिए। महाकुंभ में जो लोग मरे उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। महाकुंभ में अत्याधिक भीड़ के कारण ये हादसा हुआ है।

एक खास वर्ग को खुश करने, मिड-डे मील में अंडे पर रोक लगा रही फडणवीस सरकार

-शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड ने आरोप लगाया

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड ने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को मिलने वाले मिड-डे मील में अंडे पर रोक लगा दिया है। इस लेकर उन्होंने सीएम देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला कर कहा कि वे एक खास वर्ग को खुश करने के लिए ऐसा फैसला कर रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक वे अंडा लेकर ठाणे कलेक्टर अशोक शिंगारे के हॉल में दाखिल हुए। वहीं उन्होंने लिखा, मैं समझता हूं कि आपकी सरकार ने सरकारी स्कूलों में छात्रों को मिलने वाले मध्याह्न भोजन में अंडे बंद करने का फैसला किया है, मुझे लगता है कि यह उन 24 लाख लाभार्थी छात्रों के साथ अन्याय है।

उन्होंने लिखा, सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों की आर्थिक स्थिति शायद अच्छी नहीं होती इसलिए वे वहां पढ़ते हैं। आर्थिक स्थिति का भी उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। स्कूली जीवन के दौरान उन्हें शारीरिक और बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक प्रोटीन नहीं मिलाता है। पहले की राज्य सरकारों ने इन छात्रों के शारीरिक विकास के लिए उन्हें मध्याह्न भोजन में सप्ताह में एक बार अंडे और अन्य पौष्टिक भोजन देने का निर्णय लिया था।

महाराष्ट्र सरकार के फैसले पर आव्हाड ने नाराजगी जताकर कहा कि पर्याप्त प्रोटीन से शारीरिक और मानसिक रूप से विकसित होने में मदद मिलेगी, जिससे एक स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण होगा और मेरा मानना है कि हमारी सरकार ने इस संबंध में जो निर्णय लिया है। वह इन छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होगा।

उन्होंने कहा, जहां महाराष्ट्र समाज का अधिकांश हिस्सा मांसाहारी है, वहीं एक खास वर्ग मांसाहार के खिलाफ है और इसलिए मुख्यमंत्री के रूप में आप वर्ग को खुश करने के लिए इसतरह के फैसले ले रहे हैं ना? इस दावे के लिए मेरे पास मजबूत कारण हैं।

बीजेपी बढ़ा रही शिवसेना यूबीटी से नजदीकी? क्या उद्धव ठाकरे की फिर होगी एंट्री

-एकनाथ शिंदे की संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति पर आपत्ति, बीजेपी को पसंद नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे की नाराजगी को बीजेपी अभी तक भूल नहीं पाई है। हाल ही में एकनाथ शिंदे ने राज्य के कुछ जिलों में संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति पर आपत्ति की थी। बीजेपी को उनकी यह दबाव की राजनीति पसंद नहीं आ रही है। महाराष्ट्र के सियासी हलकों में इन दिनों अटलकों के बाजार गर्म हैं। बीजेपी और उसकी पुरानी सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इसका खंडन किया है, लेकिन अब भी ऐसी चर्चाएं हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि बीजेपी शिंदे के दबाव को गैरजरूरी मान रही है। माना जा रहा है कि उन्हें नियंत्रण में रखने के लिए उद्धव ठाकरे से करीबियां बढ़ाई जा रही हैं।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने एक शादी समारोह में उद्धव ठाकरे से कहा कि वह उस स्वर्णिम क्षण का इंतजार कर रहे हैं, जब दोनों पार्टियां फिर से साथ आएंगी। पाटिल ने यह बयान बीजेपी विधायक पराग अलावनी की बेटी की शादी में ठाकरे से मुलाकात के दौरान दिया था। उद्धव ठाकरे के निजी सहायक और एमएलसी मिलिंद नार्वेकर ने पाटिल से पूछा कि दोनों पार्टियां कब एक साथ आएंगी, तो पाटिल ने कहा कि मैं उस स्वर्णिम क्षण क इंतजार कर रहा हूं।

इस बयान के बाद शिवसेना (यूबीटी) वे सांसद संजय राउत ने कहा कि पाटिल शुरुआत से ही शिवसेना-बीजेपी गठबंधन के समर्थव हैं। उनके विचार शिवसेना (यूबीटी) के क नेताओं द्वारा साझा किए जाते हैं। हमने उनवे साथ 25 साल तक अच्छा काम किया। हमने मोदी के साथ भी अच्छा काम किया, लेकिन अमित शाह के उदय के बाद गठबंधन में निराश आ गई। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस राजनीतिक हलचल को खारिज कर दिया औ कहा कि पार्टियां शादी समारोहों में मिलकर न तो करीबी आती हैं और न ही गठबंधन बनाते हैं।

बता दें कि हाल के विधानसभा चुनावों में अपनी व्यापक जीत से उत्साहित बीजेपी अपने प्रभुत्व का विस्तार करने के लिए दृढ़ संकल्प है। इसके लिए वह सहयोगियों की कीमत चुकाने को भी तैयार है। इसके लिए भगवा पार्टी ने उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के क्षेत्र में अपना पहला कदम उठाने के संकेत दिए हैं। शिंदे ठाणे के संरक्षक मंत्री हैं, लेकिन बीजेपी के मंत्री गणेश नाइक भी ठाणे में जनता दरबार लगाएंगे। वह पड़ोस के पालघर जिले के संरक्षक मंत्री हैं। नाइक का यह कदम निस्संदेह एकनाथ शिंदे के गृह क्षेत्र में उनके अधिकार को चुनौती देने वाला है।